हिंदी दैनिक

नागपुर मेट्रो समाचार

BCN GROUP

RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 | P.NO : NPCITY/516/2021-2023 | नागपुर, सोमवार, 2 जून 2025 | अंक 227 / वर्ष 6 / पृष्ठ 8+4 / कीमत 3/-

शिवशंकर आयुर्वेदिक

● डॉ. श्री बालाजी तांबे (संतूलन आयुर्वेदिक)
● श्री स्वागत तोडकर ● तन्वी हर्बल क्लिनिक
इनकी दवाईयाँ उपलब्ध तथा Dr. B.A.M.S., M.D. अनुभवी चिकित्सक द्वारा चिकित्सा उपचार किया जाता है।

------ विशेष उपचार ------
वात, जोडों का दर्द, सुजन, लखवा, नसो में अकडन, हड्डीयों मे (Fluid Liquid) कम हो जाना, डायबिटीज से परेशान, B.P. (Heart) , पेट कि समस्या, पाईल्स, बालों की समस्या, समस्त स्त्री रोग, आदि सभी जटील रोगों पर विशेष उपचार।

नागपूर का भव्य शोरूम | महाजन मार्केट के पास, टेम्पल बाजार, सिताबर्डी, नागपूर.

फोन 9112079000 / 8605245080

सभी प्रतिष्ठित आयुर्वेदिक कम्पनियो की दवाईयाँ तथा सभी प्रकारकी काष्ट औषधिया, दिव्य वनौषधी, जडीबुटीयाँ तथा उनके पावडर मिलने का विश्वषनिय स्थान।

अगले साल पश्चिम बंगाल में बनेगी बीजेपी सरकार: शाह

कोलकाता.

पश्चिम बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव है, लेकिन चुनाव से एक साल पहले ही बंगाल की सियासत गरमा गई है. दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले 14 सालों से सत्तारूढ़ ममता बनर्जी की सरकार पर जमकर हमला बोला है. अमित शाह ने ममता बनर्जी की सरकार को साल 2026 में सत्ता से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया और साथ ही ममता पर सिंदूर का अपमान करने का आरोप लगाया. अमित शाह ने कहा कि 2026 में बंगाल की जनता परिवर्तन लाएगी और भारतीय जनता पार्टी राज्य में सरकार बनाएगी. उन्होंने ममता बनर्जी को सीधे चुनौती देते हुए कहा, दीदी, अब आपका वक्त खत्म हो चुका है. भाजपा 2026 में सरकार बनाएगी. हमें बंगाल से घुसपैठ, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म करना है. गृह मंत्री ने ममता सरकार पर घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं दे रही है, ताकि घुसपैठ बनी रहे और उनका वोटबैंक सुरक्षित रहे. उन्होंने कहा, हमने उनसे बाड़ लगाने के लिए जमीन मांगी है, लेकिन वह नहीं दे रहीं. उन्हें डर है कि घुसपैठ रुक गई तो वोटबैंक कम हो जाएगा और उनका भतीजा मुख्यमंत्री नहीं बन पाएगा. शाह ने यह भी कहा कि ममता बनर्जी की सरकार बांग्लादेशियों के लिए देश की सीमाएं खोल रही है और इस तरह की नीतियां केवल देश की सुरक्षा ही नहीं, सामाजिक संतुलन को भी खतरे में डाल रही हैं. अमित शाह ने अपने भाषण में हालिया राष्ट्रीय सुरक्षा ऑपरेशन ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने उसका विरोध किया और देश की करोड़ों महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई. उन्होंने कहा, हमारे जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मारा, लेकिन दीदी को इससे दर्द होता है. ममता बनर्जी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का विरोध कर महिलाओं के आत्मसम्मान और आस्था का अपमान किया है. बंगाल की माताएं और बहनें उन्हें 2026 के चुनाव में इसका जवाब देंगी. शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है और जो भी देश के खिलाफ खड़ा होगा, उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा.

शाह ने ममता बनर्जी पर भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ हिंसा को नजरअंदाज करने का भी आरोप लगाया. उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी के शासनकाल में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या हुई है, लेकिन दोषियों के खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हुई. दीदी, अगर आपमें हिम्मत है, तो बिना हिंसा के चुनाव कराइए, फिर देखिए आपकी जमानत कैसे जब्त होती है. गृह मंत्री ने पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र को कुचलने के आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं पर फर्जी केस और पुलिसिया दमन आम बात हो गई है. उन्होंने चेतावनी दी कि केंद्र सरकार इस पर चुप नहीं बैठेगी और लोकतंत्र की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगी. शाह ने ममता बनर्जी के नारे 'मां, माटी, मानुष' पर कटाक्ष करते हुए कहा कि यह नारा अब केवल एक राजनीतिक जुमला बनकर रह गया है. उन्होंने कहा, ममता बनर्जी ने बंगाल की महान भूमि को अपराध, बम विस्फोट, महिला अत्याचार और घुसपैठ की धरती में बदल दिया है. राज्य की जनता अब यह सब और बर्दाश्त नहीं करेगी.

ममता को भाजपा का बड़ा चैलेंज

साल 2011 में ममता बनर्जी ने 34 साल के वामपंथी शासन को समाप्त कर सत्ता हासिल की थी. इसके बाद 2016 और 2021 में भी तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से जीत दर्ज की. हालांकि 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने बंगाल की 42 सीटों में से 18 पर जीत दर्ज कर यह संकेत दे दिया था कि राज्य की राजनीति में वह अब एक मजबूत विकल्प बन चुकी है. 2021 के विधानसभा चुनाव में हालांकि ममता बनर्जी ने तीसरी बार सरकार बनाई, लेकिन भाजपा ने 77 सीटें जीतकर विधानसभा में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में अपनी स्थिति मजबूत की. अब 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा एक बार फिर ममता बनर्जी को कड़ी चुनौती देने की तैयारी में है.

गरमाई बंगाल की सियासत

शाह के इस भाषण के बाद बंगाल की राजनीति में हलचल तेज हो गई है. तृणमूल नेताओं का कहना है कि भाजपा की इस रणनीति को 'ध्रुवीकरण की कोशिश' माना जा रहा है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शाह का बयान बंगाल में भाजपा के चुनाव अभियान की शुरुआत है, जो एक बार फिर राष्ट्रवाद, सुरक्षा और तुष्टीकरण के मुद्दों को केंद्र में रखकर ममता सरकार को घेरने की कोशिश करेगा.

इजरायली समर्थित फाउंडेशन से सहायता प्राप्त करने गए 21 की मौत

रफह.

गाजा पट्टी में भोजन की तलाश में जा रहे 21 लोगों को खाने-पीने का सामान तो नसीब नहीं हुआ, लेकिन उन्हें मौत जरूर मिल गई। बताया जा रहा है कि इजरायल समर्थित एक संगठन से फिलस्तीनी नागरिक सहायता प्राप्त करने के लिए जा रहे थे। मगर इसी दौरान उन पर हवाई हमला हो गया। इस दौरान कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी रेडक्रॉस द्वारा संचालित एक अस्पताल ने दी। मौत के बाद इन लोगों के शवों को अस्पताल में लाया गया। अस्पताल ने बताया कि रविवार को 175 अन्य लोग घायल हो गए। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के एक पत्रकार ने अस्पताल में इलाज करा रहे दर्जनों घायलों को देखा। घायलों में से कई को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस घटना में घायल हुए दर्जनों लोगों को अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया। यह हमला गाजा में मानवीय सहायता वितरण के विवादास्पद तंत्र के तहत हुआ है, जिसे इजरायल और संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा समर्थित किया गया है। इस तंत्र का उद्देश्य हामास के हाथों में सहायता न जाने देने के लिए है, लेकिन संयुक्त राष्ट्र और अन्य प्रमुख सहायता संगठनों ने इसे मानवीय सिद्धांतों का उल्लंघन बताते हुए आलोचना की है।

इस घटना ने गाजा में मानवीय संकट को और बढ़ा दिया है, जहां भूखमरी का खतरा मंडरा रहा है और अंतरराष्ट्रीय सहायता जीवन रेखा के रूप में आवश्यक है। इससे पहले बीती 27 मई को भी रफह के टेल अल-सुलतान क्षेत्र में एक अन्य गोलीबारी में कम से कम 10 फिलस्तीनियों की मौत हो गई थी और 62 घायल हो गए थे। यह घटना उसी सहायता वितरण स्थल के पास हुई थी, जो इजरायली समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन द्वारा संचालित था। स्थानीय निवासियों के अनुसार इजरायली बलों ने नागरिकों पर गोलीबारी की जो सहायता प्राप्त करने के लिए जा रहे थे। घायलों में से कई को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

> 3 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित, 883 घर क्षतिग्रस्त

मणिपुर में भारी बरसात

राजभवन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अपने दौरे के दौरान राज्यपाल ने अधिकारियों को नदी की स्थिति पर बारीकी से नजर रखने और एहतियाती उपाय लागू करने के निर्देश दिए. बयान के अनुसार राज्यपाल ने प्रभावित लोगों के लिए निकासी और अस्थायी राहत उपायों की व्यवस्था करने के लिए उपायुक्तों को निर्देश दिए हैं और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की इकाइयों को भी सतर्क कर दिया गया है.

इंफाल.

मणिपुर में भारी बारिश के कारण पिछले 48 घंटों में बाढ़ और लैंडस्लाइड की वजह से 3,802 लोग प्रभावित हुए हैं और 883 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं. अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि नदियों के उफान पर आने और तटबंध टूटने के कारण राज्य की राजधानी इंफाल और इंफाल पूर्व जिले के कई इलाकों में जलभराव हो गया. उन्होंने बताया कि मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने इंफाल शहर के कई जलमग्न इलाकों का दौरा किया, जबकि सेना और असम राइफल्स के जवानों ने सबसे अधिक प्रभावित जिले इंफाल पूर्व में जलमग्न इलाकों से लगभग 800 लोगों को बचाया. राजभवन की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि भल्ला ने मुख्य सचिव पी के सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंफाल में कांगला नोंगपोक थोंग, लैरिक्येंगबाम लेइकाई और सिंगजामेई ब्रिज का दौरा किया और वहां की स्थिति का आकलन किया. राज्य में बाढ़ और भूस्खलन के परिणामस्वरूप पिछले 48 घंटों में कम से कम 3,802 लोग प्रभावित हुए हैं और 883 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं. एक अधिकारी ने बताया, 'शनिवार शाम तक कुल 3,275 इलाके या गांव भारी बारिश की चपेट में आ चुके हैं, जिसमें दो लोग घायल भी हुए हैं तथा 64 जानवरों की मौत की खबर है.' उन्होंने बताया कि अब तक राज्य भर में कुल मिलाकर भूस्खलन की 12 घटनाएं हुई हैं. एक अन्य अधिकारी ने बताया कि चेकॉन क्षेत्र में इंफाल नदी के उफान पर आने के बाद ऑल इंडिया रेडियो के इंफाल परिसर और जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान सहित कई कार्यालयों और प्रतिष्ठानों के परिसर में जलभराव हो गया. उन्होंने बताया कि रविवार को इंफाल पूर्व जिले में इरिल नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया, हालांकि अभी तक तटबंध नहीं टूटा है. स्थानीय लोग और अधिकारी तटबंधों को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं. एक अन्य अधिकारी ने बताया कि चेकॉन और वांगखेई में जलस्तर रविवार सुबह कम हो गया, लेकिन खुरई और हिंगांग निर्वाचन क्षेत्रों में स्थिति अभी भी जस की तस बनी हुई है.

मंडी में सड़क हादसा, 5 लोगों की मौत

मंडी. हिमाचल प्रदेश के मंडी में रविवार को दर्दनाक सड़क हादसे में 5 लोगों की जान चली गई, जबकि एक शख्स गंभीर रूप से जख्मी हो गया. इस घटना को लेकर राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने दुख जताते हुए पीड़ित परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की. हिमाचल प्रदेश के सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सड़क हादसे पर शोक जताते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आईआईटी मंडी के समीप कमांद में एक सड़क दुर्घटना में पांच लोगों के निधन और एक अन्य के घायल होने का समाचार अत्यंत दुःखद एवं पीड़ादायक है.'' उन्होंने आगे लिखा, ''मैं दिवंगत जनों की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं और शोक-संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं. ईश्वर परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें. साथ ही, घायल व्यक्ति के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करता हूं.''

मंडी में आईआईटी कमांद के पास बने नए पुल पर महिंद्रा पिकअप गाड़ी हादसे का शिकार हो गई. न्यूज एजेंसी के मुताबिक रविवार सुबह करीब 9 बजे एक जीप आईआईटी कमांद के लिए टेंट का सामान लेकर जा रही थी.

पूर्वोत्तर में मूसलाधार बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से 25 की मौत

पूर्वोत्तर. पूर्वोत्तर भारत में दो दिनों से हो रही मूसलधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। असम, मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मणिपुर समेत कई राज्यों में आई बाढ़ और भूस्खलनों ने अब तक कम से कम 25 लोगों की जान ले ली है। भारत मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में और बारिश की चेतावनी दी है, जिससे हालात और बिगड़ने की आशंका है। असम की राजधानी गुवाहाटी में एक बड़े मडस्लाइड ने कई घरों को दबा दिया, जिसमें एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित 5 लोगों की मौत हो गई। गोलाघाट और लखीमपुर जिलों में बाढ़ से 3 और लोगों की मौत हुई है। राज्य के 17 जिले बाढ़ और भूस्खलन की चपेट में हैं। अकेले लखीमपुर जिले में 41,600 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। राज्य भर में 1,200 से अधिक लोग 5 राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। राहत और बचाव कार्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, पुलिस और दमकल विभाग की टीमें जुटी हुई हैं। अरुणाचल प्रदेश में एक वाहन बाढ़ के तेज बहाव में बह गया, जिससे 7 लोगों की मौत हो गई। एक अन्य घटना में 2 लोगों के डूबने की खबर है। राज्य प्रशासन ने युद्धस्तर पर राहत अभियान शुरू कर दिया है। बीते 24 घंटों में मिजोरम, त्रिपुरा और मेघालय में 8 लोगों की मौत हुई है। यहां भी बाढ़ और भूस्खलनों से हालात गंभीर बने हुए हैं। मणिपुर में तीन दिनों की लगातार बारिश ने राजधानी इम्फाल को ठप कर दिया है। शहर के कई हिस्सों में जलभराव है। इम्फाल नदी के किनारे बसे इलाकों से लोगों को हटाने के लिए प्रशासन ने चेतावनी जारी की है। उत्तरी सिक्किम में 1,500 से ज्यादा पर्यटक फंसे हुए हैं, क्योंकि भूस्खलन के चलते मुख्य सड़कें बंद हो गई हैं। मंगन जिले में पर्यटकों से भरा एक वाहन तेस्ता नदी में गिर गया, जिसमें 1 की मौत, 2 घायल और 8 लोग लापता हैं। आईएमडी ने असम के कई हिस्सों में रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि अन्य राज्यों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किए गए हैं। विभाग ने आने वाले दिनों में तेज बारिश की आशंका जताई है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने, बचाव अभियान चलाने और आवासीय इलाकों को खाली कराने के निर्देश दिए हैं। पूर्वोत्तर में मानसून की यह मार कई इलाकों में भारी संकट पैदा कर चुकी है और आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

रूस के एयरबेस के नजदीक कई धमाके

मॉस्को.

यूक्रेन ने रूस के दो अहम एयर बेस- ओलेन्या और बेलाया, पर हमला किया है. यूक्रेनी सेना ने इस हमले में ड्रोन का इस्तेमाल किया है. बताया जा रहा है कि जिन एयर बेस को निशाना बनाया गया है, वो रूस-यूक्रेन सीमा से काफी अंदर में पड़ता है. यूक्रेनी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह हमला यूक्रेनी सेना का अब तक का सबसे बड़ी ड्रोन अटैक था. यूक्रेन ने खासतौर से उस बेस को निशाना बनाया है, जिसका इस्तेमाल रूस उसपर बम बरसाने के लिए कर रहा था. यूक्रेन की तरफ से कहा गया है कि उसने रूस के अंदर स्थित कई एयर बेस पर ड्रोन से हमला किया है, जिसमें 40 से ज्यादा रूसी बॉम्बर्स को ध्वस्त कर दिया है, जिसका इस्तेमाल रूस यूक्रेन पर बम बरसाने के लिए कर रहा था. यूक्रेन का कहना है कि ये वही विमान हैं जो अक्सर यूक्रेन के ऊपर उड़ान भरते हैं और बम गिराते हैं. यूक्रेन की सुरक्षा सेवा (एसबीयू) के एक अधिकारी ने बताया कि उनके ड्रोन रूसी इलाके में गहराई तक जाकर बड़े बॉम्बर्स विमानों जैसे तू-95, तू-22 और महंगे और दुर्लभ ए-50 जासूसी विमान को नुकसान पहुंचाने में सफल रहे.

एसबीयू ने बताया कि हमला "बेलाया" एयर बेस पर हुआ, जो रूस में इर्कुत्स्क के एक दूरस्थ क्षेत्र में पड़ता है. इनके अलावा, "ओलेन्या" एयर बेस पर भी आग लगने की खबरें हैं, लेकिन इसे अभी आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं मिली है. ये विमान रूस के लिए बहुत अहम हैं. जैसे कि तू-95 1950 के दशक का पुराना विमान है, लेकिन अब भी यह कई क्रूज मिसाइल ले जाने में सक्षम है, जो दूर-दूर के शहरों को निशाना बना सकते हैं. इसमें जेट इंजन की जगह बड़े घूमने वाले प्रोपेलर लगे होते हैं, और यह लंबी दूरी तय कर सकता है. तू-22 एक हाई स्पीड विमान है, जो खासतौर से मिसाइल कैरी कर सकता है.

○ रूस या अन्य देशों की तरफ से अभी इस हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, और कुछ जानकारियां बदल भी सकती हैं, लेकिन यदि यह सच है, तो यह युक्रेन का रूस की वायु शक्ति पर अब तक का सबसे बड़ा हमला माना जाएगा. युक्रेन ने कहा है कि उनके ड्रोन आगे भी उड़ते रहेंगे और जवाबी कार्रवाई जारी रखेंगे.

ब्रांयस्क रीजन में पुल ढहने से ट्रेन पटरी से उतरी

हादसे में तीन की मौत, 28 घायल

मॉस्को. रूस के ब्रायंस्क में बड़ा हादसा हुआ है, जहां रेलवे पुल ढहने की वजह से एक ट्रेन पटरी से डिरेल हो गई। इस हादसे में कम से कम 7 लोगों की मौत हुई, जबकि 30 लोग घायल हुए हैं। घायलों को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। रूस का ब्रायंस्क क्षेत्र यूक्रेन की सीमा से लगा हुआ है। अधिकारियों ने रविवार को हुई इस घटना के पीछे 'अवैध हस्तक्षेप' को कारण बताया है। ब्रायंस्क रीजन के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज ने जानकारी दी है कि हॉस्पिटल में भर्ती लोगों में दो बच्चे भी शामिल हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। इसके कुछ ही घंटों बाद पुल टूटने की एक और घटना सामने आई है, जिसमें एक मालगाड़ी शिकार हुई है। रूसी राज्य एजेंसियों ने मेडिकल सोर्स का हवाला देते हुए बताया कि मरने वालों में लोकोमोटिव ड्राइवर भी है। मिनिस्ट्री ऑफ इमरजेंसी सिचुएशन ने टेलीग्राम पर बताया कि घटनास्थल पर लगभग 180 कर्मियों को तैनात किया गया था, जिनका फोकस घायल का पता लगाने और उसे बचाने पर था। रूस के बाजा टेलीग्राम चैनल की रिपोर्ट के मुताबिक प्रारंभिक निष्कर्षों से पुल को उड़ाने का संकेत मिलता है। यह चैनल अक्सर कानून प्रवर्तन और सुरक्षा सेवाओं से प्राप्त जानकारी साझा करता है।

असम से सिक्किम तक 'जल प्रलय'!

> बाढ़ और भूस्खलन से 30 की मौत

असम.

पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में बाढ़ आ गई है. बाढ़ के कारण उत्तर-पूर्वी राज्यों में सड़क परिवहन, रेल और नौका सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं. वहीं, असम, त्रिपुरा, सिक्किम और अरूणाचल प्रदेश में बाढ़ के कारण 30 लोगों की जान जा चुकी है. भारतीय मौसम विभाग ने अपने ताजा बुलेटिन में पश्चिमी त्रिपुरा और खोवाई के लिए रेड अलर्ट जारी किया है. इसके अलावा बाढ़ के कारण सड़क परिवहन, भूस्खलन, फसलों की बर्बादी और राज्यों में बिजली आपूर्ति की समस्या को लेकर चेतावनी दी है. त्रिपुरा में भारी बारिश और बाढ़ की स्थिति को लेकर देखते हुए कुल 1300 परिवारों को राहत शिविरों में शिफ्ट किया गया है. इसके अलावा इम्फाल में सुरक्षा बलों के जवान बारिश और बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने में जुटी है. उत्तर-पूर्वी राज्यों में बाढ़ की स्थिति को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने असम, मणिपुर, सिक्किम और अरूणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से स्थिति की जानकारी ली है और इस स्थिति से निपटने के लिए हर संभव सहायता देने की पेशकश की है. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री से बातचीत की जानकारी साझा की असम में बाढ़ और भूस्खलन के कारण अब तक कुल आठ लोगों की मौत हो चुकी है.

'ऑपरेशन स्पाइडरवेब' से रूस को लगा 200 करोड़ डॉलर का चूना

मास्को. पिछले तीन साल से ज्यादा समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध ने एक नया मोड़ लिया है. यूक्रेन ने रूस में अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमले को अंजाम दिया है. यूक्रेन ने यह ड्रोन हमला रूस के साइबेरिया में एक एयरबेस पर किया, जिसमें 40 से ज्यादा रूसी विमानों को निशाना बनाने का दावा किया. रूसी सैन्य अड्डे पर तैनात विमानों पर ड्रोन अटैक का वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हो रहे वीडियो में हवाई पट्टी पर खड़े विमानों को आग की लपटों और धुएं के उठते हुए गुबार को देखा जा सकता है. वहीं, यूक्रेन ने यह हमला रूस की लंबी दूरी की मारक क्षमता को प्रभावित करने के लिए किया. यूक्रेन ने रूस के चार रणनीतिक एविएशन एयरबेस पर तैनात 40 बॉम्बर एयरक्राफ्ट्स को अपने निशाना बनाया. यूक्रेन ने रूस में किए गए इस ड्रोन हमले को ऑपरेशन स्पाइडरवेब नाम दिया है. जिसमें रूस का टीयू-95 और टीयू-22एम3 बॉम्बर्स एयरक्राफ्ट के साथ कम से कम एख ए-50 हवाई अर्ली वॉर्निंग एयरक्राफ्ट भी शामिल है. जानकारी के मुताबिक, यूक्रेन ने जिन रूसी विमानों पर ड्रोन हमले किए, उनकी कीमत करीब 2 बिलियन डॉलर (करीब 200 करोड़ डॉलर) थी.

CMYK

1 करोड़ स्टाइल्स, 50% तक छूट

> शॉपिंग में अब दिखेगा देसी ठाठ!

बेंगलुरु.

जैसे-जैसे मौसम ठंडा होने लगता है और गर्मियों के कपड़ों को बदलने का समय आता है, देशभर के बजट-सचेत खरीदार नए कपड़े, फैशन एक्सेसरीज़ और मानसून के जरूरी सामान खरीदने की तैयारी में जुट जाते हैं। ऐसे में फ्लिपकार्ट का शॉप्सी, भारत का सबसे तेजी से बढ़ता किफायती ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म, अपनी एंड ऑफ सीजन सेल (ईओएसएस) शुरू करने जा रहा है। इसका मकसद खरीदारों को हर दिन के नए फैशन ट्रेंड्स और कम कीमतों वाले खास ऑफर्स की मदद से भीड़ से अलग दिखने में मदद करना है।

यह सेल 30 मई से 8 जून तक चलेगी और भारत की सबसे बड़ी व बहुप्रतीक्षित एंड ऑफ सीजन सेल्स में से एक होगी, जिसमें विक्रेताओं की ओर से ग्राहकों को शानदार ऑफर्स दिए जाएंगे। शॉप्सी की एंड ऑफ सीजन सेल में ग्राहकों को मिलेगा 'हर दिन नए ट्रेंड्स' का खास अनुभव, जिसमें रोज़ नए फैशन ट्रेंड्स की शुरुआत सिर्फ 99 से होगी जिससे भारत के खरीदार अपनी वार्डरोब और घर को बिना जेब पर बोझ डाले रिफ्रेश कर सकेंगे।

मुख्य आकर्षणों में शामिल हैं अंडर 199 रुपये का बाज़ार, जिसमें रोज़मर्रा की आवश्यकताओं पर बेजोड़ कीमतें हैं, 299 रुपये के सुपर सेवर्स, जिसमें वैल्यू फैशन सेट और क् वॉलिटी फुटवियर हैं, और 499 रुपये केइस बीच, घर से काम या ऑनलाइन पढ़ाई करने वाले ग्राहक 'वर्क फ्रॉम होम कम्फर्ट स्टाइल' के तहत 149 रूपए से शुरू होने वाले लाउंजवियर, आरामदायक टी-शर्ट्स और सॉफ्ट बॉटम्स का फायदा उठा सकते हैं। वुमंस वियर और मेकअपः महिला खरीदारों के लिए फैशन और ब्यूटी में ढेरों विकल्प हैं। स्टाइलिश पेप्लम और ट्यूनिक टॉप्स 129 रूपए से शुरू, और समर मिनी ड्रेसेस 149 रूपए से उपलब्ध हैं। ग्राहक मेकअप की शानदार रेंज पर बेहतरीन ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं वाइब्रेंट लिपस्टिक, मेकअप किट्स से लेकर 90 रूपए से शुरू होने वाले हेयर स्ट्रेटनर तक सब कुछ खास छूट के साथ मिल रहा है. किड्स कॉर्नरः बच्चों के लिए भी आकर्षक कीमतों पर ढेर सारे प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं। टी-शर्ट और शॉर्ट्स के कॉम्बो सेट 99 रूपए से शुरू होते हैं।

फिर महंगा हो सकता है प्याज

बारिश के कारण प्याज की फसल खराब

नई दिल्ली.

दक्षिण और मध्य भारत में जबरदस्त बारिश हुई है. मई के महीने में बारिश के कारण कई फसलें खराब हो हुई हैं. कुछ ऐसा ही हाल देश के सबसे बड़े प्याज उत्पादक महाराष्ट्र के साथ भी हुआ है. जहां पर भारी बारिश के कारण करोड़ों रुपयों की प्याज की फसल खराब हो गई है. जिसकी वजह से महाराष्ट्र में प्याज उत्पादकों के एक संगठन ने पिछले महीने राज्य में हुई भारी बारिश के कारण अपनी फसल खोने वाले किसानों के लिए 1 लाख रुपये प्रति एकड़ के मुआवजे की मांग की है. वहीं दूसरा सबसे बड़ा सवाल ये है कि प्याज की फसल खराब होने के कारण क्या आने वाले दिनों में प्याज की कीमतें एक बार फिर से आसमान छूने जा रही हैं?

29 मई को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को लिखे एक पत्र में, महाराष्ट्र राज्य कांडा उत्पादक संगठन ने भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) द्वारा "पारदर्शी" प्याज खरीद की भी मांग की. इसने बताया कि महाराष्ट्र में मई में अभूतपूर्व बारिश हुई. पत्र में कहा गया है कि जलगांव, धुले, नासिक, अहिल्यानगर, छत्रपति संभाजीनगर, पुणे, सोलापुर, बीड, धाराशिव, सांगली, बुलढाणा, अकोला, परभणी और जालना जैसे प्याज उत्पादक जिले बारिश से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं. एसोसिएशन के अध्यक्ष भरत दिघोले और नासिक जिला प्रमुख जयदीप भदाणे द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है कि 6 मई से राज्य भर में भारी बारिश के कारण राज्य भर में प्याज की फसल को काफी नुकसान हुआ है. कई किसानों ने अपनी पूरी रबी सीजन की फसल कटाई से पहले ही खो दी, उन्होंने प्रति एकड़ 1 लाख रुपये का मुआवजा मांगा.

मुआवजे की मांग

❑ एसोसिएशन ने आगे कहा कि जिन प्याज की कटाई की गई थी, लेकिन भंडारण नहीं किया गया था, वे भी क्षतिग्रस्त हो गए, और उन किसानों के लिए 2,000 रुपए प्रति क्विंटल की सब्सिडी की मांग की, जो अपनी फसल कम कीमत पर बेचने के लिए मजबूर थे. एसोसिएशन ने दावा किया कि लगातार भारी बारिश के कारण, हजारों टन प्याज खेतों में सड़ गए हैं, जिससे किसानों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है. एसोसिएशन ने कहा कि हम राज्य सरकार से नुकसान का तुरंत और सटीक आकलन करने और तत्काल मुआवजा देने का आग्रह करते हैं.

विदेशी मेहमानों ने 10 साल में बनाया खास रिकॉर्ड

नई दिल्ली. साल 2025 में विदेशी निवेशकों ने अभी तक अपना पैसा निकाला ही है. दो महीने पहले तक ये आंकड़ा 1.20 लाख करोड़ रुपए के पार चला गया था. लेकिन अप्रैल और उसके बाद मई के महीने में विदेशी निवेशकों ने शेयर बाजार में निवेश करना शुरू किया. खास बात तो ये है कि मई के महीने में विदेशी निवेशकों ने एक खास रिकॉर्ड बनाया दिया है. बीते एक दशक में मई के महीने में साल 2025 विदेशी ने शेयर बाजार में दूसरा सबसे ज्यादा निवेश किया है. इससे पहले साल 2023 में देखने को मिला था, जब एफपीआई ने शेयर बाजार में 43 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा निवेश किया था. खास बात तो ये है कि इस बार डेट मार्केट भी लगातार दूसरे महीने पॉजिटिव देखने को मिला है. आइउ आपको भी बताते हैं कि आखिर विदेशी निवेशक पोर्टफोलियो की ओर से शेयर बाजार में कितना निवेश किया है. विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार पर भरोसा कायम है. अनुकूल आर्थिक संकेतकों तथा मजबूत घरेलू बुनियाद के चलते एफपीआई ने मई में भारतीय शेयरों में 19,860 करोड़ रुपए का निवेश किया है. वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी मुद्रास्फीति में कमी और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों ने भारत जैसे उभरते बाजारों को और अधिक आकर्षक बना दिया है. घरेलू स्तर पर, भारत की मजबूत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि, कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजे और नीतिगत सुधारों की वजह से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है.

हरित ऊर्जा से लेकर सीमेंट तक

अडानी का 5 साल का मास्टर प्लान तैयार

नई दिल्ली.

अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने अपने मजबूत बही-खाते और मजबूत व्यावसायिक वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि समूह अगले पांच साल के दौरान अपने कारोबार में 15-20 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 1.71 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने जा रहा है. अरबपति कारोबारी गौतम अडानी ने यह बात कही और जोड़ा कि इसके चलते अडानी ग्रुप अधिक मजबूत और अटूट बनकर उभरा. अडानी ग्रुप कभी भी जांच से पीछे नहीं हटा और इसके बजाय उसने अपनी रणनीति बदली और अधिक लचीला रुख अपनाया. गौरतलब है कि अडानी ग्रुप ने पिछले दिनों कई बड़े अधिग्रहण किए और उसे गहन

जांच का सामना करना पड़ा. अडानी ने समूह की प्रमुख कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज की ताजा वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि कठोर प्रतिकूल परिस्थितियों और लगातार जांच से हम कभी पीछे नहीं हटे. इसके बजाय – हमने खुद को फिर से संतुलित किया. हमने फिर से योजना बनाई. हम पहले से अधिक दुर्जेय, अधिक अटूट, अधिक मजबूत और अधिक लचीले बन गए है. एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति अडानी ने कहा कि लोग अक्सर उनसे पूछते हैं कि अडानी ग्रुप ऐसा कैसे करता रहता है? हम बार-बार कैसे आगे बढ़ते हैं? उन्होंने आगे कहा कि मेरा जवाब हमेशा एक ही रहता है: हमारा दृढ़ विश्वास स्पष्टता पर टिका हुआ है. हमारे उद्देश्य भारत की महत्वाकांक्षाओं के साथ जुड़े हुए हैं. हमारी ताकत उस भरोसे से आती है जो आप – हमारे शेयरधारक – हम पर रखते हैं. अडानी ग्रीन एनर्जी के संबंध में अमेरिकी न्याय विभाग के आरोपों पर उन्होंने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब समूह की परीक्षा ली गई है. उन्होंने आगे कहा कि न ही यह आखिरी बार होगा.

सिंगापुर निरंतर 7वें साल टॉप पर

नई दिल्ली. अगर आप सोच रहे हैं कि भारत का नंबर 1 दो रूस, अमेरिका या फिर ब्रिटेन और जर्मनी है तो आप गलतफहमी में जी रहे हैं. निवेश के मामले में भारत का सबसे करीबी दोस्त इनमें कोई नहीं है. जो देश भारत में पिछले 7 साल से निवेश करता आ रहा है अगर उसका नाम आपको पता चल जाएगा तो आप भी हैरान हो जाएंगे. ये देश कोई और नहीं बल्कि सिंगापुर है. सिंगापुर भारत में निवेश के मामले में बीते 7 साल से टॉप देखने को मिल रहा है. खास बात तो ये है कि बीते वित्त वर्ष में सिंगापुर ने 1.28 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा यानी अमेरिका और जापान देशों के निवेश के मुकाबले में 3 से 5 गुना ज्यादा है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सिंगापुर के साथ दुनिया के बाकी देश एफडीआई के रूप में कितना निवेश करते हैं. सिंगापुर पिछले सात साल से भारत का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है. भारत को 2024-25 में सिंगापुर से लगभग 15 अरब अमेरिकी डॉलर का सबसे अधिक विदेशी निवेश मिला है. पिछले वित्त वर्ष के दौरान कुल एफडीआई (जिसमें इक्विटी फ्लो, रीइंवेस्ट इनकम और अन्य पूंजी शामिल है) 14 फीसदी बढ़कर 81.04 अरब डॉलर हो गया.

जल्द सस्ती हो सकती है सीएनजी और पीएनजी

नई दिल्ली. जल्द ही सीएनजी और पीएनजी की कीमतों पर आम लोगों को बड़ी राहत मिलती हुई दिखाई दे सकती है. वास्तव में सरकार ने सीएनजी और रसोई गैस के प्रोडक्शन में इस्तेमाल होने वाली नेचुरल गैस की कीमत में दो साल में पहली बार कमी की है. जो बेंचमार्क दरों में गिरावट को दर्शाता है. वैसे पिछले महीने दिल्ली एनसीआर में सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में इजाफा देखने को मिला था. आइए आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से इस मामले में किस तरह का नोटिफिकेशन जारी किया है. अप्रैल, 2023 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, जिसमें एपीएम गैस कहे जाने वाले पुराने क्षेत्रों से प्राप्त गैस की कीमत मासिक आधार पर कच्चे तेल के मासिक औसत आयात मूल्य के 10 प्रतिशत पर निर्धारित करने की बात कही गई थी, जिसमें न्यूनतम चार डॉलर और अधिकतम 6.5 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट की सीमा तय की गई थी. अधिकतम मूल्य दो साल तक अपरिवर्तित रहना था और उसके बाद हर साल 0.25 डॉलर की दर से बढ़ना था. इसके अनुरूप, अप्रैल में अधिकतम मूल्य बढ़कर 6.75 डॉलर प्रति इकाई हो गया. सरकार के इस फैसले के बाद रिटेलर्स को मदद मिलने के साथ कंज्यूमर्स को काफी मदद मिलेगी. जानकारों की मानें तो सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में कटौती देखने को मिल सकती है. जोकि 2 से 3 रुपए तक की हो सकती है. पिछले महीने दिल्ली एनसीआर में सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में इजाफा देखने को मिला था. दिल्ली में सीएनजी की कीमत में एक रुपए का इजाफा हुआ था और दाम 76.09 रुपए प्रति किलोग्राम हो गए थे. जबकि नोएडा और गाजियाबाद जैसे शहरों में, कीमत 3 रुपए प्रति किलोग्राम बढ़कर 84.70 रुपए हो गई थी. जून 2024 के बाद दिल्ली में सीएनजी की कीमतों में इजाफा हुआ था. वहीं दूसरी ओर पीएनजी की कीमतों में 8 जुलाई के बाद से कोई बदलाव नहीं हुआ है.

प्राकृतिक गैस की कीमत में कटौती

❑ पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम नियोजन और विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के नोटिफिकेशन के अनुसार नीलामी के बिना पब्लिक सेक्टर की ओएनजीसी को आवंटित विरासती या पुराने क्षेत्रों से प्राकृतिक गैस की कीमत 6.75 डॉलर से घटाकर 6.41 डॉलर प्रति 10 लाख ब्रिटिश थर्मल यूनिट (एमएमबीटीयू) कर दी गई है. अप्रैल, 2023 में सरकार द्वारा इस तरह की गैस की कीमत के लिए एक नया फॉर्मूला लागू करने के बाद से यह पहली कटौती है.

लगातार तीसरे महीने सस्ता हुआ कमर्शियल गैस सिलेंडर

नई दिल्ली. जून के पहले महीने में देश के आम लोगों को बड़ी राहत की खबर मिली है. जहां घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में इजाफा देखने को नहीं मिला है. खास बात तो ये है कि कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में इन तीन महीनों में 80 रुपए प्रति गैस सिलेंडर से ज्यादा की गिरावट देखने को मिल चुकी है. वहीं अब किसी भी महानगर में कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम 1900 रुपए या उससे ज्यादा नहीं है. वहीं घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है. आखिरी बार घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 8 अप्रैल को बदलाव हुआ था. उस दौरान सभी तरह के कंज्यूमर के लिए घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए का इजाफा देखने को मिला था. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर इस बदलाव के बाद देश के चारों महानगरों में घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम कितने हो गए हैं. वहीं दूसरी ओर देश के चारों महानगरों में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव देखने को नहीं मिला है. सरकार की ओर से 8 अप्रैल को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 50 रुपए का इजाफा किया था.

मई में यूपीआई पेमेंट ने तोड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली.

मई में यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस के जरिए लोगों ने जमकर डिजिटल पेमेंट किया. नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के अनुसार, मई में यूपीआई के जरिए 18.68 बिलियन ट्रांजेक्शन हुए, जो अप्रैल के 17.89 बिलियन से काफी ज्यादा है. मई में 4.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है. रुपये के हिसाब से मई में 25.14 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए, जबकि अप्रैल में यह आंकड़ा 23.95 लाख करोड़ रुपये था. पिछले साल मई की तुलना में इस बार ट्रांजेक्शन की संख्या में 33% की बढ़ोतरी हुई है. तब 14.03 बिलियन ट्रांजेक्शन हुए थे. मई में औसतन हर दिन 602 मिलियन ट्रांजेक्शन हुए, जिनका कुल मूल्य 81,106 करोड़ रुपये रहा है. हाल के महीनों में यूपीआई में कुछ तकनीकी समस्याएं भी आईं. अप्रैल में एक दिन सर्वर पर ज्यादा दबाव के कारण पेमेंट और फंड ट्रांसफर में दिक्कत हुई थी.फोनपे और गूगल पे अभी भी यूपीआई के 80% से ज्यादा मार्केट पर कब्जा जमाए हुए हैं. सुपर.मनी, नवी, भीम और क्रेड जैसे नए ऐप्स कैशबैक और ऑफर्स के जरिए अपनी जगह बना रहे हैं. युपीआई को और बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 1,500 करोड़ रुपये की प्रोत्साहन योजना को मंजूरी दी है, ताकि छोटे डिजिटल लेनदेन का खर्च कम हो सके पेमेंट्स काउंसिल ऑफ इंडिया ने भी बड़े व्यापारियों के लिए युपीआई पर 0.3% मर्चेंट डिस्काउंट रेट और रुपे डेबिट कार्ड पर मामूली एमडीआर लागू करने की मांग की है. एनपीसीआई ने फोनपे और गूगल पे जैसे ऐप्स की 30% मार्केट शेयर सीमा को दिसंबर 2026 तक बढ़ा दिया है, ताकि बाजार में नई कंपनियों को मौका मिले. इसके अलावा, युपीआई अब सिंगापुर, यूएई, मॉरीशस, श्रीलंका, फ्रांस, भूटान और नेपाल जैसे देशों में भी अपनी पहुंच बढ़ा रहा है.

कुबेर का खजाना बना जीएसटी कलेक्शन

नई दिल्ली.

मई के महीने में सरकार के खजाने में जीएसटी कलेक्शन से 2.01 लाख करोड रुपए आए हैं, ये कलेक्शन सालाना आधार पर 16.4 प्रतिशत है. आपको बता दें बीते साल मई 2024 में सरकार को जीएसटी से कुल 1.72 लाख रुपए की आमदनी हुई थी, जबकि 2025 मई में इसमें 16.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और ये 2.01 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े पर पहुंच गया. जीएसटी कलेक्शन के आंकड़ों के अनुसार रिफंड के बाद भी मई 2025 में सालाना आधार पर मई 2024 के मुकाबले 20.4% की बढ़ोतरी हुई है. आपको बता दें मई 2025 में शुद्ध जीएसटी कलेक्शन 1.73 लाख करोड़ रुपए है, जो मई 2024 में केवल 1.44 लाख करोड़ रुपए था. मई 2025 में जीएसटी रिफंड 27,210 करोड़ रुपए रहा जो साल-दर-साल 4 प्रतिशत कम है. वहीं बजट के समय सरकार ने इस फाइनेंशियल ईयर में जीएसटी कलेक्शन में 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी की उम्मीद की थी, जिसमें सेंट्रल जीएसटी और जीएसटी क्षतिपूर्ति सेस सहित 11.78 लाख करोड़ रुपए का जीएसटी कलेक्शन की उम्मीद की गई है. अप्रैल 2025 में सरकार की जीएसटी से रिकॉर्ड 2.37 लाख करोड़ रुपए की आमदनी हुई थी. सालाना आधार पर अप्रैल में जीएसटी कलेक्शन में 12.6 प्रतिशत की ग्रोथ थी.

इसमें इंपोर्ट ड्यूटी से प्राप्त होने वाला जीएसटी 51,266 करोड़ रुपए और डोमेस्टिक सोर्स से मिलने वाला जीएसटी 1,49,785 लाख करोड़ रुपए था. मई में ग्रोस जीएसटी कलेक्शन 4.37 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि में एकत्र 3.83 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 14.3 प्रतिशत की ज्यादा है.

1 अप्रैल से लागू हुए जीएसटी के नए नियम

पहले बिजनेस करने वालों के पास कॉमन आईटीसी को अपने अन्य जीएसटी रजिस्ट्रेशन में आवंटित करने के लिए दो ऑप्शन थे. इसमें दो ऑप्शन यह थे कि आईएसडी मैकेनिज्म या क्रॉस-चार्ज मेथड, लेकिन अब 1 अप्रैल 2025 से आईटीसी का इस्तेमाल न करने पर रेसिपिएंट लोकेशन के लिए आईटीसी नहीं दी जाएगी. अगर आईटीसी का गलत वितरण होता है तो टैक्स अथॉरिटी ब्याज सहित राशि वसूल करती है. इसके साथ ही अनियमित वितरण के लिए जुर्माना भी लगेगा, जो आईटीसी की राशि या 10 हजार रुपए से भी अधिक होगा.

महाराष्ट्रलक्ष्मी विकली लॉटरी

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी • सोडत दर शनिवारी • तिकीट किंमत रु. 50/- • सोडत क्र. 22 • सोडत दिनांक 31/05/2025

पहिले सामाईक बक्षिस रु. 7 लाख — **ML-05 : 3910**

उत्तेजनार्थ बक्षिस रु. 5000/- — पहिल्या बक्षीसाची विजेता मालिका सोडून इतर सर्व मालिकांसाठी — **3910** — बारड लॉटरी सेंटर - सोलापूर, किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली (2 बक्षिसे)

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 2000/-	1123	2300	5619	5756	5828	6531
तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1872	2373	2397	5380	5703	5849
चौथे बक्षिस रु. 500/-	4264	4648	5180	5317	5678	6293
पाचवे बक्षिस रु. 200/-	2130	2527	4341	5886	5924	6305

सहावे बक्षिस रु. 100/- (सर्व मालिकांसाठी)

रु.100/- (सर्व मालिकांसाठी)		1901	2327	2801	3301	3732	4059	4479	4978	5511	5795	6224	6626
		1908	2332	2802	3306	3735	4074	4480	4987	5522	5798	6276	6627
1008	1415	1911	2350	2816	3307	3736	4077	4481	4999	5539	5815	6291	6631
1018	1422	1912	2365	2827	3309	3768	4115	4482	5025	5540	5819	6296	6647
1044	1448	1914	2370	2847	3333	3780	4143	4484	5029	5546	5837	6301	6649
1061	1462	1917	2400	2852	3340	3783	4150	4491	5036	5552	5838	6316	6653
1091	1468	1920	2406	2856	3344	3793	4153	4499	5067	5553	5845	6326	6657
1107	1490	1926	2425	2866	3356	3803	4166	4524	5085	5555	5858	6328	6659
1115	1499	1929	2429	2871	3372	3832	4188	4541	5132	5557	5863	6338	6660
1117	1501	1957	2445	2876	3373	3846	4193	4544	5150	5564	5870	6341	6662
1122	1511	1987	2497	2892	3377	3853	4200	4546	5155	5567	5885	6366	6666
1144	1512	1989	2508	2897	3378	3858	4206	4553	5158	5573	5895	6372	6676
1149	1515	1995	2522	2943	3402	3871	4214	4563	5160	5575	5905	6395	6685
1151	1519	2006	2544	2952	3425	3873	4219	4569	5163	5578	5911	6411	6686
1154	1540	2020	2566	2965	3429	3874	4226	4602	5178	5585	5928	6419	6689
1156	1542	2022	2570	2975	3431	3883	4227	4624	5215	5590	5955	6431	6691
1164	1571	2033	2577	2979	3434	3893	4261	4634	5225	5594	6004	6433	6705
1173	1587	2039	2588	3007	3518	3896	4307	4648	5236	5596	6016	6463	6708
1174	1591	2050	2625	3016	3533	3897	4381	4677	5240	5602	6022	6464	6717
1186	1603	2052	2628	3033	3550	3903	4392	4694	5248	5607	6036	6476	6726
1195	1609	2130	2629	3045	3558	3932	4393	4755	5256	5626	6052	6486	6767
1198	1613	2131	2638	3073	3562	3937	4396	4759	5258	5650	6062	6490	6769
1205	1626	2137	2669	3083	3580	3945	4402	4788	5265	5651	6067	6497	6778
1216	1677	2163	2675	3093	3616	3958	4414	4834	5277	5663	6090	6502	6800
1230	1682	2164	2678	3102	3623	3968	4417	4840	5305	5678	6092	6518	6820
1238	1691	2214	2682	3120	3624	3977	4426	4842	5354	5687	6095	6530	6860
1241	1710	2217	2687	3121	3631	3978	4427	4843	5365	5689	6107	6541	6861
1243	1749	2218	2689	3131	3650	3981	4428	4844	5389	5701	6126	6561	6867
1266	1759	2229	2695	3133	3656	3995	4433	4848	5395	5704	6164	6567	6887
1271	1769	2239	2721	3136	3657	4016	4436	4859	5415	5708	6165	6572	6898
1281	1776	2278	2725	3139	3668	4020	4439	4877	5427	5733	6166	6578	6960
1289	1781	2283	2729	3156	3674	4038	4444	4879	5437	5743	6167	6602	6962
1291	1810	2284	2749	3200	3675	4044	4447	4923	5439	5750	6173	6612	6967
1320	1811	2296	2780	3221	3677	4045	4449	4941	5495	5775	6176	6616	6977
1327	1840	2318	2788	3237	3698	4049	4450	4954	5502	5778	6187	6623	6995
1373	1879	2322	2792	3253	3700	4058	4461	4963	5505	5788	6196	6625	6996

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — महाराष्ट्र तेजस्विनी मासिक सोडत — सोडत दिनांक 20/06/2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 50 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 25 लाखाची 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस ₹10 लाख (रु. 10 हजाराची 100 बक्षिसे) — तिसरे बक्षिस ₹5 लाख (रु. 5 हजाराची 100 बक्षिसे) — 200/-
महाराष्ट्रलक्ष्मी सोडत दिनांक 31/05/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. — प्रस्तुतकर्ता महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — गणेशलक्ष्मी वैभव विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 5:00

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी • सोडत दर रविवार • सोडत क्रमांक 22 • तिकीट किं. रु. 10/- • सोडत दिनांक 01/06/2025

पहिले बक्षिस रु. 10000/- — जिंकले — **MG-07 : 3744** — किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — जिंकले — **4140** — डायमंड कॉर्पोरेशन, बोरिवली

तिसरे बक्षिस रु. 1000/-	1008 प्रिन्स लॉटरी सेंटर अँड जनरल स्टोअर्स, कल्याण	1910 श्री सिद्धि समर्थ एजेंसी, दादर - मुंबई	2672 श्री एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई	6232	7314

चौथे बक्षीस रु. 400/- (सर्व मालिकांसाठी)

चौथे बक्षिस रु. 400/-	1610	2553	3632	4565	5511	6564	7207	8223
1021	1951	2932	3663	4604	5686	6574	7311	8274
1063	1954	2958	3676	4746	5791	6588	7354	8338
1106	2192	2985	3737	4798	5830	6670	7474	8538
1114	2226	2992	3839	4942	5933	6689	7481	8788
1134	2266	3036	4020	4980	6038	6865	7777	8859
1221	2290	3049	4057	5125	6220	7088	7788	8984
1295	2311	3263	4387	5457	6267	7108	7987	8987
1531	2505	3326	4404	5502	6560	7192	8217	8989

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी — महाराष्ट्र गणेशलक्ष्मी मान्सून मासिक सोडत — तिकीट किंमत रु.100/- — सोडत दिनांक 13-06-2025
जिंका फक्त 4 अंकावर ₹ 22 लाख पहिले सामायिक बक्षिस — दुसरे बक्षीस ₹ 3 लाख (₹ 10 हजारची 30 बक्षिसे) — तिसरे बक्षीस ₹ 5 लाख (₹ 5 हजारची 100 बक्षिसे)
गणेशलक्ष्मी वैभव विकली लॉटरी सोडत दिनांक 01/06/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र मोहिनी विकली लॉटरी — सोडत सायं. 4:30 वाजता

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी • सोडत दर रविवार • सोडत क्रमांक 22 • तिकीट किं. रु. 15/- • सोडत दिनांक 01/06/2025

पहिले सामायिक बक्षिस रु. 10000/- — **MO-00 : 5469** — हरी श्री लॉटरी सेंटर, नालासोपारा

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES • सर्व मालिकांसाठी

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — **5392** — श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई

तिसरे बक्षिस रु. 2000/- — **5020** किशोर लॉटरी सेंटर, सांगली — **5347** श्री गणेश एन्टरप्रायझेस, दादर, मुंबई — **5523** पवार लॉटरी - ठाणे

चौथे बक्षीस रु. 700/- (सर्व मालिकांसाठी)

1123	2191	3354	4181	5081
1125	2469	3415	4274	5452
1623	2669	3433	4402	5530
1727	2715	3475	4441	5531
1729	2972	3523	4604	5756
1868	3247	3673	4677	5873
1984	3330	3793	4794	5932
2164	3340	3957	4941	5973

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत — तिकीट किंमत रु.50/- — सोडत दिनांक 09-06-2025
जिंका फक्त 5 अंकावर रु. 22 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 11 लाखाची x 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 10 हजाराची X 20 बक्षिसे) — सातवे बक्षिस रु. 12 लाख (रु. 150 ची x 8000 बक्षिसे)
छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. • अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पाहावे. • प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
महाराष्ट्र मोहिनी विकली लॉटरी — सोडत दिनांक 01/06/2025
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

निकाल — महाराष्ट्र गजलक्ष्मी रवि विकली लॉटरी — सोडत संध्या. 4:45 वाजता

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी • सोडत दर रविवार • सोडत क्रमांक 22 • तिकीट किं. रु. 20/- • सोडत दिनांक 01/06/2025

मालिका	GL-00	GL-01	GL-02	GL-03	GL-04
पहिले बक्षिस रु. 10,000/-	5426	9326	2407	5603	2653

सर्व मालिकांसाठी • FOLLOWING NO.'S ARE COMMON TO ALL SERIES

दुसरे बक्षिस रु. 5000/- — 1295 — 7086

तिसरे बक्षिस रु. 2000/-	0892		2090		5751		8312		9273	
चौथे बक्षिस रु. 1000/-	1476	1923	1964	2214	4016	6191	6436	6610	8582	9300
पाचवे बक्षिस रु. 500/-	1242	1283	2230	2493	3769	5055	5057	6633	6916	6929

सहावे बक्षीस रु. 300/- (सर्व मालिकांसाठी)

सहावे बक्षिस रु. 300/-	0772	1426	2231	3034	4079	5110	5957	6939	8005	8964
	0796	1515	2251	3133	4164	5111	6076	6991	8086	8982
0003	0800	1519	2263	3144	4248	5185	6198	7050	8096	9059
0011	0809	1612	2295	3180	4263	5253	6223	7071	8115	9087
0020	0930	1666	2307	3231	4283	5353	6271	7087	8138	9095
0079	0990	1667	2485	3253	4340	5417	6394	7280	8181	9139
0108	1139	1670	2511	3315	4405	5495	6457	7359	8189	9231
0135	1154	1678	2512	3325	4414	5512	6468	7362	8226	9404
0137	1169	1804	2524	3338	4455	5515	6561	7407	8365	9426
0270	1171	1918	2532	3343	4521	5523	6568	7408	8478	9489
0382	1172	1930	2537	3345	4563	5525	6625	7439	8515	9498
0408	1180	1948	2540	3366	4606	5539	6634	7499	8518	9563
0461	1210	2002	2552	3385	4654	5543	6663	7500	8570	9579
0500	1300	2034	2660	3418	4694	5648	6672	7659	8586	9690
0526	1301	2082	2735	3468	4711	5671	6693	7743	8595	9741
0528	1310	2106	2755	3736	4821	5772	6696	7749	8815	9793
0589	1348	2146	2763	3934	4837	5776	6776	7767	8878	9799
0680	1389	2223	2962	3983	5035	5855	6850	7820	8891	9905
0707	1417	2227	3029	4003	5075	5875	6867	7948	8896	9955

महाराष्ट्र राज्य लॉटरी MAHARASHTRA STATE LOTTERY — महाराष्ट्र सह्याद्री मासिक सोडत — तिकीट किंमत रु.50/- — सोडत दिनांक 09-06-2025
जिंका फक्त 5 अंकावर रु. 22 लाख पहिले सामाईक बक्षिस रु. (रु. 11 लाखाची x 2 बक्षिसे) — दुसरे बक्षिस रु. 2 लाख (रु. 10 हजाराची X 20 बक्षिसे) — सातवे बक्षिस रु. 12 लाख (रु. 150 ची x 8000 बक्षिसे)
महाराष्ट्र गजलक्ष्मी रवि विकली लॉटरी सोडत दिनांक 01/06/2025 — छपाईतील कोणत्याही चुकीबद्दल आम्ही जबाबदार नाही. अचूक निकालासाठी अधिकृत गॅझेट पहावे. प्रस्तुतकर्ता : महाराष्ट्र राज्य लॉटरी
ऑनलाईन रिजल्ट मिळवा : : /princeagency : /princeagencypl : /princeagencymah

१- श्रद्धा सबुरी लॉटरी, साई मंदिर
२- जय भोले लॉटरी, झेरी लॉन
३- न्यू बॉम्बे लॉटरी, लक्ष्मी भवन चौक धरमपेठ
४-साई लॉटरी, पंचशील चौक
५- अनिल बंसोड़ लॉटरी, झासीरानी चौक बर्डी
६- नरेंद्र लॉटरी, शिवम् मॉल के पास सीताबर्डी
७- प्रवीण लॉटरी महाराष्ट्र बैंक मुंजे चौक सीताबर्डी
८-मयूरी लॉटरी, आकाशवाणी चौक
९-माँ आंबे लॉटरी, आगाराम देवी
१०- नितिन लॉटरी, रामबाग कॉलोनी, मेडिकल चौक
११-दिलीप लॉटरी, नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१२ श्री गणेश लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१३-शुभम लॉटरी नर्सिंग टॉकीज़, महाल
१४ श्री गजानन लॉटरी झेंडा चौक, महाल
१५-आशीष लॉटरी शाहिद चौक, इतवारी
१६- ख्वाजा लॉटरी कमाल टॉकीज़, कमाल चौक
१७- वैभव लॉटरी इंदौरा चौक लष्करी बाग
१८-चिकटे लॉटरी सक्करदरा चौक
१९- ओमसाई लॉटरी,महाकाळकर बिल्डिंग, छोटा ताजबाग
२०- गुरुदेव लॉटरी , गांधीचौक चंद्रपुर
२१-गजानन लॉटरी, अकोला
22- प्रेम लॉटरी सेंटर, कमाल चौक
23- नारायण लॉटरी, शहीद चौक, इतवारी
24- महावीर लॉटरी, बाजार चौक, कलमेश्वर

प्रविण कडू : 9822472123

दुर्लभ और संरक्षित जीवों की तस्करी का भंडाफोड़

>भारतीय नागरिक गिरफ्तार

मुंबई.

मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसआईएमआई) मुंबई पर कस्टम अधिकारियों ने एक बड़ी कार्रवाई की. अधिकारियों ने एयरपोर्ट पर दुर्लभ और संरक्षित जीवों की तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया है, जो थाई एयरवेज की फ्लाइट संख्या टीजी317 से बीते 31 मई (रविवार) को मुंबई पहुंचा था.

बताया जा रहा है कि इस मामले की जानकारी मिलने के बाद कस्टम विभाग के अधिकारियों ने आरोपी यात्री को एयरपोर्ट पर रोका और उससे पूछताछ की. इस दौरान यात्री की घबराहट और संदेहास्पद व्यवहार के चलते उसके सामान की तलाशी ली गई. जब अधिकारियों ने उसका बैग खोला तो उसके अंदर कुल 52 जीवित और मृत दुर्लभ जीव बरामद किए.

माना जा रहा है कि आरोपी युवक के साथ इस काम में और भी लोग शामिल हो सकते हैं. फिलहाल आरोपी से पूछताछ की जा रही है और ये पता लगाने की कोशिश की जा रही है आरोपी इन जीवों को कहां से लाया था और कहां ले जाने की कोशिश कर रहा था.

एशियन लीफ टर्टल 5 जीवित (सीटीईएस के परिशिष्ट-II और वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-IV में सूचीबद्ध) .

कस्टम एक्ट के तहत मामला दर्ज

उक्त जीवों की बरामदगी रविवार (1 जून) को बनाए गए पंचनामा के तहत की गई. गिरफ्तार किए गए यात्री के खिलाफ कस्टम एक्ट 1962 के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है. कस्टम विभाग की तरफ से बताया गया है कि इस मामले में आगे की जांच जारी है और इसमें अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क के जुड़ाव की भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता.

कायाकल्प की ओर धारावी

>गलियों में आएगी नई रौनक

मुंबई.

मुंबई के केंद्र में 600 एकड़ में फैली धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) का मास्टर प्लान राज्य सरकार ने मंजूर किया है. यह परियोजना क्लस्टर-आधारित विकास तकनीकि पर केंद्रित है, जिसमें कॉम्पैक्ट पड़ोस होंगे. प्रत्येक क्लस्टर में आवासीय, वाणिज्यिक और सामाजिक सुविधाएं पैदल दूरी पर होंगी. इसमें खेल के मैदान, बच्चों के लिए स्थान, खुले क्षेत्र और छोटे उद्योगों के लिए सुविधाएं शामिल होंगी. धारावी की गलियां क्लस्टर बेस्ड्स विकास से दुरुस्त होंगी.

प्लान में 21 किमी का नया सड़क नेटवर्क प्रस्तावित है, जिसमें हर 125 मीटर पर 9 से 36 मीटर चौड़ी सड़कें होंगी. मल्टी-मोडल ट्रांजिट हब (एमएमटीएच) मेट्रो, ट्रेन, बस और गैर-मोटर चालित परिवहन को जोड़ेगा. हब में कार्यालय, दुकानें, रेस्तरां और होटल होंगे, जहां यात्री उड़ानों के लिए चेक-इन और सामान जमा कर सकेंगे. उनको कहीं जाने के लिए ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ेगी.

औद्योगिक इकाइयों को नई परियोजना में स्थान मिलेगा. अन्य इकाइयां और किरायेदार एनएमडीपीएल द्वारा निर्मित 10% वाणिज्यिक हिस्से में पट्टे पर स्थान ले सकेंगे. कार्यस्थल मशीनरी के लिए मजबूत होंगे. इस स्कीम से पूरे इलाके में बिजनेस को एक नई दिशा मिलेगी.

अस्पताल, पॉलीक्लिनिक, डायग्नोस्टिक सेंटर और प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं बनेंगी. विभिन्न धर्मों के लिए नए धार्मिक परिसर भी प्रस्तावित हैं. कुल मिलाकर इस प्रोजेक्ट में न केवल पर्यावरण और परिवहन की सुविधाओं को ध्यान में रखा जाएगा. बल्कि, लोगों को स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों के इलाज की भी समुचित व्यवस्था की जाएगी. साथ ही मंदिर और बाकी धार्मिक स्थलों के लिए भी स्थान दिया जाएगा.

फिर से जागा कॉलेज का प्यार...

>पति ने की पत्नी की हत्या

धुले.

जिले से हत्या की एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है. यहां सेना के जवान ने अपनी पुरानी प्रेमिका के लिए अपनी पत्नी को जहर दे दिया और उसकी हत्या कर दी. आरोपी का नाम कपिल बागुल है. वहीं मृतका की पहचान शारदा उर्फ पूजा (38) के रूप में हुई है. ये घटना 10 मई की बताई जा रही है. इस घटना के संबंध में पश्चिमी देवपुर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है.

मामले में महिला के पति आरोपी कपिल बागुल , सास, ननद और कपिल की प्रेमिका प्रज्ञा महेश कर्डीले को गिरफ्तार कर लिया गया है. जहर देने के साथ ही यह भी पता चला है कि पूजा के सिर पर किसी वस्तु से वार किया गया था. यह जानकारी पश्चिम देवपुर पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक तुषार देवरे ने दी है.

हत्या का मुख्य आरोपी कपिल बालू बागुल है. वो सेना में क्लर्क के पद पर कार्यरत है. उसने साल 2010 में शारदा उर्फ पूजा बागुल से शादी की. दोनों की एक 9 साल की बेटी और एक 7 साल का बेटा है. कपिल की शिक्षा धुले के जय हिंद कॉलेज में हुई. कॉलेज में रहते हुए उसका प्रज्ञा कार्डिले नाम की लड़की के साथ प्रेम सम्बन्ध था. प्रज्ञा की शादी साल 2007 में हुई थी. प्रज्ञा की दो बेटियां हैं, जिनकी उम्र 17 और 13 साल है. प्रज्ञा का तलाक अंतिम चरण में है.

कुछ साल पहले प्रज्ञा और कपिल फिर से संपर्क में आए. दोबारा संपर्क होने के बाद दोनों एक बार फिर करीब आ गए. प्रज्ञा के संपर्क में आने के बाद कपिल बागुल ने पूजा को खत्म करने का फैसला किया. फिर उसने पूजा को जहर दे दिया. जहर के कारण पूजा के मुंह से झाग निकलने लगा. फिर डेढ़ घंटे बाद पूजा की मौत हो गई. फिर आरोपी ने अपनी पत्नी को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया. वहां उसे सलाह दी गई कि वो अपनी पत्नी को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराए.

चौंकाने वाली बात यह है कि तब तक कपिल बागुल ने अन्य लोगों की मदद से पूजा के अंतिम संस्कार की तैयारी कर ली थी. हालांकि, पश्चिमी देवपुर पुलिस स्टेशन को इसकी सूचना कहीं से मिल गई. सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और पूजा के शव को कब्जे में ले लिया. बाद में पूजा के शव का मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम कराया गया. तब उसे जहर देने की बात सामने आई.

आप सभी अहिल्यादेवी की बेटियां हैं...

>महिलाओं से बोले एकनाथ शिंदे

मुंबई.

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की (31 मई) 300वीं जयंती है. आज के दिन हर कोई उन्हें याद कर रहा है. इस मौके पर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने समाज में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों को लेकर भावुक प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि बहुओं को प्रताड़ित करने वालों को समाज से उखाड़ फेंकना चाहिए.अहिल्यानगर में अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के अवसर पर चौड़ी में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिरकत की. इस दौरान उन्होंने समाज में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों को लेकर कहा कि आज समाज में कई जगहों पर बहुओं के साथ अन्याय हो रहा है उनके साथ और अत्याचार की कई घटनाएं सामने आ रही हैं. ऐसे में उन बेटियों और बहुओं से विनती है कि अत्याचार के खिलाफ खड़ी हों.

एकनाथ शिंदे ने कहा 'आप सभी अहिल्यादेवी की बेटियां हैं. आपको अन्याय के खिलाफ खड़े होने की सीख मिली है. ऐसे फालतू लोगों के लिए अपनी जान देना उचित नहीं है.आपकी जान इतनी सस्ती नहीं है. इस अवसर पर उन्होंने बहुओं को प्रताड़ित करने वाली मानसिकता की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा 'बहुओं को प्रताड़ित करने वाली यह निर्दयी प्रवृत्ति को समाज से उखाड़ फेंकना चाहिए. यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी अहिल्यादेवी को.

हगवणे प्रकरण की पृष्ठभूमि में एकनाथ शिंदे की यह प्रतिक्रिया और भी महत्वपूर्ण बन जाती है. उपमुख्यमंत्री ने अप्रत्यक्ष रूप से इस घटना पर टिप्पणी करते हुए समाज को आईना दिखाया है. दरअसल हाल ही में पुणे में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता राजेंद्र हगवणे की छोटी बहू वैष्णवी हगवणे की मौत हो गई थी. वैष्णवी के पिता ने राजेंद्र हगवणे और उनके परिवार पर दहेज उत्पीड़न समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं.

ऐसा कहा जा रहा था कि वैष्णवी हगवणे ने आत्महत्या कर ली थी. हालांकि जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद यह दावा किया गया था कि वैष्णवी ने सुसाइड नहीं किया था बल्कि उसकी हत्या की गई थी. पोस्टमार्टम में उसके शरीर पर चोट के निशान पाए गए हैं. पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद राजेंद्र हगवणे और उनका बेटा सुशील दोनों फरार हैं. वहीं पार्टी से उन्हें निष्कासित कर दिया गया है. हालांकि पुलिस ने वैष्णवी के पति और हगवणे के दूसरे बेटे शशांक को गिरफ्तार कर लिया गया है.

पति ने की पत्नी को जिंदा जलाने की कोशिश

मुंबई.

मुंबई में हर दिन अपराध का नया मामला समाने आ रहा है. वहीं एक बार फिर से एक चौंकाने वाली और भयावह घटना मुंबई के चेंबूर इलाके से सामने आई है. यहां एक व्यक्ति पर अपनी पत्नी को जिंदा जलाने और जान से मारने का आरोप लगा है. दरअसल, पति ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि पत्नी ने उसके साथ यौन संबंध बनाने से इनकार कर दिया था.

इस घटना में 38 वर्षीय विवाहिता करीब 70 प्रतिशत जल गई है और उसकी हालत गंभीर है. फिलहाल पीड़िता का सायन अस्पताल में इलाज चल रहा है.चेंबूर के वाशी नाका में एक चौंकाने वाली घटना हुई है. घटना के बाद पत्नी को आग लगाने वाले पति के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया है. पुलिस आगे की जांच कर रही है. इस घटना से चेंबूर में सनसनी फैल गई. वहीं इलाके के लोगों में दहशत है.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता 38 साल की है और अपने पति के साथ चेंबूर के वाशिनाका में रहती है. बीते दिन वह सुबह उठी और काम पर जाने के लिए तैयार हो रही थी, लेकिन फिर उसके पति ने उससे यौन संबंध बनाने की इच्छा जाहिर की. हालांकि, महिला ने यह कहते हुए यौन संबंध बनाने से इनकार कर दिया कि अभी यह संभव नहीं है और उसे काम पर जाने में देर हो जाएगी.

पत्नी की बात सुनकर पति आगबबूला हो गया और गुस्से में उसने घर से मिट्टी के तेल का डिब्बा उठाया और पत्नी पर उड़ेल दिया. उसके बाद महिला को आग के हवाले कर दिया. आग की चपेट में आने के बाद महिला चीखने लगी.महिला के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर पड़ोसी और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे और उसे इलाज के लिए सायन अस्पताल पहुंचाया.

जहां उसका इलाज चल रहा है. इस घटना में महिला 70 प्रतिशत से अधिक जल गई है और उसकी हालत गंभीर है. महिला का सायन अस्पताल में इलाज चल रहा है.वहीं चेंबूर पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी पति के खिलाफ हत्या के प्रयास और घरेलू हिंसा की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है.

इस घटना से चेंबूर इलाके में हड़कंप मच गया.

7 साल की मासूम के साथ की अश्लील हरकत

मुंबई.

मुंबई के एक बार फिर बच्ची से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है. मानखुर्द इलाके में एक 27 साल के व्यक्ति को 7 साल की बच्ची के साथ अनुचित व्यवहार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है.मानखुर्द पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74 और 76 तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की. घटना ने इलाके में रहने वाले निवासियों में रोष पैदा कर दिया है, और पुलिस ने तुरंत आरोपी को पकड़ने में सफलता हासिल की.पुलिस के अनुसार, आरोपी और पीड़िता दोनों एक ही मोहल्ले में रहते हैं और पड़ोसी हैं. आरोपी ने बच्ची को अपने घर बुलाकर उसके साथ अश्लील हरकतें कीं. घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता की बहन ने परिवार को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद पुलिस को सूचना मिली. पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी.मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने आरोपी को उसके घर से ही गिरफ्तार कर लिया. उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां न्यायालय ने उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया. पुलिस ने बताया कि आरोपी का कोई पिछला आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है, लेकिन इस घटना ने स्थानीय लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है. पुलिस ने आश्वासन दिया है कि वह मामले की गहन जांच कर रही है और पीड़िता के परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाएगी.

जासूस रवि वर्मा मुंबई से गिरफ्तार

मुंबई.

भारत-पाकिस्तार संघर्ष के बाद से ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट मोड पर काम कर रही हैं. पिछले दिनों देश के कई इलाकों से पाकिस्तान को भारतीय खूफिया जानकारी देने के बाद आरोप में कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है. बीते दिनों एटीएस ने मुंबई से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने वाले ठाणे के इंजीनियर रवि वर्मा को गिरफ्तार किया था. टीम ने इससे करीब 5 घंटे तक कड़ी पूछताछ की है, जिसमें कई अहम जानकारी मिलने की बात कही गई है.

पूछताछ में पता चला कि एक अन्य युवक जो कि रवि के संपर्क में था वो पाकिस्तानी एजेंटों का जासूस था. इस दूसरे जासूस की तलाश में एटीएस जुटी हुई है. हनी ट्रैप के जरिये रवि और इस दूसरे जासूस को पाकिस्तान के पीआईओ एजेंट ने फंसाया था. ब्लैकमेलिंग कर मुम्बई,ठाणे, रायगढ़ के अहम ठिकानों की जानकारियां, फ़ोटो, वीडियो हासिल किये जाने का जांच एजेंसियों को शक है.

एटीएस ने संदिग्ध रवि वर्मा से अहम जानकारी जुटाने के लिए करीब 2 घंटे तक सघन पूछताछ की. ये पूरी पूछताछ एटीएस हेडक्वार्टर, बावला कंपाउंड (मुंबई) में की गई. एटीएस पता लगा रही है कि रवि को पाकिस्तान से जासूसी के बदले अब तक कितने पैसे मिले हैं.

इसके साथ ही संदिग्ध फंडिंग के स्रोत की भी तलाश की जा रह है. पूरे मामले की डिजिटल फॉरेंसिक जांच भी की जा रही है. फॉरेंसिक टीम रवि वर्मा के लैपटॉप, मोबाइल और अन्य डिवाइस की डीप एनालिसिस कर रही है. क्लाउड डेटा और ईमेल कम्युनिकेशन भी स्कैन पर रखे गए है.

ठाणे के कलवा इलाके में जिस किराए के मकान में रह रहा था वहां भी एटीएस ने कार्रवाई की है. ठाणे स्थित किराए के मकान में पुलिस की छापेमारी की गई. इसके साथ ही मकान मालिक से पूछताछ हुई. किरायेदार के कागजात बनाने में हुई लापरवाही की भी जांच की जा रही है. लोकल पुलिस भी इस जांच में शामिल है.

बैंक-अकाउंट से खुलेंगे लेनदेन के राज

एटीएस जासूस रवि के बैंक अकाउंट्स और लेन-देन की जानकारी जुटा रही है. इसके साथ ही सोशल मीडिया फ्रेंड्स और ऑनलाइन नेटवर्क की तलाश कर रही है. ऐसा माना जा रहा है कि सोशल मीडिया के जरिए भी इसके साथ संदिग्ध विदेशी संपर्क थे. सुरक्षा में सेंध की आशंका के तहत लगातार पूछताछ जारी है. रवि वर्मा पर भारतीय जंगी जहाज़ की जानकारी पीओआई को देने का शक है. मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा होने के कारण एटीएस और खुफिया एजेंसियां सतर्क है.

हेमंग शाह की गिरफ्तारी पर बॉम्बे हाईकोर्ट सख्त

मुंबई.

बॉम्बे हाई कोर्ट ने एंकर ग्रुप के निदेशक हेमंग शाह की गिरफ्तारी को गैरकानूनी करार देते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं. हाई कोर्ट ने कहा कि हेमंग शाह की गिरफ्तारी न तो जरूरी थी और न ही न्यायिक प्रक्रिया के हित में है. इसका मुख्य उद्देश्य एक विवादित राशि की वसूली प्रतीत होता है.बॉम्बे हाई कोर्ट ने इस मामले की तात्कालिकता पर चिंता जताते हुए कहा कि 14 मई की तड़के 2:14 बजे शिकायत दर्ज की गई और उसी दिन लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी कर दिया गया, जो बताता है कि प्रक्रिया में अत्यधिक जल्दबाज़ी दिखाई गई. यानी जांच एजेंसी ने जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं किया. हेमंग शाह को 17 मई को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ओमान के मस्कट रवाना होने के दौरान हिरासत में लिया गया था. एलओसी के आधार पर उन्हें रोका गया और मुंबई लाया गया.

उनके बारे में शिकायत उनके बड़े भाई मेहुल शाह द्वारा मालाबार हिल पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी, जिसमें वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप लगाए गए थे.

हेमंग शाह ने अपनी याचिका में कहा अदालत से कहा कि कि यह मामला पारिवारिक वित्तीय विवाद का है, जिसे मध्यस्थता के जरिए सुलझाया जा रहा था. याचिका में यह भी आरोप लगाया गया कि शाह की गिरफ्तारी के तुरंत बाद उनके भाई की पत्नी ने उनकी पत्नी से संपर्क कर चेकबुक लेकर आर्थिक अपराध शाखा के दफ्तर आने का दबाव डाला. हेमंग शाह के वकील ने कोर्ट में इससे संबंधित चैट मैसेज भी प्रस्तुत किए गए.बॉम्बे हाईकोर्ट ने इन पहलुओं की समीक्षा के बाद कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि गिरफ्तारी का मकसद कानूनी कार्रवाई नहीं बल्कि विवादित रकम की वसूली के लिए दबाव बनाना था.

बॉम्बे हाई कोर्ट के जस्टिस ने अभियोजन के तर्क को चौंकाने वाला बताया. साथ ही कहा कि इससे उनकी विश्वसनीयता पर प्रश्नचिन्ह लगता है. इस फैसले ने आर्थिक अपराध मामलों में मुंबई पुलिस की भूमिका पर फिर से सवाल खड़े कर दिए हैं. यह सिविल या कारोबारी विवादों में गिरफ्तारी की शक्ति का दुरुपयोग का प्रमाण है.

आज का राशिफल

मेष - आज खर्चों में वृद्धि हो सकती है। परिवार के बड़े-बुजुर्ग धन से जुड़ी कीमती सलाह दे सकते हैं। लव लाइफ के लिहाज से दिन अच्छा रहने वाला है।

वृषभ - सेहत पर आज नजर रखने की जरूरत है। आर्थिक स्थिति में सुधार निश्चित है। आज का दिन आपके परिवार में खुशियों की सौगात ला सकता है।

मिथुन - आज फिट रहने के लिए दिन की शुरुआत एक्सरसाइज से करें। आपको आर्थिक लाभ होगा। प्रेमी-प्रेमिका के बीच अनबन हो सकती है।

कर्क - आज आपको घरेलू परेशानियां घेर सकती हैं लेकिन परेशान होने की जरूरत नहीं है आप इनका हल निकाल लेंगे। व्यापारिक उन्नति के संकेत हैं।

सिंह - आज आपको मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। अपने भविष्य को समृद्ध बनाने के लिए अपने अतीत में जो भी पैसा निवेश किया था, उसका आज फल मिलेगा।

कन्या - आज आपका आर्थिक बोझ बढ़ेगा। अगर आप ग्रुप एक्टिविटी में शामिल होंगे तो आप नए दोस्त बनाएंगे। कार्यों को सफलतापूर्वक करने में सफल रहेंगे।

तुला राशि- आज आपका आत्मविश्वास व एनर्जी बढ़ी हुई रहेगी। एनर्जी बढ़ने से कार्यों में गति आएगी। जीवनसाथी कठिन परिस्थितियों में आपका साथ देगा।

वृश्चिक - आज आपको निवेश से बचना चाहिए, वरना नुकसान हो सकता है। सामाजिक मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अपनों का साथ मिलेगा।

धनु - आज मानसिक परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए योग व ध्यान का सहारा लें। लंबी दूरी की यात्रा संभव है।आर्थिक रूप से दिन ठीक ठाक रहने वाला है।

मकर - आज का दिन आपके लिए खुशी व आनंद से भरा रहने वाला है। कार्यस्थल पर आपके पिता की कोई सलाह फायदेमंद साबित हो सकती है।

कुंभ - आज आपको किसी पुरानी बीमारी से राहत मिल सकती है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने वाले जातकों को शुभ समाचार मिल सकता है।

मीन - आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। परिवार की सेहत का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। भवन या जमीन जायदाद के सुख में वृद्धि होगी।

ईद से पहले राज्य सरकार का बड़ा कदम

मुंबई.

राज्य में 7 जून को मनाई जाने वाली बकरा ईद से पहले राज्य की गोसेवा आयोग ने बड़ा निर्णय लिया है. आयोग ने 3 जून से 8 जून तक सभी कृषि उपज मंडल समितियों को पशु बाजार बंद रखने का निर्देश दिया है. यह कदम मुख्य रूप से मवेशियों के अवैध वध को रोकने के उद्देश्य से उठाया गया है. गाय और बैल की हत्या पूरी तरह से प्रतिबंधित है और इनके मांस का रख-रखाव भी अपराध माना जाता है. इस आदेश के तहत, मंडियों में इन पशुओं के साथ-साथ अन्य जानवरों जैसे भेड़, बकरी और भैंस के भी कारोबार पर एक सप्ताह के लिए रोक लगा दी गई है. गोसेवा आयोग ने 27 मई को सभी एपीएमसी को एक परिपत्र जारी किया था, जिसमें कहा गया कि बकरी ईद के दौरान बड़े पैमाने पर जानवरों की बलि दी जाती है, इसलिए जून की पहली सप्ताह में किसी भी ग्राम में पशु बाजार आयोजित न किए जाएं ताकि मवेशी वध की घटनाओं को रोका जा सके. आयोग ने इस आदेश को महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम के तहत लागू किया है, जो राज्य में मवेशियों के वध पर कड़ा प्रतिबंध लगाता है. आयोग के अध्यक्ष शेखर मुंडाडा ने स्पष्ट किया कि यह आदेश केवल एक "सलाह" है और इसका मकसद केवल अवैध वध को रोकना है, न कि अन्य जानवरों के व्यापार को स्थायी रूप से बंद करना. हालांकि, इस फैसले का कई समुदायों खासकर मुस्लिम समाज के लोगों ने विरोध किया है. उन्होंने सवाल उठाया है कि आखिर पूरे सप्ताह बाजार बंद करने की क्या जरूरत थी, क्योंकि इस निर्णय से केवल मवेशी ही नहीं, बल्कि बकरियों, भेड़ों और भैंस के व्यापार पर भी असर पड़ेगा. फारूक अहमद, वंचित बहुजन आघाड़ी के राज्य उपाध्यक्ष, ने नांदेड में इस परिपत्र के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कहा कि बाजार बंद होने से किसानों, मजदूरों, कुरैशी-खटीक समुदाय के लोगों और अन्य संबंधित पेशेवरों की रोज़ी-रोटी ठप हो जाएगी. इस विवाद के बीच गोसेवा आयोग ने यह साफ किया है कि उनका उद्देश्य केवल गायों और बैलों के अवैध वध को रोकना है. आयोग का मानना है कि यदि पशु बाजार खुले रहेंगे तो ईद के दौरान जानवरों की बलि के लिए उनकी खरीद-बिक्री बढ़ेगी और अवैध वध की संभावना अधिक होगी.

मेट्रो CLASSIFIED बिजनेस

NP DR. NANDI PATH LAB
Committed to your Wellness
OUR SERVICES: • BLOOD TESTS • BIOCHEMISTRY • HEMATOLOGY • MICROBIOLOGY • SEROLOGY & MORE
DR. GAURAV NANDI MBBS, MD (Patho)
Ex. ASSTT PROFESSOR SMCW, PUNE
Mobile No.: 8767516249 | 7420869774
Near Nutan Saraswati School, Main Road, Kamptee, Nagpur

अल्का ब्युटी पार्लर
अलग-अलग प्रकार के फेशियल
थ्रेडिंग • वैक्सींग • स्पा ट्रिटमेंट हेअर एवं बॉडी
हिना ट्रिटमेंट • ब्लीचिंग • मेहंदी ऑर्डर
मॅनीक्यूर-पेडिक्यूअर • स्कीन ट्रिटमेंट
हेअर पर्मिंग नेल ट्रिटमेंट • हेअर कटिंग
पींपल ट्रिटमेंट • त्वचा (स्कीन) केअर
मेकअप • हेअर कलरिंग साडी स्टाईल्स
यहां ब्युटी पार्लर कोर्सेस के क्लासेस लिये जाते हैं।
अल्का व्हि. लाडे
9373108897 / 9373531205
प्लॉट नं. 57-सी, एम्प्रेस मिल क्वॉ. नं. 15 के पीछे, बेझनबाग, नागपुर

तुळजाभवानी ट्रेडर्स
कलमना रोड, महालक्ष्मी कॉम्प्लेक्स, रनाला चौक, कामठी
हमारे यहां गिट्टी, ईटा, राखड, मुरूम आदि का सप्लाई किया जाता है।
ठोक व चिल्लर विक्रेता
JCP Work 24 हमारे यहां उपलब्ध है
M. : 7987262970 | 9175172712

SWARNATYA MUSIC ACADEMY
Learn Music with Proper Exam Facility
Classes Conducted for
• Vocal Classical Singing
• Light Music (with Karaoke)
• Zumba
• Yoga
• Crochet
• Macrame
• Drawing
• Paper Crafts
<: Contact :>
Mob - 9975757706, 9561674780
Adress : Plot no 212, Bengali Society, Kasturba Nagar, Jaripatka, Nagpur

श्री सतगुरु ट्रैवल्स
• 19 मे शिमला मनाली
• 2 जून केरल कन्याकुमारी रामेश्वरम
• 15 जून आगरा मथुरा वृंदावन
• 9 सप्टेंबर केदारनाथ चारधाम यात्र
• 10 ऑगस्ट गुजरात राजस्थान
संपर्क
आशीष लक्ष्मीनारायण कावळे
7498753939, 93095 96390
8698495200, 9823454945

ADMISSION OPEN
RKS PUBLIC SCHOOL
NURSERY to Std. IX
OUR FACILITY
Computer Lab • Cricket
Karate Class • Swimming Pool
Skating Class • Basket Ball
M. 8087955831 8956785080
Jaripatka Police Station Road, Nara, Nagpur

AVANI SOLAR SYSTEM
GSTIN No. : 27AHYPY4738N1ZX
VANDANA ABHIJEET YADAV Proprietor
AU Avani Udyog
(MSEDCL Approved Vendor)
Office Address
Ground Floor, LSN 52/3, Ranala Railway Gate, Kamptee, Nagpur - 441 001
E-mail : avanisolarandagriproducts@gmail.com
Cell : +91 9665055266 | +91 8999396631
Sales Office : "G1", Bhavani Apartment, Near Lokvihar, Phase 3, Bhilgaon, Nagpur - 440 026.

इंग्लिश स्पीकिंग
E-PLANET SPEAKERS' ACADEMY
Talkative, Funny & Tricky
Morning / Evening BATCHES
अंग्रेज़ी बोलना सीखें बिना किताब और कलम से
हम भीड़ में दौड़ना नहीं जितना सिखाते है।
STUDENTS • TEACHERS • HOUSEWIVES • JOB SEEKERS
NEW BATCHES | 5:00 PM TO 6:00 PM | 8:00 AM TO 9:00 AM
9960462058,7498325477
नया गोदाम, प्रबुध्द नगर, ईस्माइलपुरा, कामठी डॉ. (प्रा.) अभिषेक चिमणकर

ZOREN PROPERTY DEALERS
हमारे यहाँ खेती, फ्लॅट, डुप्लेक्स, घर, बंगलो, फार्म हाऊस, रिसॉर्ट खरेदी और बेचा जाता है
अफसर खान
M. 9371381114, 7038696893
सभी प्रकार के प्रॉपर्टी पेपर का काम किया जाता है

नमोश्री ऑनलाईन जॉब सेन्टर
विक्रीपत्र, बक्षिसपत्र, मृत्युलेख, हक्क सोडण्याचे लेख, प्रतिज्ञापत्र, हिबानामा, झोन दाखला, बँक प्रतिज्ञा लेख व ईडेलिटी बँड, आखिव पत्रिका, 7/12, फेरफारपंजी, रजिस्ट्री डाटा इन्ट्री, झेरॉक्स, लेमिनेशन, कलर प्रिंट, वॉटसअप पिंट, आधार कार्ड डाउनलोड
उमेश्वर शामकुंवर
M.9326760744
तहसील व कार्ट के सामने, कामठी

नसीब प्रिंटींग प्रेस
एस. सुधीर मो. 9372855880
डिजिटल बॅनर • विजिटिंग कार्ड
शादी कार्ड • रबर स्टॅम्प
बुक बाईडिंग • डीटीपी जॉब
रोटा प्रिंटींग • स्क्रीन प्रिंटींग
प्रांजल हॉस्पीटल व दुर्गा स्टॉरेन्ट के सामने, दुर्गा चौक, कामठी

अंकित एंटरप्राइजेस
आनंद ठेकेदार : 7219847962
बिल्डिंग कॉन्ट्रैक्टर
हमारे यहां आरसीसी काम, बांधकाम काम, प्लास्टर, टाईल्स काम, पेंटिंग और पीओपी के सभी काम करके मिलेंगे।
"सकु आई मंजिल" नया गोदाम, कामठी

पाठकगणों को विनम्र सूचना : दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार में प्रकाशित होने वाले विविध विज्ञापनों की जांच-पड़ताल करने के बाद ही पाठकगण विज्ञापन के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर आर्थिक व्यवहार करें। प्रकाशित विज्ञापन में अपने उत्पादन के संदर्भ में या सेवा के संदर्भ में विज्ञापन दाताओं द्वारा जो दावे पेश किए जाते है, उनकी दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र कोई गारंटी के साथ जवाबदेही नहीं देता। साथ ही विज्ञापन में किये गये दावों से दुष्परिणाम के लिए दैनिक नागपुर मेट्रो समाचार पत्र के मुद्रक, प्रकाशक, संपादक तथा मालिक जिम्मेदार नहीं होंगे। कृपया पाठकगण उपरोक्त संबंध में ध्यान दें।

विज्ञान हेतू संपर्क करें : सौमित्र नंदी, उपसंपादक मोबाइल नं. 9604758944 , 9881272088

सुविचार

अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित्र भाव से समर्पित होना पड़ेगा.

संपादकीय

सुरक्षा का प्रश्न

रक्षा परियोजनाओं में देरी पर भारतीय वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह की चिंता और सवाल वाजिब हैं। दोतरफा मोर्चे पर जूझ रही सेना के आधुनिकीकरण में तेजी लाने की जरूरत है। इसके लिए केवल विदेशी सौदों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता, मेक इन इंडिया प्रॉजेक्ट के तहत भी उत्पादन बढ़ाना होगा। एयरफोर्स चीफ की टिप्पणी ऐसे वक्त आई है, जब भारत ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ठिकानों को हवाई क्षमता का प्रदर्शन कर ध्वस्त किया था। इसी टकराव ने यह भी दिखाया कि जंग में लड़ाकू विमानों की भूमिका कितनी अहम हो चुकी है।भारत के सामने दो फ्रंट खुले हुए हैं- पाकिस्तान और चीन और चिंता की बात यह है कि जो चीन के पास है, वह किसी न किसी तरह पाकिस्तान के पास पहुंच ही जाता है। हालिया टकराव में ही उसने तुर्किये के ड्रोन और चीन के लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल किया। भारत के लिए ताजा रिपोर्ट चिंता बढ़ाने वाली है कि चीन अपने जे -35 स्टेल्थ फाइटर जेट भी पाकिस्तान को देने जा रहा है। सरकार ने 5वीं पीढ़ी के स्टेल्थ फाइटर जेट के निर्माण को मंजूरी तो दी है, पर अगर उम्मीद पूरी हुई तो भी इनको बनने में 10 साल लग जाएंगे। भारतीय वायु सेना के पास 42.5 स्क्वाड्रन लड़ाकू विमान होने चाहिए, लेकिन हैं केवल 30। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड अभी तक स्वदेशी तेजस मार्क, 1ए की डिलिवरी नहीं कर पाया है। इसकी वजह से वायु सेना की रक्षा तैयारियों पर असर पड़ रहा है। एयर चीफ पहले भी यह मुद्दा उठा चुके हैं।भारत ने हाल में 'मेक इन इंडिया' पर दम लगाया है। 2023-24 में 1.27 लाख करोड़ का रक्षा उत्पादन इस प्रॉजेक्ट के तहत हुआ साथ ही देश ने 21 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का डिफेंस एक्सपोर्ट किया। 100 से अधिक मुल्कों ने भारत से रक्षा उपकरण और हथियार खरीदे हैं। एक दशक में करीब 30 गुना की तेजी आई है।भारत को आने वाले वक्त में अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आत्मनिर्भर बनना होगा। साथ ही, जिस तरह से चीन ने अपनी सेना का आधुनिकीकरण किया है, भारत को भी उस राह पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। इसके लिए डिफेंस प्रोडक्शन को फास्ट ट्रैक करने की जरूरत है और इसमें कोई कोताही नहीं होनी चाहिए।

आलेख

बदलते मौसम के कारण समय से पहले बरसात का कहर

मौसम में हो रहे तीव्र परिवर्तन के कारण अब बारिश ने भी अपनी दिनचर्या बदल दी है। समय से पहले ही बारिश ने राज्य के कई हिस्सों में विकराल रूप धारण कर लिया है, जिससे किसानों को भारी नुकसान, बिजली गिरने से मृत्यु, पशुधन की हानि और बाढ़ जैसी गंभीर समस्याएं देखने को मिल रही हैं। मई माह में ही राज्य के कई क्षेत्रों में रेड अलर्ट तथा कुछ हिस्सों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है, जिससे आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है। इसी के साथ, बदलते मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के कारण देश में अत्यधिक वर्षा, अत्यधिक गर्मी, अत्यधिक सर्दी, सुनामी जैसे प्राकृतिक आपदाएं दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही हैं। पहले भारत में तीन ऋतु होतेथे गर्मी, वर्षा और सर्दी ये नियमित रूप से अपना कार्य करती थीं, लेकिन अब सभी ऋतुओं ने अपना स्वरूप बदल दिया है। इसी कारण, अभी से ही राज्य व देश के कई हिस्सों में वर्षा ने विकराल रूप ले लिया है। इस वर्ष जून से सितंबर के बीच सामान्य से 106% अधिक वर्षा होने का अनुमान मौसम विभाग ने जताया है। महाराष्ट्र में इस बार वर्षा का जो पूर्वानुमान जारी किया गया है, उसमें कोकण-गोवा में 107%, मध्य महाराष्ट्र में 110%, मराठवाड़ा में 112% और विदर्भ में 109% तक वर्षा होने की संभावना बताई गई है। इसका मतलब है कि इस बार वर्षा का समय अत्यंत चुनौतीपूर्ण होने वाला है। फिलहाल समय से पहले ही अत्यधिक बारिश के कारण महाराष्ट्र समेत देश के कई क्षेत्रों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। विदर्भ, मराठवाडा, उत्तर महाराष्ट्र, मुंबई, रायगढ़ जैसे क्षेत्रों में मूसलधार बारिश से बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। विदर्भ क्षेत्र अलर्ट मोड पर है, और मराठवाड़ा के कई भागों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो चुकी है। बीते 25 वर्षों में यह सातवीं बार है जब वर्षा इस स्तर तक पहुँची है।वर्तमान में जारी वर्षा की तीव्रता देखकर विशेषज्ञों का मानना है कि यह वर्ष 2013 जैसी स्थिति पैदा कर सकता है, जब बारिश ने भयावह रूप लिया था। सरकार को यह समझना होगा कि पहले और अब की स्थिति में जमीन- आसमान का अंतर है। पहले बारिश का पानी जमीन में समा जाता था जिससे बाढ़ की स्थिति जल्दी शांत हो जाती थी। लेकिन बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण, जंगलों की कटाई, अत्याधुनिक विकास और बड़े पैमाने पर सीमेंट की सड़कों के निर्माण से अब पानी जमीन में नहीं समा पाता और थोड़ी सी बारिश में ही बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इसलिए राज्य और केंद्र सरकार को अभी से सतर्क हो जाना चाहिए। वर्तमान में हो रही तेज बारिश से अब तक 4 दिनों में राज्य में 21 लोगों की मौत हो चुकी है और 12 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जो कि अत्यंत चिंताजनक है।

लोककथा

डॉ. उमेश चमोला

राख वाली कन्या

किसी गांव में एक औरत रहती थी। उसकी एक साथ चार कन्यायें जन्मी। उस गांव के लोग अंधविश्वासी थे। गाँव के लोगों में विश्वास प्रचलित था कि चार कन्याओं के एक साथ जन्म होने पर गाँव में अनिष्ट होता है। जब ये कन्यायें सोलह साल की हो जाती, तीन कन्याओं के लिए उपहार रखे जाते। चौथी कन्या के लिए राख की पुड़िया रखी जाती थी। इसके लिए कागज के चार टुकड़े तैयार किए जाते। तीन टुकड़ो में उपहारों का नाम तथा चौथे टुकड़े में राख लिखा जाता। एक-एक कर कन्याओं से आँखें बन्द कर कागज की पर्ची उठाने को कहा जाता। कागज की पर्ची में लिखा उपहार कन्याओं को दिया जाता। जिस कन्या के नाम राख लिखी पर्ची आती, उसे छरफूकि (राख वाली कन्या) कहा जाता। उसे भाग्यहीन माना जाता। जब उस औरत की कन्यायें सोलह वर्ष की हो गई तो परम्परा के अनुसार चार कागज की पर्चियां तैयार की गई। एक पर्ची में मोती की माला, दूसरी में चाँदी के फूलों का हार तथा तीसरी में सोने का शीशफूल लिखा गया। चौथी पर्ची में राख लिया गया था। बारी-बारी से आँखें बन्द कर चारों बहनों ने पर्चियां उठाई। एक बहन के भाग्य में मोती की माला, दूसरी के भाग्य में चाँदी के फूलों का हार तथा तीसरी के भाग्य में सोने का शीशफूल आया। चौथी बहिन के भाग्य में राख वाली पर्ची आई। उसे छरफूकि कन्या घोषित किया गया। चौथी बहिन के छरफूकि घोषित होने के बाद तीन बहनें अपने को श्रेष्ठ समझने लगी। वे तीनों छरफूकि कन्या को बात-बात पर नीचा दिखाती रहती। एक बार उन कन्याओं की माँ ने चारों बेटियों से कहा- 'बेटियों! जंगल में घास लाने जाओ। चारों बहनें घास लेने जंगल चली गई। छरफूकि बहन तीनों के पीछे-पीछे जंगल चली गई। उसे जंगल में भूख लगी। उसने किनगोड़ की झाड़ी से एक टहनी तोड़ी और खाने लगी। उसकी बहनों ने उसे देखकर धमकाया' तुम भाग्यहीन कन्या हो। किनगोड़ की यह टहनी हमें दों हम खाएंगे किनगोड़ छरफूकि बहिन कुछ कहती, इससे पहले ही उन्होंने किनगोड की टहनी उसके हाथ से छीन ली, जब तीनों बहिनें किनगोड खाने लगी तो उन्होंने देखा सारे किनगोड में कीड़े पड गए थे। उन्होंने किनगोड की टहनी फेंक दी। वह टहनी छरफूकि कन्या ने उठा दी.उसके हाथ में पकड़ते ही किसी भी किनगोड में कीड़ा नही दिखाई दिया। उसने खूब किनगोड़ खाए। थोड़ा आगे चलने पर छरफूकि कही जाने वाली लड़की ने हिसालु की झिल्ल (बेल) देखी। उसने बेल की एक टहनी काट दी।

रमेश कुलकर्णी

दहेज की कुप्रथा..

प्रगति के मानदंड अलग-अलग हैं। इसमें शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक और व्यक्तिगत मानदंड लागू किए जा सकते हैं। सामाजिक प्रगति सबसे महत्वपूर्ण है। हर चीज़ का समाज पर सकारात्मक प्रभाव होना चाहिए। आज वास्तव में क्या हो रहा है? हमारा प्रगतिशील महाराष्ट्र दहेज के मामलों से हिल गया है। दहेज महाराष्ट्र की सामाजिक छवि पर एक धब्बा है। हमारे राज्य में ज्ञानोदय की महान परंपरा रही है। दशकों के ज्ञानोदय के बाद, कुछ क्षेत्रों में सामाजिक परिवर्तन निश्चित रूप से उभरने लगे हैं। अब यह कहने का समय आ गया है कि यह महज एक कल्पना नहीं थी। दहेज के लिए जान लेना शिक्षित, सभ्य महाराष्ट्र को शोभा नहीं देता।

इसके लिए वास्तव में दोषी कौन है? दहेज मांगने वाला भी उतना ही दोषी है जितना देने वाला। यदि हम यह स्वीकार भी कर लें कि बच्चों के प्रति चिंता के कारण यह दुष्चक्र जारी है, तो भी इसकी एक सीमा होनी चाहिए। नई दुनिया में भव्य शादियाँ आम बात हो गई हैं। यह सच है कि जुनून का कोई मूल्य नहीं है। किसी को तो फिजूलखर्ची के रथ पर रोक लगानी होगी। इसे कौन पहनेगा? यह एक प्रश्न है। यद्यपि विवाह हर किसी का निजी मामला है, लेकिन इसकी भव्यता समाज की भलाई को कमज़ोर करती है। तुलनाएं, जाने-अनजाने में होने लगती हैं। इससे कलह पैदा होती है। इस तुलनात्मक पैमाने में रीति-रिवाज भी हैं और बुरा रीति-रिवाज भी हैं। देश के प्रमुख औद्योगिक परिवारों में विवाह समारोह वर्ष भर चलते रहते हैं। यह राष्ट्रीय मीडिया के लिए ब्रेकिंग न्यूज़ बन जाती है।

जैसे ही आप टीवी चालू करते हैं, 24 घंटे तक यही सिलसिला चलता रहता है। अत्यधिक खर्च करके जो प्रशंसनीय चर्चाएं की जा रही हैं, वे व्यथित करने वाली हैं। यह फिल्मी सितारों की शादियों की कहानी है। उनकी गंतव्य शादी, परिधानों की भव्यता, मेकअप के लिए आए विदेशी विशेषज्ञ, फोटोशूट की भव्यता, भोजन के विस्तृत मेनू का रोचक विवरण और संगीत प्रदर्शन के लिए बुलाए गए सितारे, आम नागरिकों को मोहित कर देते हैं। चूंकि यह एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। इसलिए इसकी टीआरपी करोड़ों दर्शकों द्वारा बढ़ाई जाती है। ये सभी चीजें सामाजिक मन को प्रभावित करती हैं। मानव स्वभाव भी भौतिक सुखों में लिप्त रहना पसंद करता है। यही कारण है कि अंगूठियों वाली शादियों का चलन बढ़ गया है। दिखावा समाज का स्वभाव बन गया है। समाज में हर आर्थिक स्तर पर 'शानदार' की अवधारणा को उठाया जा रहा है। वैश्वीकरण के बाद नये अमीर लोगों की संख्या में वृद्धि हुई।

मध्यम वर्ग का उत्थान हुआ और उन्हें 'उच्च मध्यम वर्ग' की श्रेणी में शामिल किया गया। ब्रांड की चाहत ने पैसे को निरर्थक बना दिया। युवाओं के कानों में भी बदलाव की नई बयार बहने लगी। नये, महंगे विचार सामने आये। इससे अंधराष्ट्रवाद में वृद्धि हुई। भोग-विलास की आदत संक्रामक होती है। भम्पकगिरि को सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। यह ज्ञात नहीं है कि यह परिवर्तन कब हुआ, कब समारोह 'कार्यक्रम' बन गए। शादी पर कितना खर्च करना है यह हर किसी का निजी मामला है। हालांकि राजनीतिक नेताओं के पंच सितारा समारोहों का लेखा-जोखा सार्वजनिक नहीं किया जाता, फिर भी मतदाताओं के बीच इनकी चर्चा होती है। इतना सब होने के बावजूद भी यदि दाम्पत्य जीवन में सुख-शांति का अभाव हो तो वैभव का प्रदर्शन निरर्थक हो जाता है।

यदि मतभेद के कारण अलगाव की दर बढ़ रही है और अत्यधिक खर्च के बावजूद दहेज पीड़ितों की हत्या हो रही है, तो यह एक सामाजिक विकार का हिस्सा है। यहां तक कि जब बात इच्छाओं की पूर्ति की हो, तो उत्सव का मूल आनंद ही होना चाहिए। यह सचमुच एक आशीर्वाद है कि यह सामाजिक प्रवृत्ति बढ़ेगी! मन की सरलता ही अनुचित आडम्बर के विरुद्ध एकमात्र संयम है। यदि हर कोई अपने अंदर झांककर इस बारे में सोचे तो यह कल का जनांदोलन बन जाएगा। असीमित खर्च पर केवल सामाजिक एकजुटता के माध्यम से ही अंकुश लगाया जा सकता है। इससे पहले, समाज को बाहरी प्रगति और आध्यात्मिक उन्नति के बीच का अंतर समझना होगा।

रमेश लांजेवार

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने देशहित में सच्चाई पेश की।

देश के चारों ओर भारत विरोधी जाल बुना गया है, जिसमें चीन की मुख्य भूमिका है और चीन की मदद से पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देश हमेशा कुछ न कुछ शरारत करते रहते हैं। क्योंकि वे भारत का विकास नहीं देखना चाहिए। यही कारण है कि हम सीमावर्ती क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर आतंकवादी गतिविधियां देखते हैं। आज पूरा विश्व आधुनिक युग की ओर बढ़ रहा है। तदनुसार, इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत भी पूरी तरह तैयार है और उस दिशा में आगे बढ़ रहा है। लेकिन जब बात देश की सुरक्षा की आती है तो सभी आधुनिकतम उपकरणों का होना जरूरी है। लेकिन जब हम किसी देश या उस देश की कंपनी के साथ कोई हथियार सौदा करते हैं, तो हम जानते हैं कि ये वस्तुएं या सामग्रियां हमें एक निश्चित समय तक उपलब्ध हो जाएंगी। लेकिन यह स्पष्ट है कि ऐसा नहीं हो रहा है। इसलिए, मैं समझता हूं कि वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह द्वारा उठाया गया सवाल बहुत ही उचित और देशहित में है। क्योंकि देश की 140 करोड़ जनता के सुरक्षा कवच का मुद्दा, देश के सीमावर्ती क्षेत्रों का मुद्दा, सैन्य शक्ति का मुद्दा महत्वपूर्ण है,वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा कि भारत की रक्षा खरीद परियोजनाओं में लगातार देरी हो रही है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) का वार्षिक शिखर सम्मेलन 29 मई, 2025 को दिल्ली में आयोजित किया गया। इस समय एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह बोल रहे थे। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी, सीआईआई अध्यक्ष संजीव पुरी, डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर कामत और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस अवसर पर एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने उन रक्षा अधिकारियों की भी आलोचना की, जिन्होंने अनुबंधों में अवास्तविक समय सीमा और प्रदर्शन की कमियों के बारे में स्पष्ट रूप से बोलने की हिम्मत नहीं की और सभी की उपस्थिति में एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने गंभीर चिंता व्यक्त की। उनका कहना है कि अक्सर हम अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय जानते हैं कि संबंधित प्रणाली कभी नहीं आएगी। मुझे एक भी परियोजना याद नहीं है जो समय पर पूरी हुई हो। हम ऐसे वादे क्यों करते हैं जिन्हें पूरा नहीं किया जा सकता? वायुसेना प्रमुख ने इन शब्दों पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। मैं समझता हूं कि देशहित में वायुसेना प्रमुख की नाराजगी जायज है। वायुसेना प्रमुख ने कई रक्षा प्रणालियों, विशेषकर स्वदेशी परियोजनाओं से संबंधित, में हो रही देरी की ओर ध्यान आकर्षित किया। हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) परियोजना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि तेजस एमके 1 ए लड़ाकू विमान के लिए फरवरी 2021 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 48,000 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे। अनुबंध के अनुसार, इन विमानों की डिलीवरी मार्च 2024 से होने की उम्मीद थी। हालांकि, ऑर्डर किए गए 83 में से एक भी विमान वितरित नहीं किया गया है। सरकार को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को नोटिस जारी करना चाहिए कि अनुबंध में देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी इसलिए मैं राजनीतिक नेताओं से अनुरोध करता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीति न करते हुए इसे राष्ट्रीय विजय माना जाना चाहिए। एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने भारतीय उद्योग परिसंघ के व्यापार शिखर सम्मेलन में एक बहुत ही महत्वपूर्ण सवाल उठाया है और सरकार को जगाया है, जिसके लिए सरकार को उनका सम्मान करना चाहिए और आगे की कार्रवाई के लिए सख्त कदम उठाने चाहिए। देश के सच्चे हित में यही है कि सरकार अमर प्रीत सिंह के बयान की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए सम्पूर्ण समझौते एवं रक्षा खरीद परियोजनाओं का सख्ती से पालन कराए तथा यह सुनिश्चित करे कि इसमें किसी प्रकार की देरी न हो। माननीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने जो सच्चाई देश की जनता के सामने रखी, उसे देश कभी नहीं भूलेगा।

बाल कहानी

हरीश कुमार

ख़ुद से शुरुआत

गरमी की छुट्टियों में नितिन अपने पापा के साथ अपने चाचा जी के यहाँ कानपुर जा रहा था. वे लोग रेलगाड़ी से जा रहे थे. गाड़ी के डिब्बे में खिड़की के पास बैठा हुआ नितिन हाथ में पकड़े बिस्कुट के पैकेट से बिस्कुट खा रहा था. साथ ही वह बाहर के प्राकृतिक दृश्य भी देख रहा था. तभी रेलगाड़ी एक नदी के ऊपर बने पुल पर से गुज़रने लगी. नदी का पाट चौड़ा था. नितिन ने देखा कि नदी के पानी का रंग काला-भूरा-सा था. उसने पास बैठे पापा से पूछा,पापा, इस नदी के पानी का रंग इस तरह का क्यों है?'बेटा, ऐसा इसलिए है क्योंकि नदी का पानी साफ़ नहीं है' पापा ने उत्तर दिया. 'पानी साफ़ क्यों नहीं है,

पापा? नदी तो पहाड़ों से निकलती है न?' पैकेट से बिस्कुट निकालते हुए नितिन पूछने लगा. पापा बोले,हाँ बेटा, नदी पहाड़ों पर जमी बर्फ के पिघलने से ही निकलती है. शुरू में तो नदी का पानी साफ़ होता है, पर जैसे-जैसे नदी आगे बढ़ती है, इसमें कूड़ा-कचरा डलता जाता है और नदी का पानी अशुद्ध होने लगता है. कैसा कूड़ा-कचरा, पापा? नितिन ने फिर प्रश्न पूछा.बेटा, नदियों के पानी में कारखानों और फैक्ट्रियों का कूड़ा-कचरा, शहरों और कस्बों का कूड़ा-कचरा वगैरह डलता रहता है. इससे नदियों का पानी साफ़ नहीं रहता. यहाँ तक कि यह पानी पीने लायक भी नहीं रहता. पापा ने समझाया. हूँ. बिस्कुट कुतरते हुए नितिन पापा की बातों को समझने की कोशिश कर रहा था. 'यहाँ तक कि कई बार ऐसे पानी में घुले हुए रसायनों आदि की मात्रा इतनी अधिक हो जाती है कि यह पानी मानव के लिए कई बीमारियों का कारण भी बन सकता है.' पापा बता रहे थे. तभी नितिन के मन में एक बात आई और वह पापा से पूछने लगा, 'तो पापा, पानी में रहने वाली मछलियों और दूसरे जन्तुओं पर ऐसे गंदे पानी का बुरा असर नहीं पड़ता क्या'पड़ता है असर, ज़रूर पड़ता है.

पानी में मिले जहरीले रसायनों आदि से बहुत-सी मछलियाँ और पानी में रहने वाले दूसरे जन्तु या तो मर जाते हैं या उन्हें कई रोग लग जाते हैं' पापा ने जवाब दिया 'हम लोगों के घरों में जो पानी आता है, वह भी इसी तरह की नदियों से ही तो आता है न पापा?' नितिन ने पूछा. हाँ बेटा, हमें इन नदियों का पानी ही तो मिलता है. बस इतना ज़रूर है कि उसे घरों में सप्लाई करने से पहले साफ़ किया जाता है. मगर यह बात ध्यान में रखने की है कि पानी जितना ज़्यादा गंदा होगा, उसमें जितने ज़्यादा रसायन आदि मिले होंगे, उसे साफ़ करना उतना ही ज़्यादा मुश्किल होगा. साथ ही उसे साफ़ करने में समय और धन भी उतना ही ज़्यादा लगेगा. इसके बावजूद यह ज़रूरी नहीं कि पानी पूरी तरह से साफ़ हो ही जाए और इस्तेमाल करने लायक बन सके.'' पापा ने विस्तार से समझाया.'तो इसका मतलब है पानी में कूड़ा-कचरा नहीं डालना चाहिए' नितिन कहने लगा.

'बिल्कुल ठीक कहा तुमने, इस बारे में सरकारी कानून भी हैं, मगर बहुत से लोग इनका पालन नहीं करते' पापा कह रहे थे. 'पापा, मैं तो अब समझ गया हूँ. मैं तो अब डालूँगा नहीं पानी में कूड़ा-कचरा' कहते हुए नितिन ने बिस्कुट के खाली पैकेट का रैपर अपने बैग की जेब में डाल दिया, नहीं तो पहले वह ऐसी चीज़ों को इधर-उधर फेंक दिया करता था. 'शाबास बेटा. अच्छा काम करने की हमें ख़ुद से ही शुरुआत करनी चाहिए'. नितिन की बात सुनकर पापा मुस्कुराए और नितिन की पीठ पर शाबासी से भरा हाथ फेरने लगे.

संस्मरण

सूरज प्रकाश

चार्ली चैप्लिन की आत्मकथा

कीनोट कम्पनी को छोड़ना मेरे लिए तकलीफदेह था क्योंकि मैं वहां पर सेनेट और दूसरे सभी लोगों का प्रिय व्यक्ति बन चुका था। मैंने किसी से भी विदा के दो शब्द नहीं कहे; मैं कह ही नहीं सका। ये सब शुष्क, आसान तरीके से हो गया। मैंने शनिवार की रात को अपनी फिल्म का संपादन पूरा किया और अगले सोमवार मिस्टर एंडरसन के साथ सैन फ्रांसिस्को के लिए रवाना हो गया जहाँ पर हमें उनकी हरे रंग की नयी मर्सिडीज कार के दर्शन हुए। हम सेंट फ्रांसिस होटल में सिर्फ लंच के लिए ही रुके उसके बाद में नाइल्स चले गए। वहाँ पर एंडरसन का अपना एक छोटा सा स्टूडियो था और उसमें उन्होंने एसेने कम्पनी के लिए ब्रांको बिली वेस्टर्न बनाई थी (एसेने स्पूअर और एंडरसन के पहले अक्षरों को मिलाकर बनाया गया नाम था)। नाइल्स सैन फ्रांसिस्को से बाहर की ओर एक घंटे की ड्राइव की दूरी पर था और रेल की पटरियों के पास बसा हुआ था। एक छोटा सा शहर था और वहाँ की आबादी चार सौ की थी और वहाँ का काम धंधा लसुन घास तथा पशुपालन था। स्टूडियो लगभग चार मील बाहर की ओर एक खेत के बीचो-बीच बना हुआ था। जब मैंने इसे देखा तो मेरा दिल डूबने लगा क्योंकि इससे कम प्रेरणादायक कुछ और हो ही नहीं सकता था। इसकी काँच की छत थी, जहाँ पर गर्मियों में काम करना बेहद मुश्किल हो जाता था। एंडरसन के कहा कि वे मेरे लिए मेरी पसंद का और कॉमेडी बनाने के लिए बेहतर तरीके से सुसज्जित स्टूडियो शिकागो के आसपास ढूंढेंगे। मैं नाइल्स में सिर्फ एक ही घंटा रहा और एंडरसन अपने स्टाफ के साथ कुछ कामकाज निपटाते रहे। तब हम दोनों फिर से सैन फ्रांसिस्को के लिए चल पड़े। वहाँ से हमने शिकागो के लिए यात्रा शुरू की। मुझे एंडरसन अच्छे लगे थे। उनमें एक खास तरह का आकर्षण था। रेल यात्रा में उन्होंने मेरी एक भाई की तरह देखभाल की और अलग-अलग स्टेशनों पर कैन्डी और पत्रिकाएं ले आते। वे लगभग 40 बरस के शर्मीले और चुप्पे व्यक्ति थे और जब कारोबार की चर्चा की जाती वे बड़े इत्मीनान के साथ कह देते,इसके बारे में चिंता मत करो। सब ठीक हो जाएगा। वे बहुत कम बात करते थे और हमेशा ख्यालों से घिरे रहते। इसके बावजूद मैंने महसूस किया कि वे भीतर ही भीतर काइयाँ थे। यात्रा रोचक थी। ट्रेन में तीन व्यक्ति थे जिन्हें हमने पहली बार डाइनिंग कार में देखा। उनमें से दो तो संपन्न लग रहे थे, लेकिन तीसरा बेतरतीब-सा लगने वाला साधारण सा आदमी था। उन तीनों को एक साथ खाना खाते देख हमें हैरानी हुई। हमने अंदाजा लगाया कि दो व्यक्ति तो इंजीनियर हो सकते हैं और तीसरा सड़क छाप आदमी छोटे-मोटे काम करने के लिए मजदूर रहा होगा। जब हम डाइनिंग कार से चले तो उनमें से एक हमारे कूपे में आया, अपना परिचय दिया। उसने बताया कि वह सेंट लुईस का शेरिफ है और उसने ब्रांको बिली को पहचान लिया है। वे फांसी दिए जाने के लिए एक कैदी को सैन क्विंटन जेल से वापिस सेंट लोइस लिए जा रहे हैं और चूंकि वे कैदी को अकेला नहीं छोड़ सकते हैं, क्या हम उनके कूपे में आकर जिला अटॉर्नी से मिलना पसंद करेंगे? शेरिफ ने विश्वास के साथ कहा, हमने सोचा कि आपको परिस्थितियों के बारे में जानना अच्छा लगेगा। ये जो कैदी है, इसका अच्छा-खासा आपराधिक रिकार्ड है। जब अधिकारी ने इसे सेंट लोइस में गिरफ्तार किया तो इस बंदे ने कहा कि उसे अपने कमरे में जाकर अपने ट्रंक में से कुछ कपड़े-लत्ते लाने की इजाज़त दी जाए और जिस वक्त वह अपने ट्रंक में सामान तलाश रहा था, तो अचानक ही वह अपनी बंदूक के साथ घूमा और अफसर को गोली मार दी और तब भाग कर कैलिफोर्निया चला गया।

आस्था

खाटू श्याम के शीश की पूजा

बाबा खाटू श्याम का संबंध महाभारत काल से है. वह महाबली भीम के प्रपौत्र और घटोत्कच के पुत्र थे. इनका नाम बर्बरीक था. कहते हैं कि इन्होंने बचपन में ही माता शक्ति की कठोर उपासना की और उन्हें प्रसन्न करके अभेद्य बाण प्राप्त किए थे, जिसके बाद से ही यह तीन बाण धारी कहलाए. बाबा खाटू श्याम जी का मंदिर राजस्थान के सीकर में स्थित है. भक्त यहां दूर-दूर से इनके दर्शन करने आते हैं. इस मंदिर में बाबा का सिर्फ शीश विराजमान हैं, लेकिन भारत में एक ऐसी जगह भी है जहां उनके शरीर की पूजा भी पूर्ण श्रद्धा भाव से की जाती है. आपके मन में भी ये सावल आ रहा होगा की आखिर बाबा का शरीर कहां है? आइए जानते है.बर्बरीक धड़ हरियाणा के हिसार जिले के एक गांव बीड़ में स्थापित किया गया है. वहां इनके धड़ की पूजा की जाती है. कहते है कि यह वहीं स्थान है जहां बर्बरीक ने अपना शीश दान किया था. यह श्याम बाबा मंदिर के नाम से प्रसिद्ध हैं. इस मंदिर में भी भक्त भारी संख्या में दर्शन करने आते हैं. मान्यता है कि इस मंदिर में दर्शन करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है. बर्बरीक एक महापराक्रमी योद्धा थे, महाभारत युद्ध के दौरान उन्होंने अपनी माता अहिलावती से युद्ध में शामिल होने की इच्छा प्रकट की. जब माता ने अनुमति दे दी, तो उन्होंने माता से पूछा की मैं युद्ध में किसका साथ दूं?

क्या आप अस्थमा दमा सांस रोग से परेशान हैं

दमा सास या सास की बीमारी खासकर बारिश या ठंडी के मौसम में ज्यादा परेशान करती है कई लोगो को यह बीमारी कई सालो से लम्बे समय से होती है। ये लोग इसके लिए हमेशा आयुर्वेद में हिअ एलोपैथिक स्टेरॉइड, एंटीएलर्जिक मेडिसिन्स खाते रहते है परन्तु उनको केवल टेम्परारी रिलीफ हे मिलता है और तकलीफ नहीं छूटती। परन्तु आयुर्वेद एक ऐसा प्राचीन जीवनशास्त्र (लाइफ साइंस) एवं चिकित्सा शास्त्र (मेडिकल साइंस) है जिससे की सास जड़ से है की बीमारी में तुरंत आराम मिलता है एवं लम्बे समय तक कम दवाओं में बिना किसी साइड इफेक्ट्स के मरीज़ को आराम मिलता है बढ़ कुछ इलाज के बाद तो उनको दवाई भी लेने जड़ की जरुरत नहीं होती केवल कभी कभी ही तकलीफ होने पर होती है।

सास (अस्थमा) के रोगियों को चल रही रोगी आज कल चल रही कोरोना पान्डेमिक से भी ज्यादा सावधान रहने की ज़रूरत है क्यूंकि इन रोगियों को कोरोना आसानी से तकलीफ में डाल सकता है। आयुर्वेदिक उपचार में श्वास निवारण सिरप, चित्रकहरीतकी, वासावलेह, स्पेशल श्वासाहर कैप्सूल, तुलसी सृंग तुलसी प्लस स्ट्रांग सिरप, खोखो सिरप, एलीनोज़ कैप्सूल इत्यादि से अस्थमा या सास की बीमारी में जल्दी आराम होते हुए देखा गया है। शिवशंकर आयुर्वेदिक चिकित्सालय सीताबर्डी टेम्पेल बाजार रोड। महाजन मार्किट में स्तिथ योग काम्प्लेक्स में एक ऐसा चिकित्सालय है जहा के अनुभवी डॉक्टर्स इस बीमारी अस्थमा, श्वासरोग दमा का सटीक एकदम दुष्परिणाम विरहित इलाज करते है। जो रुग्ण पंप इन्हेलर्स का इस्तेमाल करते है उनके पंप लेने का प्रमाण धीरे धीरे काम होकर पूरी तरह से छूट भी जाता है। उनके अस्थमा अटैक्स कम होकर उनकी सेवेंटी भी कम हो जाती है। अस्थमा से पीड़ित इच्छुक रुग्ण 9112079000 / 8605245080 पर संपर्क स्थापित कर इस तकलीफ से आज भी छुटकारा पा सकते है।

सीताबर्डी स्तिथ शिवशंकर आयुर्वेदिक एजेंसी अथवा क्लिनिक में इन दूरध्वनि क्रमांकों पर संपर्क स्थापित करें. 9112079000 / 8605245080

नागपुर मेट्रो समाचार : फैजान मिडिया सर्विसेस प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशकः फैजान सिराज शेख ने देश पब्लिकेशन, ई-30/2 हिंगणा एमआईडीसी, नागपुर-16 से मुद्रित कर 532, हनुमान नगर नागपुर.440009 से प्रकाशित किया.
संपादकः इमरान मुमताज शेख, मो. 9730005662 (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) ngpms2019@gmail.com RNI.NO - MAHHIN/2019/78960 (सभी न्यायालयीन प्रक्रिया नागपुर न्यायालय में होगी.)

हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार
नागपुर, सोमवार, 2 जून 2025

मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन

> बाघों के हमलों को नियंत्रित करने के लिए कड़े कदम उठाएं
> विधायक सुधीर मुनगंटीवार का वन विभाग को निर्देश

चंद्रपुर, सुनील तायडे

चंद्रपुर जिले में बाघ के बढ़ते हमलों से ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया है। पिछले डेढ़ महीने में नौ लोगों की जान जा चुकी है। इसलिए लोगों में काफी असंतोष फैल रहा है। यह बैठक इसलिए बुलाई गई क्योंकि बढ़ते हमलों के कारण अनावश्यक रूप से जान-माल की हानि हो रही है। ग्रामीणों और जानवरों की जानमाल की हानि की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग को बाघों के हमलों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए, यह निर्देश पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले और मत्स्य राज्य मंत्री विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने बैठक में दिए।

मुल तालुका में बाघ के हमलों में मारे गए नागरिकों के संबंध में वन विभाग के अधिकारियों के साथ रामबाग विश्राम गृह में एक बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक डॉ. जितेंद्र रामगांवकर, वन संरक्षक तथा ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक प्रभुनाथ शुक्ला, उपसंचालक (बफर) कुशाग्र पाठक, उप वन संरक्षक श्वेता बोड्डू, मूल के उपविभागीय अधिकारी अजय चरडे, तहसीलदार मृदुला मोरे, वन मंडल अधिकारी (संरक्षण) निकिता चौरे, सहायक वन संरक्षक (बफर) संकेत वाठोरे, आदेश षडंगी, लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता मुकेश तांगले, वन परिक्षेत्र अधिकारी राहुल कारेकर, प्रियंका वेलमे आदि उपस्थित थे। विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि भगवानपुर गांव में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को देखते हुए बाड़ लगाने के लिए तत्काल मंजूरी ली जानी चाहिए। मुल तालुका के किसानों को बाड़ लगाने के लिए जंगल में मौजूद बांस उपलब्ध कराए जाने चाहिए। इसके लिए वन विभाग को गांवों में जाकर किसानों का पंजीकरण करना चाहिए और किसानों को बांस उपलब्ध कराना चाहिए। वन विभाग को एफडीसीएम के साथ मिलकर बाड़ के लिए बजट तैयार करना चाहिए। भगवानपुर रोड के दोनों ओर 20 मीटर की दूरी पर झाड़ियों को काटा जाना चाहिए।

बाघ के हमलों से बचने के लिए किसी को भी जंगल में नहीं जाना चाहिए। अगर ग्रामीणों को जलाऊ लकड़ी की जरूरत हो तो उन्हें वन विभाग से संपर्क करना चाहिए। इसके लिए किसानों का पंजीकरण किया जाए तथा वन विभाग उन्हें लकड़ी उपलब्ध कराए।

पिछले डेढ़ महीने में बाघों के हमलों में नौ ग्रामीणों की मौत हो चुकी है और वन विभाग को बाघों के बारे में सटीक जानकारी प्राप्त करनी चाहिए। पिछले दो वर्षों में 22 बाघ पकड़े गए हैं। जिले में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को देखते हुए ऐसी घटनाओं को रोकने और आपातकालीन स्थिति में तत्काल प्रतिक्रिया देने के लिए प्रत्येक प्रभाग में एक प्राथमिक बचाव दल तैनात किया गया है, जिसमें कुल 917 सदस्य कार्यरत हैं।

जिस प्रकार किसानों के लिए ई-फसल सर्वेक्षण के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत प्रणाली के माध्यम से फसल की जानकारी एकत्रित की जाती है, उसी प्रकार वन विभाग के लिए भी ऐसी ही सुसंगत प्रणाली बनाई जा सकती है। सौर बाड़ लगाने की तकनीकी जानकारी के साथ एक अलग ब्रोशर तैयार किया जाना चाहिए।

चूंकि दुर्गापुर क्षेत्र में तेंदुए अधिक संख्या में हैं, इसलिए दुर्गापुर वन अकादमी से सिनाला गांव तक उन्नत सौर बाड़ लगाने का प्रस्ताव शिविर को भेजा गया है। यद्यपि धनराशि स्वीकृत हो चुकी है, फिर भी धनराशि अभी तक प्राप्त नहीं हुई है। इसका अनुसरण किया जाना चाहिए। विधायक मुनगंटीवार ने यह भी कहा कि ईसाई समुदाय को कब्रिस्तान के लिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक कार्यालय से वन्यजीव मंजूरी लेनी होगी।

पिपरी दीक्षित स्थित कब्रिस्तान स्थल राजस्व विभाग के अधिकार क्षेत्र में है और उसके बगल में वन विभाग की भूमि है; हालाँकि, वन विभाग ने गलत गणना की है और गलत नक्शा तैयार किया है। मूल तहसीलदारों को इस पर विशेष ध्यान देना चाहिए तथा इसका अनुपालन करना चाहिए। वन विभाग और लोक निर्माण विभाग आपसी समन्वय से मूल बाईपास के मुद्दे को एक माह के भीतर सुलझाएं।

तेंदू पत्ता सीजन के दौरान 50 से 60 हजार लोग जंगल जाते हैं, लेकिन वे वन विभाग के नियमों का पालन नहीं करते हैं और विशिष्ट समूहों में नहीं रहते हैं, जिससे वन विभाग के लिए जंगल पर नियंत्रण रखना मुश्किल हो जाता है। परिणामस्वरूप, बाघों के हमले बढ़ रहे हैं और जनहानि हो रही है। यह जानकारी मुख्य वन संरक्षक डॉ. जितेन्द्र रामगांवकर ने दी।

राजमाता अहिल्याबाई होलकर का समाज की उन्नति के लिए किया गया कार्य जन-नेतृत्व है : जोरगेवार

> भाजपा कार्यालय में राजमाता अहिल्याबाई होलकर जयंती समारोह का आयोजन

चंद्रपुर.

राजमाता अहिल्याबाई होलकर ने अपने कार्यकाल के दौरान हमेशा समाज के सभी वर्गों को समान न्याय और अवसर प्रदान करने का प्रयास किया। इसीलिए अहिल्यादेवी का नाम आज भी आदरपूर्वक लिया जाता है। वे जो शिक्षाएं देते हैं, वे हमें समाज की भलाई के लिए काम करने के लिए प्रेरित करती हैं। उन्होंने हर संकट का साहस के साथ सामना किया और निर्णय लेते समय हमेशा जनहित को ध्यान में रखा। विधायक किशोर जोरगेवार ने कहा कि राजमाता अहिल्याबाई होल्कर द्वारा समाज की उन्नति के लिए किया गया कार्य जन नेतृत्व था।

राजमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती के अवसर पर विधायक किशोर जोरगेवार के जनसंपर्क कार्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। वह इस समय बोल रहे थे। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त जिला महानगर अध्यक्ष सुभाष कासनगोट्टुवार , पूर्व शहर अध्यक्ष दशरथ सिंह ठाकुर , बलराम शाहा , विकास खाती , संजय तिवारी , विश्वजीत शाहा , संजय सिंह , वंदना हटगांवकर , सलीम शेख , सरोज चांदेकर , शालू कंडोजवार , विनोद अनंतवार , संजय महाकालीवार , बब्बलु मेश्राम , मंगेश अहिरकर , दत्तू गवली , बब्बलु उपस्थित थे। आगे बोलते हुए जोरगेवार ने कहा कि अहिल्या देवी का जीवन और कार्य , उनकी कार्यशैली और समाज के लिए उनके द्वारा स्थापित आदर्श आज की पीढ़ी के लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। उन्होंने न्याय , धर्म और आम आदमी के कल्याण को अपने राज्य में सर्वोच्च सिद्धांत माना। राजमाता अहिल्याबाई होल्कर का जीवन धर्म, न्याय और लोक कल्याण के तीन सिद्धांतों पर आधारित था। उन्होंने अपना राज्य स्थापित करते समय हर वर्ग को न्याय दिलाया , धर्म के सम्मान के लिए काम किया और लोगों के कल्याण के लिए दिन-रात काम किया। उनके तीन सिद्धांत आज भी समाज की भलाई के लिए आवश्यक हैं। इस वर्ष महाराष्ट्र सरकार ने अहिल्याबाई होलकर जयंती को बड़े पैमाने पर मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने उस समय कहा था कि यह निर्णय स्वागत योग्य है। इस कार्यक्रम में विधायक किशोर जोरगेवार एवं भारतीय जनता पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने राजमाता अहिल्यादेवी होलकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग की परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र क्षेत्र में निषेधाज्ञा जारी

गढ़चिरोली.

30वां: महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग द्वारा रविवार, 1 जून 2025 को आयोजित की जाने वाली महाराष्ट्र समूह-सी सेवा संयुक्त प्रारंभिक परीक्षा की पृष्ठभूमि में, जिला मजिस्ट्रेट अविश्यंत पंडा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत गढ़चिरोली शहर के आठ परीक्षा केंद्रों के आसपास 200 मीटर की दूरी के भीतर निषेधाज्ञा लागू की गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि परीक्षा सुचारू, शांतिपूर्ण और पारदर्शी वातावरण में आयोजित की जाए।

इन आदेशों के अनुसार, परीक्षा अवधि के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया है.

परीक्षा केंद्र के 200 मीटर के भीतर ज़ेरॉक्स मशीन, फैक्स और एसटीडी बूथ संचालित नहीं किए जा सकते हैं। मोबाइल फोन, लैपटॉप, पेजर, टेप रिकॉर्डर, कैमरे जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। नारे लगाना, भाषण देना, नारे लगाना, गाना गाना, संगीत वाद्ययंत्र बजाना प्रतिबंधित है। पांच से अधिक व्यक्तियों को एक साथ इकट्ठा होने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

कोई भी हथियार, लाठी, तलवार, भाला, बंदूक, चाकू, लाठी, लाठियां या कोई अन्य वस्तु जिससे शारीरिक नुकसान हो सकता है, ले जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। कोई भी ज्वलनशील या विस्फोटक सामग्री परिसर में लाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परीक्षा केंद्र के 200 मीटर के भीतर चूने की एक स्पष्ट रेखा खींची जाएगी।

यह आदेश कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों पर लागू नहीं होगा। गढ़चिरौली के पुलिस अधीक्षक को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि परीक्षा के दौरान कानून और व्यवस्था का उल्लंघन न हो और आवश्यक पुलिस व्यवस्था की जाए। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंड संहिता के तहत कार्रवाई की जाएगी। यह आदेश केवल परीक्षा के दिन यानी 1 जून 2025 को लागू होगा, ऐसा जिला मजिस्ट्रेट अविश्यंत पंडा ने स्पष्ट किया।

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर के आदर्शों के माध्यम से समाज सेवा करने का संकल्प लें : मुनगंटीवार

> मूल में सिन्दूर तिरंगा यात्रा एवं महिला मेला का आयोजन

चंद्रपुर.

पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर ने समाज के समक्ष नारी शक्ति की एक शाश्वत एवं गौरवशाली विरासत छोड़ी है। शासन करते समय उन्होंने एक आदर्श समाज का निर्माण किया है। यदि नारी शक्ति उनके पदचिन्हों पर चलकर आगे आए तो पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी द्वारा परिकल्पित समाज साकार हो सकेगा। इसलिए उनके जीवन कार्यों से प्रेरणा लेकर समाज सेवा का संकल्प लें, ऐसा आवाहन विधायक तथा राज्य के पूर्व वन, सांस्कृतिक मामले एवं मत्स्य पालन मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने किया.

पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की त्रिशताब्दी जयंती के अवसर पर चंद्रपुर जिला भारतीय जनता पार्टी महिला आघाड़ी द्वारा मुल में एक महिला सभा का आयोजन किया गया। वह इस समय बोल रहे थे। कार्यक्रम में नारी शक्ति ने 'सिंदूर तिरंगा यात्रा' के माध्यम से देशभक्ति का उल्लास मनाया। भाजपा युवा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में पूरा क्षेत्र "भारत माता की जय" के नारों से गूंज उठा।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष हरीश शर्मा, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष संध्या गुरनुले, महिला मोर्चा प्रदेश महासचिव अलका आत्राम, महिला मोर्चा अध्यक्ष वंदना शेंडे, महानगर जिला अध्यक्ष राहुल पावड़े, रत्नमाला भोयर, मंगेश गुलवाड़े, उषा शेंडे, चंदू मारगांववार, किरण बुटले, नीलम सुरमवार, डॉ. किरण कपगते, शर्मा मैडम, नम्रता थीमस्कर, वीरमाता तारा अत्राम, जनाबाई दास आदि उपस्थित थे।

विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी की स्मृति को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए महिलाओं से उनके कार्यों से प्रेरणा लेने तथा आत्मनिर्भरता, आत्मसम्मान और सामाजिक परिवर्तन को अपनाने की अपील की। उन्होंने बहादुर माताओं को सम्मानित किया और उनके बलिदान को नमन करते हुए राष्ट्र की सेवा करने की शपथ ली। राजमाता अहिल्यादेवी होल्कर को 300 साल बाद भी याद करने का एक ही कारण है। उन्होंने क्षेत्र जीतने के लिए नहीं, बल्कि लोगों के दिलों में जगह बनाने के लिए शासन किया। उन्होंने गरीबों के लिए न्याय और लोगों के लिए पानी और भोजन सुनिश्चित करने के लिए शासन किया। उन्होंने समुदाय के लिए कुएँ बनवाए और भोजन आश्रय स्थल शुरू किए। काशी विश्वनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार में योगदान दिया। उन्होंने यह भी अपील की कि हमें पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी का उदाहरण लेकर समाज की सेवा करने का संकल्प लेना चाहिए, जिन्होंने अपना जीवन समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया।

विधायक मुनगंटीवार ने आगे कहा कि, "देश की रक्षा करते हुए अपने बेटे को खोने वाली मां की भावना शब्दों से परे है।" उनके परिवार के सदस्य उनकी सुरक्षा के लिए महीनों सीमा पर तैनात रहते हैं। मैं इन माताओं के बलिदान को सलाम करता हूं। उन्होंने यह भी अपील की कि यदि हम वास्तव में पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी को श्रद्धांजलि देना चाहते हैं, तो उनके बताए मार्ग पर चलते हुए, एकजुट होकर समाज और देश की सेवा करना तथा समाज की प्रगति करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

ठेका कंपनी से निकाले गए मजदूरों को काम पर लिया जाए, वर्ना विरोध प्रदर्शन

> कामगार सेना के जिला अध्यक्ष अंधेवार की पत्रकार वार्ता में कड़ी चेतावनी

चंद्रपुर, सुनील तायडे

डालमिया सीमेंट भारत लिमिटेड कंपनी के अंतर्गत चीयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में मनसे कामगार सेना संगठन की स्थापना होने के बाद कंपनी के एचआर अरविंद बरवा ने मनसे कामगार सेना के तीन कार्यकर्ताओं को अवैध रूप से बर्खास्त कर दिया. कंपनी प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाए और मजदूरों को न्याय दिया जाए, अन्यथा महाराष्ट्र नवनिर्माण कामगार सेना कंपनी के आसपास के गांवों के नागरिकों को साथ लेकर सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन करेगी, ऐसी कड़ी चेतावनी मनसे कामगार सेना के जिला अध्यक्ष अमन अंधेवार ने पत्रकार वार्ता में दी है. जिले में सीमेंट उद्योग में मजदूरों का बड़े पैमाने पर आर्थिक शोषण हो रहा है और स्थानीय राजनीतिक नेताओं का भ्रष्ट रवैया कंपनी प्रबंधन को काफी ताकत दे रहा है, लेकिन इसमें मजदूरों को उनके संवैधानिक अधिकार नहीं मिल रहे हैं. महाराष्ट्र नवनिर्माण कामगार सेना की ओर से हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहे हैं कि अन्याय का शिकार हुए मजदूरों को श्रम कानून के अनुसार उनका वेतन और अन्य सुविधाएं मिलें. इस बीच गड़चांदूर क्षेत्र में ठेकेदार कंपनी चीआर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड डालमिया सीमेंट भारत लिमिटेड कंपनी में काम करने वाले मजदूरों को न्यूनतम मजदूरी नहीं मिलने से कंपनी की एक इकाई के करीब 30 मजदूरों ने मनसे कामगार सेना की सदस्यता ग्रहण कर न्याय की गुहार लगाई है। हालांकि, इससे पहले ही कंपनी प्रबंधन ने बिना कोई पूर्व सूचना दिए प्रमुख मजदूरों में से तीन सौरभ बबन काकड़े, अनिकेत मारोती घुगुल, राजकुमार विठोबा कोरंगे को गुरुवार 29 मई 2025 से नौकरी से निकाल दिया। ठेकेदार कंपनी की इस हठधर्मिता के कारण उन तीन मजदूरों के परिवारों के सामने बेरोजगारी और भुखमरी का संकट खड़ा हो गया है। इस मामले में अगर डालमिया सीमेंट भारत लिमिटेड प्रबंधन ने तत्काल तीनों मजदूरों को नौकरी बहाल नहीं किया तो आसपास के गांव के नागरिक एकजुट होकर कंपनी के खिलाफ बड़ा जनआंदोलन करेंगे और इसकी पूरी जिम्मेदारी श्रम आयुक्त और कंपनी की होगी, ऐसी चेतावनी मनसे कामगार सेना के जिला अध्यक्ष अमन अंधेवार ने पत्रकार परिषद में दी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में अजीत पांडे, यातायात सेना के जिला अध्यक्ष महेश वासलवार, लोक कल्याण विभाग के जिला अध्यक्ष सुनील गुडहे, डालमिया सीमेंट कंपनी के पीड़ित कर्मचारी और अन्य मनसे पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

CMYK

महेश बाबू के लिए फैन का पागलपन

बहुत सारे एक्टर्स के लिए फैन्स का क्रेजी मोमेंट होता है, लेकिन कभी-कभी ये सारी हदें पार कर देता है. ऐसा ही एक वाकया हाल ही में साउथ सुपरस्टार महेश बाबू के फैन ने भी किया है. महेश बाबू फिल्मी दुनिया के बड़े सितारे हैं और उनकी फैन फॉलोइंग भी काफी ज्यादा है. हाल ही में उनकी 15 साल पुरानी फिल्म 'खलेजा' थिएटर में दोबारा से दिखाई गई. इस दौरान उनके एक फैन ने खुशी-खुशी में ऐसी हरकत कर दी जिससे सभी डर गए.30 मई को 'खलेजा' को री-रिलीज किया गया, ये फिल्म 2010 में आई थी. महेश बाबू के फैंस इस फिल्म की री-रिलिज से काफी ज्यादा खुश थे, इसी एक्साइटमेंट में उनका एक फैन फिल्म का एक सीन थिएटर में रिक्रिएट करने लगा. दरअसल, फिल्म में एक सीन में एक्टर सांप के साथ नजर आए थे, जिसको देखते हुए उनका फैन भी थिएटर में सांप लेकर आ गया. हालांकि, शुरुआत में उसके आस-पास के लोगों को लगा कि वो नकली सांप लाया है.बाद में पता चला कि एक्टर के फैन ने असली सांप लाया है, जिसके बाद से थिएटर में डर का माहौल बन गया. सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है. लोगों को असल के सांप के बारे में तब पता चला जब वो सांप हिलने-डुलने लगा था. फिल्म के सीन में महेश बाबू मुंह पर कपड़ा बांधकर हाथ में सांप लेकर आते नजर आते हैं, जिसको उनके फैन ने पर्दे के सामने जाकर रिक्रिएट किया.फिल्म की बात करें, तो 15 साल बाद भी फिल्म का क्रेज बिल्कुल कम नहीं हुआ है. वायरल वीडियो में एक्टर की एंट्री पर लोगों के चिल्लाने की आवाज सुनी जा सकती है. हालांकि, सीन को रिक्रिएट करना हद पार कर गया. फिल्म में एक्टर ने भी असली सांप नहीं पकड़ा था. लेकिन, लोग स्टार्स के पीछे इस कदर अंधे हो जाते हैं कि उन्हें अपनी सेफ्टी की भी चिंता नहीं होती है और अपने प्यार को अलग लेवल पर ले जाने लगते हैं.

ऑस्कर ने शेयर किया आमिर की फिल्म का गाना

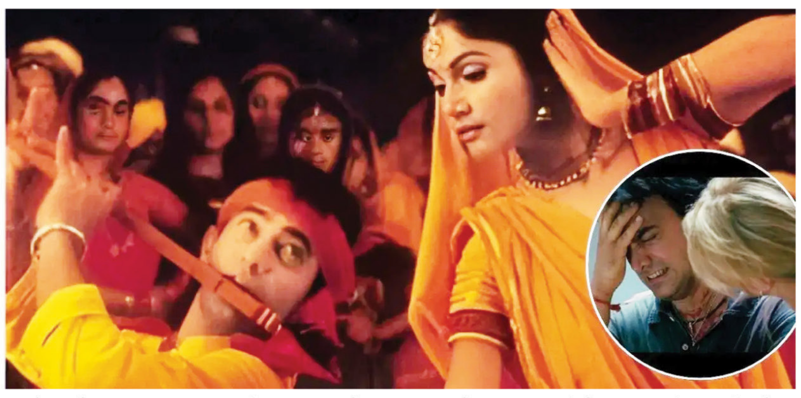

आमिर खान के बॉलीवुड में कई सारी फिल्में की हैं, जिनमें से कुछ ऐसी फिल्में भी हैं जो कि लोगों के दिलों पर राज करती है हालांकि, जल्द ही एक्टर एक और बेमिसाल फिल्म के साथ नजर आने वाले हैं. आमिर खान सितारे जमीन पर में नजर आएंगे, जो जून में रिलीज होगी. हालांकि, एक्टर की पुरानी फिल्मों की बात की जाए, तो हाल ही में उनकी 24 साल पुरानी फिल्म का गाना एक बार फिर से चर्चा में आ गया है. इसी बीच एक्टर ने भी अपनी फिल्म 'रंग दे बसंती' से जुड़ा एक किस्सा शेयर किया है.बॉ-लीवुड के मिस्टर पर-फेक्शनिस्ट के तौर पर पहचान बनाने वाले आमिर खान काफी कम फिल्मों में नजर आते हैं. लेकिन, वो जिस भी फिल्म को करते हैं उसमें खूब तारीफें बटोर ते हैं. उनकी कमाल की फिल्मों में साल 2001 में रिलीज हुई उनकी फिल्म 'लगान' भी है. हाल ही में ऑस्कर के ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर इस फिल्म का गाना राधा कैसे न जले का एक क्लिप शेयर किया गया है. जिसको देखकर लोग फिल्म को याद करने लगे हैं.आशुतोष गोवारिकर की डायरेक्शन में बनी फिल्म के इस गाने को बेस्ट फॉरेन लैंग्वेज फिल्म के लिए ऑस्कर में नॉमिनेट किया गया था.आमिर खान के साथ इस फिल्म में बतौर लीड एक्ट्रेस ग्रेसी सिंह थीं. हाल ही में आमिर खान ने राज शमानी के साथ हुई बातचीत में अपनी फिल्म का जिक्र किया है. उन्होंने फिल्म 'रंग दे बसंती' के बारे में बात करते हुए बताया कि फिल्म में एक इमोशनल सीन था, जिसके लिए लोगों से उन्हें काफी तारीफें मिली.आमिर ने बताया कि फिल्म में एक सीन था, जिसमें काफी टेंशन का माहौल था और उन्हें अलग मूड से आते हुए खाना खाते-खाते रोना था. उन्होंने बताया कि ये पूरा सीन एक साथ शूट होना था, जो कि काफी मुश्किल था. उन्होंने सीन के लिए काफी मेहनत की, लेकिन जब वो सेट पर गए तो उन्हें पता चला कि वो सीन किसी और दिन शूट किया जाएगा.

टीवी की दादियां निकलीं ग्लैमर क्वीन

अनीता राजः ये दिग्गज एक्ट्रेस किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. 62 साल की एक्ट्रेस फिल्मों के साथ ही टीवी पर भी खूब जलवा बिखेर रही हैं. इस वक्त स्टार प्लस के शो 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में नजर आ रही हैं. अभी कावेरी पोद्दार का किरदार निभा रही हैं, जो अभिरा-अरमान की दादी हैं. साथ ही टीवी में उनके पोते-पोती भी हो चुके हैं. पर यह परदादी बेहद फिट हैं. अपनी फिटनेस से यंग एक्टर्स को टक्कर देती हैं.कृतिका देसाईः 57 साल की एक्ट्रेस भी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. कुछ वक्त पहले स्टार प्लस के 'शो पंड्या स्टोर' में चार बच्चों की मां बनी थीं. शो में सुमन पंड्या का रोल काफी सीरियस और फनी दिखाया गया था. हालांकि, यह दादी भी रियल लाइफ में कम ग्लैमरस नहीं हैं. फिटनेस से हर किसी को टक्कर देती हैं.रुपाली गांगुलीः इस वक्त यह दादी सबसे ज्यादा चर्चा में है. यूं तो बच्चे अनुपमा को अनु मां कहकर बुलाते हैं. पर अब इंतजार है उनकी परदादी बनने का. खैर, 48 साल की यह एक्ट्रेस रियल लाइफ में अनुपमा से काफी अलग है. फैशन के मामले में रुपाली गांगुली काफी आगे रहती हैं. यहां तक कि ग्लैमर का तड़का भी लगाती हैं.लता सभरवालः शाहिद कपूर की फिल्म 'विवाह' देखी है, तो उनकी भाभी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस भी याद होगी. यह कोई और नहीं, बल्कि लता सभरवाल ही थीं. जो लंबे वक्त से टीवी से दूर हैं. लेकिन 'यह रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा की मां का किरदार निभा चुकी हैं. 49 साल की एक्ट्रेस अक्षरा की मां बनकर घर-घर फेमस हुई थी. हालांकि, उसी शो में दादी-नानी का रोल भी किया. रियल लाइफ में एक्ट्रेस काफी ग्लैमरस हैं.. काम्या पंजाबीः 42 साल की एक्ट्रेस इस लिस्ट में सबसे ज्यादा ग्लैमरस हैं. जो लगातार टीवी में काम करती दिखाई दे रही हैं. वो कई शोज में दादी का रोल कर चुकी हैं. हालांकि असल जिंदगी में उनके अंदाज को काफी पसंद किया जाता है. वो बेबाकी से अपनी राय भी रखती हैं. काम्या पंजाबी को 'शक्ति अस्तित्व के एहसास की' से खास पहचान मिली थी.स्मिता बंसलः 47 साल की एक्ट्रेस जी टीवी के शो 'भाग्य लक्ष्मी' में ऋषि की मॉम का रोल कर रही थीं. हालांकि, अब शो से उनका एग्जिट हो चुका है. एक्ट्रेस भी इसी शो में दादी के रोल में दिखी हैं. एक्टिंग के साथ ही अपने लुक्स से भी फैन्स का दिल जीतती रहती हैं. स्मिता बंसल को 'बालिका वधु' में आनंदी की सास का किरदार निभाकर घर-घर पहचाना गया.नियति जोशीः टीवी एक्ट्रेस नियति जोशी 'यह रिश्ता क्या कहलाता है' में तीन साल से स्वर्णा गोयनका का किरदार निभा रही हैं. नानी सास के रोल में दिख रहीं एक्ट्रेस बच्चों के भी बच्चों का ध्यान रखती हैं. हालांकि, उनका सोशल मीडिया अकाउंट देखने के बाद आपको अपनी आंखों पर यकीन नहीं होगा. इतना ग्लैमर देखकर हर किसी के होश उड़ जाते हैं.

'महाभारत' हो सकती है आमिर की आखिरी फिल्म

आमिर खान लंबे वक्त के बाद वापसी करने वाले हैं. फ्लॉप रही 'लाल सिंह चड्ढा' के बाद अब फैन्स उन्हें देखने के लिए काफी एक्साइटेड हैं. जल्द उनकी सितारे जमीन पर आने वाली है. जिसका कुछ वक्त पहले ट्रेलर आया था, जिसे फैन्स ने भर-भरकर प्यार दिया. यूं तो उनकी कई अगली फिल्मों पर काम चल रहा है. वहीं एक ड्रीम प्रोजेक्ट भी है- 'महाभारत' जिसे लेकर उन्होंने अपडेट दिया. साथ ही आखिरी फिल्म को लेकर क्या बोल दिया? जानिए.हाल ही में आमिर खान ने राज शमानी को दिए इंटरव्यू में कई मुद्दों पर बातचीत की. जहां अपनी लव लाइफ, फिल्मों और आखिरी फिल्म के सवाल पर हैरान करने वाली बात बता दी. क्या महाभारत उनकी आखिरी फिल्म होगी? खुद पूरी सच्चाई बता दी है.हाल ही में आमिर खान ने उनकी आखिरी फिल्म को लेकर सवाल किया गया था. इस दौरान उन्होंने कहा कि- मेरा ड्रीम है कि मैं महाभारत बनाऊं. इसकी रिलीज (सितारे जमीन पर) के बाद में इसपर काम शुरू करूंगा. 20 जून के बाद उस पर काम शुरू करूंगा. मुझे लगता है वो एक काम है, वो एक प्रोजेक्ट है, जिसे करने के बाद शायद मेरे अंदर यह फीलिंग आए कि इसके बाद में कुछ नहीं कर सकता हूं. क्योंकि वो मटेरियल ऐसा है. वो आगे कहते हैं- सितारे जमीन पर के अलावा वो सनी देओल की फिल्म पर काम कर रहे हैं. 'लाहौर 1947' में उनका कैमियो होने की खबर है. वहीं महाभारत पर काम कर रहे हैं. बीते दिनों खबर आई थी कि उनकी फिल्म में अल्लू अर्जुन होंगे. हालांकि, यह अफवाह तब उड़ी, जब दोनों की साथ में तस्वीर आई.

'छावा' के डायरेक्टर का अनुराग कश्यप पर तंज

बॉलीवुड के लिए कई फिल्में बनाने वाले डायरेक्टर अनुराग कश्यप अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए जाने जाते हैं. उन्होंने कुछ दिनों पहले कहा था कि बॉलीवुड में क्रिएटिविटी नहीं है और वह इसे छोड़ना चाहते हैं. इस पर डायरेक्टर लक्ष्मण उतेकरका रिएक्शन आया है. उनका कहना है कि अनुराग कश्यप की सेंसबिलिटी नहीं है कि वह दर्शकों का टेस्ट स्वीकार कर सकें. जब तक आप मेंटली और क्रिएटिवली खुश नहीं रहोगे, आप अच्छी फिल्म नहीं बना सकते. अगर आपको जाना है तो वे जा सकते हैं, उन्हें कोई नहीं रोक रहा है.लक्ष्मण उतेकर ने 'मामाज काउच' के साथ इंटरव्यू के दौरान अनुराग कश्यप के बॉलीवुड छोड़ने के बयान पर बात की. उन्होंने कहा, 'चले जाओ छोड़कर, बेशक चले जाओ, कोई जबरदस्ती नहीं कर रहा है. ये इंडस्ट्री ऐसी है कि कि आपको मेंटली और क्रिएटिवली खुश रहना होगा तभी हम एक अच्छी फिल्म बना सकते हैं. अगर आपका यहां रहने का मन नहीं है तो आप बेहतरीन फिल्म कैसे बनाएंगे? इससे अच्छा है कि आप चले जाओ. वो गलत बोल रहे हैं कि दर्शकों को समझ नहीं हैं उनकी फिल्म स्वीकार करने की. बल्कि उन्हें समझ नहीं है दर्शकों की समझ स्वीकार करने की.लक्ष्मण उतेकर ने आगे कहा, 'आज फिल्में 700-800 करोड़ रुपये तक का बिजनेस कर रही हैं. आप कैसे कह सकते हैं कि सिनेमा मर रहा है? आप कलेक्शन तो देखो बाहुबली का, आरआरआर का, पुष्पा का 1200 करोड़ रुपये तक का कलेक्शन था. या फिर छावा का भी. आपको समझ बदलनी चाहिए क्योंकि आप वहीं पर अटके हैं. आज दर्शकों के पास अपने फोन में दुनिया भर का सिनेमा है. वो आपसे ज्यादा अपडेटेड हैं. उन्हें पता है कि क्या देखा है और क्या नही. हर तीन साल बाद सिनेमा बदल रहा है. सिनेमेटोग्राफी बदल रही है, एडिटिंग बदल रही है, स्टोरीटेलिंग, कॉस्ट्यूम सब कुछ बदल रहा है. एक

ग्लैमरस लुक में कहर ढा रहीं हैं आलिया भट्ट

कांस फिल्म फेस्टिवल में अपना ग्लैमरस जादू बिखेरने के बाद, अब बॉलीवुड की स्टाइलिश क्वीन आलिया भट्ट स्पेन में अपनी बेस्ट फ्रेंड तान्या साहा गुप्ता की शादी में धमाल मचा रही हैं. इस डेस्टिनेशन वेडिंग की तस्वीरें और वीडियोज इंटरनेट पर छाए हुए हैं, और आलिया का लुक सबका दिल चुरा रहा है.आलिया भट्ट ने अपनी फ्रेंड की शादी के एक फंक्शन में सुपर स्टाइलिश स्ट्रैपलेस ब्लैक गाउन वियर किया हुआ है, जिसमें वो किसी फैशन क्वीन से कम नहीं दिख रही हैं. उनके इस एलिगेंट अवतार में परफेक्ट बैलेंस है, मिनिमल मेकअप, ब्लैक ईयररिंग्स, और एक क्लासी हाई बन हेयर स्टाइल.वहीं हाथों में सफेद फूल और छाता लिए, जब वह ब्राइड्समेड्स के साथ नजर आईं, तो मानों हर किसी की निगाह बस उन्ही पर ठहर गई हो, वो किसी अप्सरा से कम नहीं दिख रहीं हैं, ये फैशन डीवा किसी में फंक्शन में लाइमलाइट लूट ही लेती हैं.इंस्टाग्राम पर वायरल एक वीडियो में आलिया अपनी फ्रेंड्स के साथ दुल्हन को देखकर खुशी से उछलती और हंसती नजर आ रही हैं. आलिया का यह अंदाज उनके फैंस को खूब भा आ रहा है.इस शादी की भारतीय रस्मों में भी आलिया का अंदाज कुछ कम नहीं दिखा था. एक फंक्शन में उन्होंने व्हाइट ब्रालेट, लॉन्ग ब्लेजर और क्रीम स्कर्ट पहनी थी, जबकि प्री-वेडिंग लुक में वह फ्यूजन लहंगे में नजर आईं थीं, अब इस ब्लैक ड्रेस में तो आलिया ने दिल ही चुरा लिया है.

मिस वर्ल्ड न सही लेकिन दीपिका-ऐश्वर्या से कम नहीं नंदिनी

हैदराबाद के हाईटेक एक्जीबिशन सेंटर में 31 मई की रात मिस वर्ल्ड ग्रैंड फिनाले का आयोजन हुआ था. इवेंट में चार महाद्वीप से 5-5 कंटेस्टेंट का चुनाव करके टॉप 20 कंटेस्टेंट की लिस्ट तैयार की गई थी. हालांकि, जब चारों महाद्वीप से टॉप 2 कंटेस्टेंट चुने गए तो नंदिनी लिस्ट से बाहर हो गई थीं.जब नंदिनी प्रतियोगिता से बाहर हुईं तो तमाम देशवासियों का सपना टूट गया. नंदिनी का ताल्लुक राजस्थान के कोटा से है. उन्होंने वहीं से अपनी स्कूलिंग पूरी की है और अभी बिजनेस मैनेजमेंट में ग्रेजुएशन कर रही हैं.नंदिनी उस समय दुनिया की नजरों में आई थीं जब साल 2023 में उन्होंने मिस इंडिया का ताज जीता था. वो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर ही अपनी नई-नई तस्वीरें शेयर करती रहती हैं. उनकी फोटो देखकर कमेंट सेक्शन में लोग उनकी तुलना ऐश्वर्या राय और दीपिका पादुकोण जैसी एक्ट्रेसेस से करते हैं.नंदिनी मिस वर्ल्ड भले ही नहीं बन पाईं, लेकिन वो खूबसूरती के मामले में भारत की दूसरी मिस वर्ल्ड ऐश्वर्या राय से कम नहीं हैं. वो खूबसूरती के मामले में ऐश्वर्या, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट जैसी एक्ट्रेसेस को टक्कर देती हैं.नंदिनी गुप्ता ने मिस इंडिया के अलावा साल 2023 में ही मिस राजस्थान का खिताब भी जीता था. उसके बाद वो मिस इंडिया कॉन्टेस्ट का हिस्सा बनी थीं. नंदिनी एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा को अपना मॉडलिंग आइडल मानती हैं. उन्होंने खुद एक दफा बताया था कि जब वो 10 साल की थीं तब से ही प्रियंका की तरह मिस इंडिया बनना चाहती थीं.नंदिनी को डांसिंग और ट्रैवेलिंग का काफी शौक है. उनके बारे में कहा जाता है कि जब कभी भी उन्हें खाली समय मिलता है तो वो ये दोनों काम करना पसंद करती हैं.

हेरा फेरी 3' में परेश रावल की नाराजगी का खुलासा

हेरा फेरी 3 में परेश रावल ने बाबू भैया का किरदार निभाने से इनकार करने के साथ ही साथ को-स्टार अक्षय कुमार के साथ लीगल लड़ाई में भी फंस गए. एक्टर के इस फैसले से फ्रेंचाइजी के फैंस काफी निराश भी हुए हैं. हेरा फेरी 3 की फ्लोर पर आने की खबर से सभी लोग काफी एक्साइटेड थे, यहां तक कि एक दिन की शूटिंग भी हो गई थी. लेकिन, फिर परेश रावल ने फिल्म का हिस्सा होने से इनकार कर दिया. हालांकि, फिल्म के दूसरे पार्ट को लेकर एक्टर ने पहले ही अपनी निराशा जताई थी.अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी की तिकड़ी को लोगों ने हेरा फेरी में काफी पसंद किया था. ये तीन ऐसे कैरेक्टर अभी भी लोगों को काफी पसंद आते हैं. लेकिन, जब से एक्टर ने ये कैरेक्टर निभाने से इनकार कर दिया है, तभी से कुछ लोगों का कहना है कि फिल्म ही नहीं बननी चाहिए. इन सबके बीच परेश रावल का एक पुराना इंटरव्यू सर्कुलेट हो रहा है. जिसको देखकर ये कहा जा सकता था कि वो इस फ्रेंचाइजी की फिल्म को छोड़ने का मन धीरे-धीरे बना रहे थे.इसी साल के शुरुआती महीने में परेश रावल ने सिद्धार्थ कनन के साथ हेरा फेरी के बारे में खुलकर बात की थी.
फिर हेरा फेरी को लेकर एक्टर ने कहा, "हर कोई फिल्म को लेकर बहुत कॉन्फिडेंट था, इस फिल्म ने अपनी मासूमियत खो दी. माफ करें, लेकिन वह फिल्म बराबर नहीं बनी थी. मैंने फिल्ममेकर नीरज वोहरा से कहा था, फिल्म में ज्यादा कुछ भरने की जरूरत नहीं है. मैंने उनसे कहा कि पहली फिल्म में जो सादगी थी, उसे बनाए रखें. अगर आप फिल्म को जरूरत से ज़्यादा भर देंगे तो यह गड़बड़ हो जाएगी. लोग किसी भी बात पर हंसेंगे, अगर कोई नंगा दौड़ रहा है तो वे हंसेंगे, लेकिन हमें नंगा नहीं दौड़ना है.आगे एक्टर ने अपने फेमस किरदार 'बाबूराव' के बारे में बात करते हुए कहा कि एक ही रोल को दूसरी बैकड्रॉप में रखेंगे तो जोक बेकार होगा. उन्होंने आगे कहा, 'सिर्फ पैसा कमाने के लिए सीक्वल बनाना मजेदार नहीं है. हालांकि, तीसरी किस्त की बात करें, तो परेश रावल ने जब इस फिल्म से बाहर होने की कंफर्मेशन दी थी, तो फिल्म को हुए नुकसान के लिए उनके को-एक्टर अक्षय कुमार ने उनपर हर्जाने की मांग करते हुए लीगल नोटिस भी भेजा था.

शाहरुख से सीधी टक्कर में उतरेंगे अजय

बात इस साल की हो, या फिर साल 2026 की... कई बड़े क्लैश देखने को मिलने वाले हैं. लेकिन देखना दिलचस्प यह होगा कि कौन सा स्टार किसे तगड़ी टक्कर देता है और कौन बाजी जीतता है. खैर, इस वक्त शाह रुख खान का पूरा फोकस अपनी अपकमिंग फिल्म किंग की तरफ है. वहीं दूसरी ओर अजय देवगन भी अपनी आने वाली फिल्मों को लेकर बिजी हैं. उनकी दो फिल्में इस साल आ चुकी हैं. जहां एक हिट, तो दूसरी फ्लॉप रही. इसी बीच अजय की दृश्यम 3 को रिलीज डेट मिल गई. 2 अक्टूबर 2026 में फिल्म आएगी, पर फिर शाहरुख के लिए खतरा क्यों?अजय देवगन की दृश्यम के दोनों पार्ट्स को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था. तीसरे पार्ट को लेकर भी फैन्स काफी एक्साइटेड हैं, जिसका हाल ही में ऐलान किया गया. पर अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि क्या शाहरुख खान की किंग के लिए यह क्लैश खतरा न बन जाए. क्या सच में दोनों फिल्मों की थिएटर में टक्कर होगी? क्या है पूरा मामला 2 अक्टूबर को छुट्टी के चलते मेकर्स पूरा-पूरा फायदा उठाना चाहते हैं. ऐसे में अगर इस दिन दो बड़ी फिल्में रिलीज होती हैं, तो फिर बॉक्स ऑफिस पर खूब पैसे पीटे जाएंगे. हर तरफ तगड़े फायदे की उम्मीद है. पर 2 अक्टूबर का दिन दृश्यम फैन्स के लिए अहम है. जहां पहले पार्ट से जुड़े एक सवाल के चलते यह दिन और भी चर्चा में रहता है. "क्या किया था 2 अक्टूबर को?" तो वहीं, पार्ट 2 में बताया जाता है कि इस दिन आखिर क्या किया था.विजय सालगावकर के लिए 2 अक्टूबर का दिन बड़ा साबित हो सकता है. तो मेकर्स ने एकदम सही दिन फिल्म रिलीज करने के लिए चुना है. बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के मुताबिक, पैनोरमा स्टूडियोज ने बताया कि वो 'दृश्यम 3' की शूटिंग शुरू जल्द की शुरू कर सकते हैं.

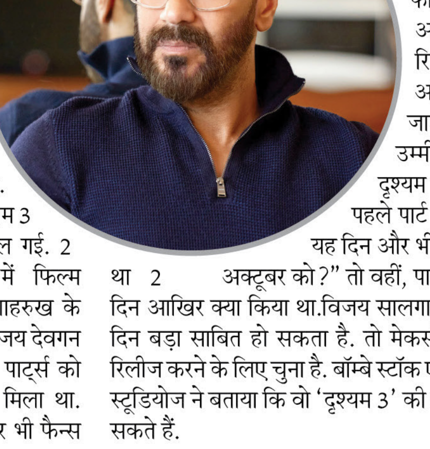

अफगानिस्तान के फर्स्ट क्लास मैच में बल्लेबाजों का तूफान

एक पारी में 811 रन ठोक डाले!

नई दिल्ली. आईपीएल 2025 सीजन बस खत्म हो ही गया है और अब देखना यही बाकी है कि चैंपियन कौन बनता है. इसके बीच ही लंबे फॉर्मेट के क्रिकेट का सीजन भी शुरू हो गया है और कई देशों में फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट हो रहे हैं. ऐसे ही एक टूर्नामेंट में बल्लेबाजों ने ऐसा कहर बरपाया कि गेंदबाजों की न सिर्फ धज्जियां उड़ गईं, बल्कि थक कर चूर भी हो गए. इस टूर्नामेंट में एक ही पारी में टीम ने 811 रन बना दिए और उसमें भी पारी घोषित करने के बाद ही ब्रेक लगा. ये सब हुआ अफगानिस्तान के घरेलू फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट में, जहां टीम के 4 बल्लेबाजों ने लाजवाब शतक जमा दिए.

टूर्नामेंट का सबसे बड़ा स्कोर

भारतीय क्रिकेट में रणजी ट्रॉफी की तरह ही अफगानिस्तान में भी एक फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट खेला जाता है. अहमद शाह अब्दाली 4-डे टूर्नामेंट का नया सीजन इन दिनों खेला जा रहा है. इस टूर्नामेंट के 9वें मैच में हिंदुकुश स्ट्राइकर्स का सामना पामीर लेजेंड्स से हो रहा है. अपना पिछला मैच हारने वाली हिंदुकुश ने इस बार बल्लेबाजी के लिए बेहतरीन परिस्थितियों का फायदा उठाया और रन का पहाड़ खड़ा कर दिया.

इलाज, फिर दिखेगी तूफानी रफ्तार!

मैच की पहली पारी में ही इस टीम के बल्लेबाजों ने इतना बड़ा स्कोर खड़ा कर दिया, जहां से हारना एक तरह से असंभव ही है.हिंदुकुश के बल्लेबाजों ने करीब ढाई दिन तक पहली बारी में बैटिंग की और 9 विकेट पर 811 रन बनाकर पारी घोषित की. यानि अगर टीम चाहती तो कुछ रन और जोड़ सकती थी. मगर उसकी जरूरत पड़ी नहीं, क्योंकि ये टूर्नामेंट के इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर और इस सीजन का सबसे बड़ा स्कोर बन चुका था.

शतकों की झड़ी लगी

टीम को यहां तक पहुंचाने में शीर्ष क्रम के चारों बल्लेबाजों का बड़ा रोल था, जिन्होंने शतक से नीचे बात ही नहीं की. ओपनर हसन इसाखिल ने 128, जबकि उनके पार्टनर नूर उल रहमान ने 132 रन बनाए. फिर तीसरे नंबर पर आए अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान और अनुभवी बल्लेबाज हश्मतुल्लाह शाहिदी ने 153 रन जड़े. मगर इस पारी के हीरो रहे टीम के कप्तान मोहम्मद आसिफ, जिन्होंने 245 रन की यादगार पारी खेली. इसके जवाब में पामीर का टॉप ऑर्डर ऐसा प्रदर्शन नहीं कर सका और सिर्फ 112 रन पर ही 3 विकेट गिर गए. मगर इसके बाद अफगानिस्तान के लिए खेलने वाले रहमत शाह का जलवा देखने को मिला, जिन्होंने अपने अनुभव और अच्छे प्रदर्शन के सिलसिले को जारी रखते हुए एक बेहतरीन शतक जमाया. मैच के आखिरी दिन यानि रविवार 1 जून को रहमत शाह ने टीम की पहली पारी को जारी रखते हुए ये शतक लगाया और टीम के स्कोर को आगे बढ़ाते रहे. हालांकि हिंदुकुश की पहली पारी से ही तय हो गया था कि ये मैच ड्रॉ पर ही खत्म होगा.

चोट से जूझ रहे मयंक यादव इलाज के लिए विदेश रवाना

नई दिल्ली. अपनी तेज गेंदबाजी से बल्लेबाजों का डराने वाले मयंक यादव से आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन चोट की वजह से वो पूरे समय टीम से बाहर ही रहे. दो मैचों में उन्होंने वापसी करने की कोशिश की, लेकिन फिर वो चोटिल होकर टीम से बाहर चले गए. अब वो इस परेशानी को दूर करने के लिए देश से बाहर जा रहे हैं. वो उस डॉक्टर से अपना इलाज कराएंगे, जिससे टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने इलाज कराया था. इसके बाद उम्मीद की जा रही है कि वो फिर अपनी रफ्तार से बल्लेबाजों को डराने का काम करेंगे.

न्यूजीलैंड जाएंगे मयंक यादव

पीठ के चोट के कारण मयंक यादव इस समय मैदान के बाहर हैं. अब वो इलाज कराने न्यूजीलैंड जा रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक न्यूजीलैंड में उनकी सर्जरी भी हो सकती है. मयंक यादव उन्हीं डॉक्टरों की टीम से इलाज कराएंगे, जिन्होंने टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का इलाज किया था. बुमराह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान सिडनी में चोटिल हो गए थे. उनका इलाज न्यूजीलैंड में ही हुआ था. इस दौरान उनकी सर्जरी भी हुई थी. अब मयंक यादव भी बुमराह की राह पर चल पड़े हैं. जल्द ही उनके ठीक होने की उम्मीद जताई जा रही है.

आईपीएल 2024 में मचाई थी सनसनी

मयंक यादव ने पिछले साल आईपीएल में डेब्यू किया था. उन्होंने एलएसजी की ओर से खेलते हुए अपनी तेज गेंदबाजी से बल्लेबाजों में खौफ पैदा कर दिया था. आईपीएल 2024 में उन्होंने 4 मैच खेले थे, जिसमें उन्होंने 6.98 की इकोनॉमी से 7 विकेट हासिल किए थे. उनकी तेज रफ्तार की वजह से उन्हें जल्द ही टीम इंडिया की ओर से खेलने का मौका भी मिल गया. उन्हें अक्टूबर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ टी20I में डेब्यू करने के मौका मिला था. उन्होंने अभी तक 3 टी20I मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 4 विकेट हासिल किए हैं, लेकिन इसके बाद वो चोट से जूझने लगे. इस सीजन की नीलामी से पहले एलएसजी ने उन्हें रिटेन किया था, लेकिन वो शुरुआती मैच नहीं खेल पाए थे. बीच सीजन में उन्होंने दो मैच खेले, लेकिन इसके बाद वो फिर चोटिल होकर इस सीजन से बाहर हो गए.

इंग्लैंड से करारी हार के बाद वेस्टइंडीज पर आईसीसी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली. वेस्टइंडीज की टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जी रही है. सीरीज का पहला मैच 29 मई 2025 को एजबेस्टन में खेला गया था, जिसमें इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 238 रनों से करारी शिकस्त दी थी. वेस्टइंडीज को इस हार के बाद अब एक और बड़ा झटका लगा है. इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है और सभी खिलाड़ियों को सजा सुनाई है.इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने स्लो ओवर रेट के चलते वेस्टइंडीज टीम को सजा सुनाई है. आईसीसी ने वेस्टइंडीज टीम पर यह कार्रवाई उनके निर्धारित समय में एक ओवर कम फेंकने के कारण की है. आईसीसी के नियमों के अनुसार, एक टीम को वनडे मैच में निर्धारित समय के अंदर अपनी गेंदबाजी पूरी करनी होती है. अगर टीम ऐसा करने में विफल रहती है, तो उसे स्लो ओवर रेट का दोषी माना जाता है. वेस्टइंडीज की टीम इस मैच में एक ओवर पीछे रह गई, ऐसे में सभी खिलाड़ियों पर जुर्माना लगाया गया है.आईसीसी ने प्रेस रिलीज जारी करते हुए कहा, 'एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जेफ क्रो ने हर एक खिलाड़ी पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया है, क्योंकि समय की छूट को ध्यान में रखते हुए, पारी के अंत में शाई होप की टीम आवश्यक लक्ष्य से एक ओवर पीछे पाई गई थी. यह जुर्माना खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुरूप है, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है.' आईसीसी के नियमों के मुताबिक, खिलाड़ियों पर हर ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है, जो कि निर्धारित समय के भीतर गेंदबाजी करने में विफल रहता है.

इंग्लैंड ने दर्ज की एकतरफा जीत

यह मैच इंग्लैंड के नए वनडे कप्तान हैरी ब्रूक के लिए एक यादगार शुरुआत साबित हुआ. इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 400 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया, जिसमें जैकब बेथेल ने 53 गेंदों में 82 रनों की तूफानी पारी खेली. हैरी ब्रूक ने भी 45 गेंदों में 58 रन बनाए और तीन छक्के जड़े. जवाब में वेस्टइंडीज की टीम 162 रनों पर ढेर हो गई. इंग्लैंड के तेज गेंदबाज साकिब महमूद और जेमी ओवरटन ने तीन-तीन विकेट लिए, जबकि बेथेल ने अपनी बाएं हाथ की स्पिन से भी प्रभावित किया. यह इंग्लैंड की वनडे क्रिकेट में रनों के अंतर से दूसरी सबसे बड़ी जीत थी.

पीकेएल 12 की नीलामी में रिकॉर्ड बोली, 10 खिलाड़ी करोड़ क्लब में

नई दिल्ली. प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 के लिए मुंबई में 31 मई से खिलाड़ियों की नीलामी शुरू हो गई है. इसका पहला दिन धमाकेदार रहा. नीलामी के पहले ही दिन रिकॉर्ड 10 खिलाड़ियों के लिए 1 करोड़ से ज्यादा की बोली लगी और लीग में इतिहास रचा गया. नीलामी की शुरुआत में ही ईरानी ऑलराउंडर मोहम्मदरेजा शादलू ने सुर्खियां बटोरीं. गुजरात जायंट्स ने उन्हें 2.23 करोड़ रुपये में खरीदा. वहीं पिछले सीजन के सर्वश्रेष्ठ रेडर देवांक दलाल भी 2 करोड़ रुपये के क्लब में हुए. उन्हें बंगाल उन्हें बेंगल वॉरियर्ज ने 2.205 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया.

शादलू ने रचा इतिहास

मोहम्मदरेजा शादलू ने नीलामी की शुरुआत में ही इतिहास रच दिया. गुजरात जायंट्स ने उन्हें पहली बोली में 2.23 करोड़ रुपये में खरीद लिया. इसके साथ ही शादलू पीकेएल इतिहास में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्हें लगातार तीन सीजन में 2 करोड़ रुपये से ज्यादा रुपये मिले हैं. 11वें सीजन में भी वो सबसे मूल्यवान खिलाड़ी (एमवीपी) रहे थे. दूसरी ओर पिछले बार सर्वश्रेष्ठ रेडर का खिताब जीतने वाले देवांक दलाल भी नीलामी में चमके. उन्हें बंगाल वॉरियर्ज ने 2.205 करोड़ रुपये में खरीदा. वो पीकेएल इतिहास के पांचवें सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं.

इलाज, फिर दिखेगी तूफानी रफ्तार!

इन दोनों खिलाड़ियों के अलावा कैटेगरी ए में कई बड़े नामों ने 1 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया. रेड मशीन के नाम से मशहूर अर्जुन देशवाल को तमिल थलाइवाज ने 1.405 करोड़ रुपये में खरीदा, जबकि डिफेंडर योगेश दहिया को बेंगलुरु बुल्स ने 1.125 करोड़ रुपये में अपनी टीम में शामिल किया. योगेश इस बोली के साथ पीकेएल इतिहास के सबसे महंगे भारतीय डिफेंडर बन गए हैं. इस बार नीलामी में फाइनल बिड मैच (एफबीएम) नियम लागू किया गया है,

जिसके तहत टीमें अपने रिलीज किये गए खिलाड़ियों को अंतिम बोली की कीमत पर वापस खरीद सकती हैं. इस नियम का पहला बड़ा इस्तेमाल दबंग दिल्ली केसी ने किया. उन्होंने अपने स्टार रेडर आशु मलिक को 1.90 करोड़ रुपये में दो सीजन के लिए वापस खरीदा.

इस तरह कैटेगरी ए में कुल 5 खिलाड़ियों के लिए 1 करोड़ रुपये से ज्यादा की बोली लगी.

ये खिलाड़ी भी बने करोड़पति

कैटेगरी बी में भी कई बड़े खिलाड़ियों के लिए शानदार बोली लगी. पटना पाइरेट्स ने अपने ऑलराउंडर अंकित जगलान को 1.573 करोड़ रुपये में एफबीएम कार्ड का इस्तेमाल करके एक सीजन के लिए वापस खरीदा. वहीं, सीजन 8 के विजेता नवीन कुमार को हरियाणा स्टीलर्स ने 1.20 करोड़ रुपये में खरीदा, जिससे वो इस कैटेगरी के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी बने. इसके अलावा, रेडर गुमान सिंह को यूपी योद्धा ने 1.073 करोड़ रुपये में, सचिन तंवर को पुनेरी पलटन ने 1.058 करोड़ रुपये में और नितिन कुमार को जयपुर पिंक पैंथर्स ने 1.002 करोड़ रुपये में खरीदा.

मुरली विजय ने बेटे के साथ मैदान पर बिताए खास पल

नई दिल्ली. कुछ महीनों पहले की ही बात है जब टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और हेड कोच रहे राहुल द्रविड़ अपने बेटे के साथ खेलने उतरे थे. अब द्रविड़ के बाद एक अन्य पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने भी कुछ ऐसा ही किया है. द्रविड़ की ही तरह टेस्ट क्रिकेट में कई साल तक भारतीय क्रिकेट की जान रहे दमदार ओपनर मुरली विजय पहली बार अपने बेटे के साथ क्रिकेट खेलते हुए दिखे. मुरली विजय की पत्नी निकिता ने एक प्यारा सा वीडियो शेयर किया, जिसमें विजय और उनका बेटा उसी मैदान पर पहली बार साथ खेलने उतरे, जहां से दिग्गज बल्लेबाज ने अपना सफर शुरू किया था. टीम इंडिया के लिए पिछले दशक में बतौर टेस्ट ओपनर कई बेहतरीन पारियां खेलने वाले मुरली विजय ने हाल ही में शायद अपने करियर की सबसे यादगार और मजेदार पारी खेली. ये पारी उन्होंने अपने बड़े बेटे निवान के साथ खेली. चेन्नई में रहने वाले मुरली विजय की

पत्नी निकिता विजय ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया, जिसमें वो और उनका बेटा एक ही टीम की जर्सी पहने मैदान पर उतरे. इस दौरान दोनों ने साथ में वॉर्म-अप किया और फिर एक साथ बैटिंग के लिए उतरे.

बिल्कुल विजय की तरह लगाया बेटे ने शॉट : खास बात ये है कि बैटिंग के दौरान निवान ने एक ऊंचा शॉट खेला और जिस अंदाज, फुटवर्क, बैकलिफ्ट और फॉलोथ्रू के साथ उन्होंने वो शॉट लगाया, उसमें बिल्कुल पिता मुरली विजय की झलक दिखाई दी. एकदम बिना किसी ताकत के, परफेक्ट टाइमिंग के साथ लगाया गया शॉट. वहीं कुछ साल पहले ही क्रिकेट से रिटायर हो चुके 41 साल के मुरली विजय की बैटिंग में अभी भी पहले जैसा ही कमाल दिख रहा था. हालांकि, दोनों में एक फर्क भी दिखा. जहां विजय ने अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी का नजारा पेश किया तो वहीं उनके बेटे ने फास्ट बॉलिंग को चुना है.

पत्नी ने बताया क्यों खास था ये पल : इस वीडियो को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए उनकी पत्नी निकिता ने भावुक कैप्शन भी लिखा.

परदीप नरवाल की प्रो कबड्डी ऑक्शन में बुरी किस्मत

नई दिल्ली. भारतीय टीम के दिग्गज स्टार और प्रो कबड्डी के डुबकी किंग ऑक्शन में इस बार अपना जादू नहीं चला पाए। पिछले 3-4 सीजन से चोटों और खराब फॉर्म ने ये हाल कर दिया कि उनपर किसी टीम ने बोली तक नहीं लगाई। प्रो कबड्डी इतिहास के सबसे महान रेडर परदीप नरवाल, वही हैं, जिन्होंने अपनी एक रेड में हरियाणा स्टीलर्स की पूरी टीम को मैट से बाहर कर दिया था। परदीप नरवाल वही हैं, जिन्होंने इतिहास में 1800 से ज्यादा रेड प्वाइंट्स हासिल किए हैं, जिसके आस पास भी कोई नहीं है। शनिवार को ऑक्शन में 12 टीमें शामिल थीं लेकिन किसी को परदीप नरवाल प्रभावित नहीं कर पाए।

प्रो कबड्डी लीग में डुबकी किंग के नाम से मशहूर परदीप नरवाल एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अपने शानदार प्रदर्शन और अद्भुत रेडिंग स्किल से कबड्डी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। 190 से अधिक मैचों में 1801 रेड प्वाइंट्स हासिल करने वाले परदीप न सिर्फ प्रो कबड्डी के सबसे सफल रेडर हैं, बल्कि कबड्डी के इतिहास में एक ऐसी मिशाल हैं, जिनकी मेहनत, समर्पण और असाधारण प्रतिभा का हर युवा कायल है। प्रो कबड्डी में कई स्टार ऐसे हैं, जिन्होंने इसी परदीप नरवाल को टीवी पर देखकर कबड्डी खेलना शुरू किया।

परदीप नरवाल का जन्म 16 फरवरी 1997 को हरियाणा के सोनीपत में हुआ था। एक साधारण परिवार से ताल्लुक रखने वाले परदीप ने कम उम्र में ही कबड्डी खेलना शुरू कर दिया। जिस देश में क्रिकेट का रोमांच सिर चढ़कर बोल रहा था, वहां परदीप ने कबड्डी को अपनाया और आगे चलकर नई कहानी लिख डाली। 2015 में परदीप ने बेंगलुरु बुल्स के साथ पीकेएल में डेब्यू किया। पहले सीजन वह कुछ खास नहीं कर पाए लेकिन सीजन 2016 में पटना पाइरेट्स के साथ उनके प्रदर्शन ने सभी का ध्यान खींचा। इस सीजन में उन्होंने 116 रेड प्वाइंट्स हासिल किए और अपनी टीम को पहला खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यूपी योद्धा में जाते ही लगा 'ग्रहण': पटना और परदीप नरवाल का सफर अगले तीन सीजन तक ऐसे चला कि इतिहास में कोई और अब तक नहीं दोहरा पाया। परदीप नरवाल के दम पर पटना पायरेट्स लगातार 3 खिताब जीते। सीजन 7 में भी उन्होंने 302 रेड प्वाइंट्स के साथ अपनी बादशाहत कायम रखी। सीजन 8 में वह यूपी योद्धा चले गए और यहीं से उनके करियर को ग्रहण लग गया। तीन सीजन बिताने के बाद परदीप बेंगलुरु बुल्स में शामिल हुए लेकिन यहां भी वह कुछ खास नहीं कर पाए और टीम ने 2025 ऑक्शन से पहले उन्हें रिलीज कर दिया। परदीप को भले ही किसी ने न खरीदा हो लेकिन उनकी सादगी और खेल के प्रति जुनून उन्हें युवाओं के लिए आज भी एक रोल मॉडल बनाता है।

श्रेयस अय्यर को टेस्ट टीम में नहीं मिली जगह

मोंटी पनेसर ने बताई वजह

नई दिल्ली. स्टार भारतीय खिलाड़ी श्रेयस अय्यर (श्रेयस अय्यर) वर्तमान में आईपीएल 2025 खेलने में व्यस्त हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर ना सिर्फ पंजाब किंग्स को 2014 के बाद पहली बार फाइनल की दहलीज तक पहुंचाया है बल्कि अपने नेतृत्व का भी लोहा मनवाया है। हालांकि इस टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के बावजूद वह भारतीय चयनकर्ताओं का दिल जीतने में कामयाब नहीं हो सके हैं। नतीजन, उन्हें इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं मिल सकी, जहां मेजबान टीम से 20 जून से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। यह तब है जब रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे धुरंधर क्रिकेटर टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके हैं। इन सबके

बीच पूर्व इंग्लिश स्पिनर मोंटी पनेसर ने श्रेयस अय्यर को लेकर बड़ा दावा किया है। इतना ही नहीं, उन्होंने इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में उन्हें शामिल नहीं किए जाने की वजह भी बताई है। **स्विंग की स्थिति में तकनीक सही नहीं**

पूर्व इंग्लिश स्पिनर मोंटी पनेसर ने कहा है कि श्रेयस अय्यर के पास सपाट ट्रैक और उछाल भरी पिचों के खिलाफ बहुत अच्छी तकनीक है। मुझे लगता है कि स्विंग की स्थिति, शायद उनकी तकनीक इस समय सही नहीं है।

मुझे ऐसा ही लगता है। मुझे लगता है कि उनके हाथ थोड़े सख्त हैं। उनके पास सॉफ्ट टच नहीं है, वे स्विंग बॉल को देर से खेलते हैं। स्विंग को जल्दी देखकर और देर से खेलते हुए, वे गेंद पर ज़ोर लगाते हैं। मुझे लगता है कि तकनीक के लिहाज से, उनका खेल शायद इस समय स्विंग करने वाली परिस्थितियों के अनुकूल नहीं है। और शायद इसीलिए उन्होंने सोचा कि, कुछ अन्य खिलाड़ियों को मौका दिया जाए जिनका खेल स्विंग करने वाली परिस्थितियों के अनुकूल है।

काउंटी क्रिकेट खेलने की सलाह

43 वर्षीय पूर्व स्पिनर ने श्रेयस अय्यर को भारतीय टेस्ट में जगह बनाने के लिए एक अहम सलाह दी। उन्होंन कहा कि श्रेयस अय्यर को भारती टेस्ट टीम में जगह बनाने के लिए मुझे लगता है कि उन्हें काउंटी क्रिकेट खेलने की ज़रूरत है।

अगर वह टेस्ट क्रिकेट खेलने के बारे में गंभीर हैं, तो उन्हें काउंटी ढूंढ़नी चाहिए और काउंटी क्रिकेट का एक सीजन खेलना चाहिए।आपको बता दें कि दाहिने हाथ के बल्लेबाज ने भारत की ओर से अब तक कुल 14 में से 11 टेस्ट एशियाई परिस्थितियों में खेला है, जबकि अन्य तीन मुकाबले दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में खेले हैं। श्रेयस अय्यर ने इंग्लैंड में एक मात्र टेस्ट मैच जुलाई 2022 में बर्मिंघम में खेला था, जहां उन्होंने दोनों पारियों को मिलकर कुल 34 रन बनाए थे।

रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज जल्द करेंगे शादी

नई दिल्ली. भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और मछलीशहर की सांसद प्रिया सरोज एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं. इस साल की शुरुआत में इन दोनों का रोका हुआ था और अब दोनों जल्द ही एक-दूजे के भी होने जा रहे हैं. रिंकू सिंह और प्रिया सरोज जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं. इस जोड़ी की शादी की तैयारियां जोरों पर हैं, और अब रिंग सेरेमनी और शादी की तारीखें भी तय हो गई हैं. इस भव्य समारोह में राजनेता, फिल्मी सितारे और उद्योगपति शामिल होंगे. दैनिक भास्कर की रिपोर्ट के मुताबिक, रिंकू सिंह और सांसद प्रिया सरोज की रिंग सेरेमनी 8 जून को लखनऊ के एक सात सितारा होटल में होगी, जबकि शादी 18 नवंबर को वाराणसी के ताज होटल में संपन्न होगी. जिसमें एक भव्य समारोह की उम्मीद है. इस शादी में कई बड़े राजनेता, फिल्मी सितारे और उद्योगपति शिरकत करेंगे, जिससे यह आयोजन सुर्खियों में रहेगा. सपा विधायक के करीबियों के मुताबिक, शादी पारंपरिक रीति-रिवाज से होगी. विराट कोहली का अपमान!

CMYK

बीजेपी की रणनीति भ्रष्टाचार से घुसपैठ तक ममता को घेरने की

> 'मास्टर प्लान' तैयार!

कोलकाता.

पश्चिम बंगाल में 2026 में विधानसभा चुनाव है, लेकिन चुनाव से एक साल पहले ही बंगाल की सियासत गरमा गई है. दो दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले 14 सालों से सत्तारूढ़ ममता बनर्जी की सरकार पर जमकर हमला बोला है.

अमित शाह ने ममता बनर्जी की सरकार को साल 2026 में सत्ता से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया और साथ ही ममता पर सिंदूर का अपमान करने का आरोप लगाया.अमित शाह ने कहा कि 2026 में बंगाल की जनता परिवर्तन लाएगी और भारतीय जनता पार्टी राज्य में सरकार बनाएगी. उन्होंने ममता बनर्जी को सीधे चुनौती देते हुए कहा, दीदी, अब आपका वक्त खत्म हो चुका है. भाजपा 2026 में सरकार बनाएगी. हमें बंगाल से घुसपैठ, भ्रष्टाचार और तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म करना है.गृह मंत्री ने ममता सरकार पर घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप भी लगाया.

ममता पर 'सिंदूर' का अपमान करने का आरोप

अमित शाह ने अपने भाषण में हालिया राष्ट्रीय सुरक्षा ऑपरेशन ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने उसका विरोध किया और देश की करोड़ों महिलाओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाई. उन्होंने कहा, हमारे जवानों ने पाकिस्तान में घुसकर 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मारा, लेकिन दीदी को इससे दर्द होता है. ममता बनर्जी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' का विरोध कर महिलाओं के आत्मसम्मान और आस्था का अपमान किया है. बंगाल की माताएं और बहनें उन्हें 2026 के चुनाव में इसका जवाब देंगी.

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं दे रही है, ताकि घुसपैठ बनी रहे और उनका वोटबैंक सुरक्षित रहे. उन्होंने कहा, हमने उनसे बाड़ लगाने के लिए जमीन मांगी है, लेकिन वह नहीं दे रहीं.

उन्हें डर है कि घुसपैठ रुक गई तो वोटबैंक कम हो जाएगा और उनका भतीजा मुख्यमंत्री नहीं बन पाएगा.

मुस्लिम जिम ट्रेनरों की बना रहे सूची...

> बोले सांसद आलोक शर्मा

भोपाल.

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में कथित 'लव जिहाद' को लेकर सियासी माहौल एक बार फिर गरमा गया है. इस बार विवाद की शुरुआत बीजेपी सांसद आलोक शर्मा के बयान से हुई है, जिसमें उन्होंने मुस्लिम जिम ट्रेनर्स को लेकर आपत्ति जताते हुए उन्हें बहनों को ट्रेनिंग देने से रोकने की बात कही है.

सांसद ने कहा कि इंदौर के बाद अब भोपाल के जिम और ट्रेनर्स की जानकारी एकत्र की जा रही है और "तथाकथित मुस्लिम समाज" के लोगों को बहनों को ट्रेनिंग देने का कोई अधिकार नहीं है.

शर्मा ने कहा, "इंदौर ने ठीक निर्णय लिया है. हम पुलिस को सूची सौंपेंगे. सरकार अपना काम करेगी और हम अपना. किसी को लव जिहाद की अनुमति नहीं दी जाएगी. यह लोग अब भूमि पर भी लैंड जिहाद कर रहे हैं, लेकिन अब यह नहीं चलेगा. कानून अपना काम करेगा और कठोर से कठोर कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने कहा कि भोपाल में कई जिम हैं, जिनकी सूची तैयार करवा रहे हैं और उस सूची के अंदर वहां जिस तरह के ट्रेनर्स हैं, वो तथाकथित मुस्लिम समुदाय के हैं. उनको भी कोई अधिकार नहीं है. यदि कोई जिम है तो वहां बहनों को भी ट्रेनर होना चाहिए. उसकी भी सूची बना रहे हैं. इंदौर ने ठीक काम किया है.

उन्होंने कहा किउस सूची को पुलिस को सौंपने वाले हैं. पुलिस अपना काम करेगी और कानून अपना काम करेगा. मध्य प्रदेश में डॉ मोहन यादव की सरकार है.

यहां लव जिहाद को अनुमति नहीं दी जाएगी. लव जिहाद कर रहे हैं और भूमि जिहाद कर रहे हैं. यह चलने वाला नहीं है. कानून अपना काम करेगा. कानून उनके ऊपर कठोर से कठोर कार्रवाई करेगा.

पाकिस्तान की जमात का नया मिशन

ढाका.

जिस जमात-ए-इस्लामी को कभी बांग्लादेश की आजादी का विरोध करने के आरोप में चुनावी राजनीति से बाहर कर दिया गया था, अब वही पार्टी एक दशक बाद फिर से लोकतंत्र के मैदान में उतरने को तैयार है. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अब जमात-ए-इस्लामी चुनाव लड़ सकेगी. लेकिन इस फैसले को लेकर सवाल उठ रहे हैं. क्या ये इंसाफ की जीत है या फिर राजनीति की कोई नई चाल? आइए समझते हैं इस पूरी कहानी को.

बांग्लादेश की सुप्रीम कोर्ट ने रविवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया. कोर्ट ने चुनाव आयोग को जमात-ए-इस्लामी का पंजीकरण बहाल करने का आदेश दिया. इस फैसले के साथ ही 10 साल से ज्यादा समय तक चले कानूनी संघर्ष का अंत हो गया. जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख डॉ. शफीकुर रहमान ने इसे इंसाफ की जीत बताते हुए कहा कि यह फैसला लोगों के वोट देने के अधिकार को मजबूत करेगा. उन्होंने इस दिन को अल्लाह का इनाम बताया.

1971 में जब बांग्लादेश पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहा था, तब जमात-ए-इस्लामी पर पाकिस्तान का साथ देने और स्वतंत्रता का विरोध करने के गंभीर आरोप लगे थे. यही नहीं, 2010 में बांग्लादेश सरकार ने युद्ध अपराधों के लिए जांच शुरू की और 2013 तक जमात के कई बड़े नेता दोषी करार दिए गए. इसके बाद 1 अगस्त 2013 को सुप्रीम कोर्ट ने पार्टी का पंजीकरण रद्द कर दिया और उसे चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित कर दिया गया.

जहां जमात और उसके समर्थकों ने इस फैसले को लोकतंत्र की जीत बताया है, वहीं विपक्ष और सिविल सोसायटी का एक बड़ा तबका इस फैसले पर सवाल उठा रहा है. कुछ लोगों का मानना है कि यह अंतरिम सरकार की रणनीति हो सकती है. पुराने राजनीतिक समीकरणों को फिर से मजबूत करने की कोशिश. खासकर तब, जब देश अगले आम चुनाव की ओर बढ़ रहा है और सत्ता संतुलन बिगड़ रहा है.

सवाल अब यह है कि क्या बांग्लादेश की जनता उस पार्टी को माफ कर सकेगी, जिस पर 1971 के अत्याचारों का आरोप है? क्या जमात वाकई बदल गई है या यह सिर्फ सत्ता में वापसी की कोशिश है? सुप्रीम कोर्ट का फैसला भले ही कानूनी हो, लेकिन इसका असर अब सियासत और जनता की सोच पर पड़ेगा.

आने वाले चुनाव इसका असली जवाब देंगे ये इंसाफ की जीत है या यूनुस की एक सियासी चाल.

कोलकाता की सड़कों पर नहीं होगी नमाज

कोलकाता.

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में हर साल की तरह ईद-उल-जुहा के मौके पर रेड रोड (इंदिरा गांधी सरणी) पर नमाज की तैयारियां की जा रही थी. इस नमाज में एक साथ लाखों लोग शामिल होते थे, लेकिन इस बार सेना ने यहां होने वाली नमाज के लिए परमिशन नहीं दी है. मुख्यमंत्री बनने के बाद ममता बनर्जी भी हर साल ईद-उल-फ़ित्र की नमाज़ के दौरान मौजूद रहती हैं. हालांकि परमिशन न मिलने के कारण इस बार सड़क पर नमाज नहीं होगी.

इस साल ईद-उल-फ़ित्र के बाद पहली बार इस जगह पर हनुमान जयंती के दिन हनुमान चालीसा का पाठ करने की सेना से इजाज़त मिली थी, लेकिन कोलकाता पुलिस ने इजाज़त नहीं दी. आयोजक कोलकाता हाईकोर्ट भी गए, लेकिन वहां से भी इजाज़त नहीं मिली थी. सेना के इस फैसले पर कोलकाता खिलाफत कमिटी ने आपत्ति जताई है.

कमेटी ने कहा कि ऐसी ही स्थिति पिछले साल भी बनी थी, मामला हाईकोर्ट तक गया था और कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा था कि दशकों से यहां शांतिपूर्वक आयोजन होता रहा है, इस पर रोक नहीं लगाई जा सकती है. कोलकाता की ईद की नमाज़ सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि सांप्रदायिक सौहार्द और एकता की प्रतीक रही है, जिसमें राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल होते हैं.

कोलकाता के रेड रोड पर होने वाली नमाज को लेकर ये दूसरी बार है जब सेना ने परमिशन नहीं दी है. इसके पिछले साल सेना ने परमिशन नहीं दी थी, जिसके बाद कमेटी ने कोर्ट का रुख अख्तियार किया था. सेना की तरफ से नमाज की परमिशन नि मिलने के बाद ऐसा माना जा रहा है कि मुस्लिम समाज एक बार फिर कोर्ट का रास्ता अख्तियार कर सकता है. हालांकि अब समय कम है. ऐसे में देखना होगा कि आगे क्या फैसला लिया जाता है. सालों से चली आ रही नमाज पर रोक लगती है या फिर कोर्ट से राहत मिलती है.

लखवी की जेल की सजा के बीच पिता बनने की चर्चा

> ओवैसी ने पाक ग्रे लिस्ट पर जताई राय

नई दिल्ली.

भारत के सात सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल 33 देशों की राजधानियों का दौरा कर रहे हैं. इन प्रतिनिधिमंडलों में शामिल सभी लोग आतंकियों के पनाहगाह पाकिस्तान और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों को अलग-अलग मंचों पर बेनकाब कर रहे हैं. इसी कड़ी में बीजेपी सांसद बैजयंत पांडा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल उत्तरी अफ्रीकी देश अल्जीरिया में है.

इस दौरान एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि हमने (भारत और अल्जीरिया ने) नवंबर (2024) में एक रक्षा समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, और मुझे यकीन है कि इससे समझ बढ़ेगी और हमारे रिश्ते मजबूत होंगे. उम्मीद है कि हमारे प्रधानमंत्री बहुत जल्द अल्जीरिया आएंगे. उम्मीद है कि अल्जीरिया के राष्ट्रपति भारत आएंगे. यह सही दिशा में एक बहुत अच्छा कदम होगा. सांसद ओवैसी ने कहा कि पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी समूहों को धार्मिक स्वीकृति प्राप्त है, जो पूरी तरह से गलत है. इस्लाम किसी भी व्यक्ति की हत्या की अनुमति नहीं देता है और दुर्भाग्य से, यही उनकी विचारधारा है.आतंकवाद दो चीजों पर जीवित रहता है, विचारधारा और पैसा. आप अच्छी तरह जानते हैं, आपने काला दशक देखा है, यहां तक कि दक्षिण अल्जीरिया में आपको अभी भी कुछ समस्याएं हैं. उस बिंदु पर हम एक साथ हैं. एक बार जब आप पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में वापस लाएंगे, तो हम भारत में आतंकवाद और हत्याओं में कमी देखेंगे.

हमारे पास 2018 का अनुभव है जब अल्जीरिया और अन्य देशों ने भारत की मदद की थी.

सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि जकीउर रहमान लखवी नाम का एक आतंकवादी था. दुनिया का कोई भी देश ऐसे आतंकवादी को अनुमति नहीं देगा जो आतंकवाद के आरोप का सामना कर रहा हो. वह जेल में रहते हुए ही एक बेटे का पिता बन गया. पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में डाले जाने के तुरंत बाद ही मुकदमा आगे बढ़ गया.

ओवैसी ने कहा कि यह सिर्फ़ दक्षिण एशिया का सवाल नहीं है. हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं. क्या होगा? क्या आप चाहते हैं कि यह सारा नरसंहार दक्षिण एशिया के अलग-अलग हिस्सों में फैल जाए? आतंकवाद के मुख्य प्रायोजक पाकिस्तान पर नियंत्रण करना विश्व शांति के हित में है. इसे एफटीआई की ग्रे सूची में वापस लाना होगा.

भारत स्वभाव से हिंदू राष्ट्र है, ये परम सत्य है...

नई दिल्ली.

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के लिए बाबा रामदेव हरियाणा के कुरुक्षेत्र पहुंचे. यहां उन्होंने कहा कि भारत स्वाभाविक रूप से एक हिंदू राष्ट्र है. भारत में रहने वाले लोग चाहे वह मुसलमान हों, ईसाई हों या कोई अन्य धर्म मानते हों, उनके पूर्वज हिंदू ही हैं और यही परम सत्य है.

सभी लोग जितना जल्दी हो सके इस सच्चाई को स्वीकार कर लें. बाबा रामदेव ने कहा कि मेरा लक्ष्य है कि आगे आने वाले कुछ समय में हम पूरे विश्व के 500 करोड़ लोगों को योग, आध्यात्म और सनातन के मूल्यों से जोड़ेगें और यह सुनिश्चित करेगें कि अधिक से अधिक लोग सनातन धर्म को समझे और उसे अपनाएं. यही सनातन धर्म की विजय यात्रा होगी.

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बाबा रामदेव ने कहा कि हमने आतंकवादियों को उनके घर में 100 से 200 किलोमीटर अंदर घुसकर मारा है. पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर बंद नहीं हुआ है. ऑपरेशन सिंदूर हमारी सेना का पराक्रम है. यह देश की एकता, अखंडता का प्रतीक है और यह नए भारत की सेना है. भारत अपनी सीमाओं और अपने देश की रक्षा करना जानता है. उन्होंने कहा कि जो लोग आतंकवाद की मदद कर रहे हैं अब उनकी खैर नहीं.

कुरुक्षेत्र में मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह की तैयारी के लिए स्वामी रामदेव कुरुक्षेत्र पहुंच गए हैं. यहां उन्होंने ब्रह्मसरोवर के पुरुषोत्तमपुरा बाग में योग साधकों को योगाभ्यास करवाया. बाबा रामदेव ने कहा कि इस बार इंटरनेशनल योग दिवस पर कुरुक्षेत्र से एक नए युग की शुरुआत होगी. महाभारत के समय इसी धरती से श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश दिया था. आज उसी धरती से अब योग धर्म का शंखनाद होगा. इस योग दिवस पर एक लाख से ज्यादा लोगों की भागीदारी होगी ब्रह्मसरोवर कुरुक्षेत्र और पूरे हरियाणा से 10 लाख की भागीदारी होगी.

अमेरिका के आरोपों पर भड़का चीन

वाशिंगटन.

बीजिंग और वाशिंगटन के बीच तनाव अब केवल कूटनीतिक बयानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सीधे सुरक्षा मंचों से खुला टकराव देखने को मिल रहा है. अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के बयान ने चीन को भड़का दिया है. हेगसेथ ने चीन को असली खतरा बताकर उसे वैश्विक स्थिरता के लिए चुनौती बताया था.इस पर चीन ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और अमेरिका पर शीत युद्ध की मानसिकता अपनाने, एशिया को अस्थिर करने और सैन्य संघर्ष की नींव रखने का आरोप लगाया है. यह टकराव अब सिर्फ आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे एशिया-प्रशांत क्षेत्र को ज्वलनशील बना रहा है. शांग्री-ला डायलॉग नाम के वैश्विक सुरक्षा सम्मेलन में अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने चीन को अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए बड़ा खतरा बताया. उन्होंने कहा कि चीन की सेना असली जंग की तैयारी कर रही है और ताइवान के खिलाफ उसकी आक्रामकता तेजी से बढ़ रही है. इस पर चीन ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हेगसेथ का बयान उकसावे और भड़कावे से भरा हुआ था. चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका एशिया को दो धड़ों में बांटकर टकराव को बढ़ावा दे रहा है.

फाइटर पायलट मनीष को मिली बड़ी ज़िम्मेदारी

> 4000 घंटे उड़ान का अनुभव

तिरुवनंतपुरम.

एयर मार्शल मनीष खन्ना ने रविवार को तिरुवनंतपुरम में दक्षिणी वायुसेना कमान का पदभार संभाला लिया है. उन्हें दक्षिणी वायु कमान के नए एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में नियुक्त किया गया है. एयर मार्शल खन्ना विभिन्न लड़ाकू और प्रशिक्षक विमानों पर 4,000 घंटे से अधिक उड़ान का अनुभव रखने वाले वायुसेना के एक कुशल अधिकारी हैं.

सरकार ने एक बयान में कहा कि उन्हें 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना की लड़ाकू शाखा में कमीशन दिया गया था.इसमें कहा गया है, 'एयर मार्शल मनीष खन्ना अति विशिष्ट सेवा मेडल , वायुसेना मेडल ने 1 जून को एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (एओसी-इन-सी) के रूप में दक्षिणी वायु कमान की कमान संभाली.' खन्ना एक पायलट अटैक इंस्ट्रक्टर भी हैं.

एयर मार्शल मनीष खन्ना श्रेणी 'ए' योग्यता प्राप्त उड़ान प्रशिक्षक हैं और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज, वायु युद्ध महाविद्यालय और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज के पूर्व छात्र हैं.वायु रक्षा, जमीनी हमले, रणनीतिक टोही और इलेक्ट्रॉनिक युद्धक कौशल में अपने समृद्ध परिचालन अनुभव के अलावा, एयर मार्शल के पास प्रशिक्षण क्षेत्र में व्यापक अनुभव है.लगभग चार दशकों के अपने शानदार कैरियर में उन्होंने लड़ाकू स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर, एयर क्रू एग्जामिनिंग बोर्ड, एक प्रमुख उड़ान बेस, उन्नत मुख्यालय, पश्चिमी वायु कमान और कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर में कमांडेंट के रूप में कार्य किया है. वर्तमान पदभार ग्रहण करने से पहले एयर मार्शल दक्षिण पश्चिमी कमान (एसडब्ल्यूएसी) में वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर थे.

रक्षा मंत्रालय ने एक अन्य घोषणा में कहा कि एयर मार्शल जसवीर सिंह मान ने एक जून को भारतीय वायुसेना की पश्चिमी वायु कमान (डब्ल्यूएसी) के वरिष्ठ एयर स्टाफ ऑफिसर के रूप में पदभार ग्रहण किया.बयान में कहा गया कि एयर मार्शल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं और 16 दिसंबर, 1989 को भारतीय वायुसेना में एक लड़ाकू पायलट के रूप में कमीशन प्राप्त किया था.

आप ने बीजेपी सरकार पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप

> वीरेंद्र सचदेवा ने किया पलटवार

नई दिल्ली.

राजधानी दिल्ली की सत्ता पर लंबे समय बाद काबिज हुई भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव से पहले कई अहम वादे दिल्ली की जनता से किये, जो सीधे तौर पर जनता से जुड़े हुये हैं. इनमें एक अहम वादा, महिलाओं को 2500 रुपये मासिक बतौर 'महिला सम्मान निधि' देना है. बीजेपी ने कहा था कि उनकी सरकार बनते ही 8 मार्च से हर महीने दिल्ली की महिलाओं के बैंक खाते में 2500 रुपये आया करेंगे. लेकिन आज तीन महीने के बाद भी किसी महिला को बीजेपी की रेखा गुप्ता सरकार द्वारा महिलाओं को पैसे नहीं दिए जाने को लेकर विरोधी दल निशाना साध रहे हैं.

महिला सम्मान निधि के नाम पर 'आप' ने सिर्फ सपने बेचे

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने आम आदमी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि 'आप' जब सरकार में थी तब भी आपदा थी और अब विपक्ष में रहकर भी दिल्ली और पंजाब की जनता को गुमराह कर रही है. उन्होंने याद दिलाया कि फरवरी 2024 में जब 'आप' सरकार दिल्ली की सत्ता में थी, तब बजट में हर महिला को 1000 रुपये मासिक देने की घोषणा की गई थी. लेकिन वर्ष भर में किसी भी महिला को यह राशि नहीं दी.

रेखा सरकार के 100 दिन पूरे होने के जश्न के बाद यह सियासी घमासान और भी तेज हो गया है.

इसी तरह पंजाब में भी 2022 में महिलाओं को मासिक राशि देने का वादा किया गया था, लेकिन सत्ता में तीन साल बीत जाने के बाद भी एक भी महिला को उसका लाभ नहीं दिया और आज वह पार्टी बीजेपी से सवाल पूछ रही है. यह 'आप' के दोहरी राजनीति को उजागर करता है.

उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार ने 2025-26 के बजट में महिला सम्मान निधि के लिए 5100 करोड़ रुपये की राशि आरक्षित की है. एक उच्च स्तरीय मंत्री समिति इस योजना को अमल में लाने की दिशा में कार्य कर रही है और जल्द ही इसे लागू कर महिलाओं को सीधा लाभ देना शुरू कर दिया जाएगा.